

ঞ। মির্নিশ্বনাধার্মীর্মানাধারী শ্বানিব্যানাধারী শ্বানিব্যানাধারী শ্বানিধারী

ञ्च'न|सय'ञ्चर'नअ'ञ्च'ये'मेस'न्नर'नेंस'अह्[।]न।

स्मार्या सूर रमास्य धेराने या द्वार र्यो

रमायामारायायाची राजेता स्थापस्या मुया । मार्चा मार्चा प्रस्ता सर्वा सार्चा । या अियान्त्रेत्रामासुस्यायम्बाप्तर्वयाने। । याप्यायमार्डम्यायायोगो विचार्से प्रची । नर्दन में विष्ट्रे नर्द्रमा नर्दन क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्र स्वीत नर्दन क्षेत्र निष्टित स्वीत निष्टित स्वीत स्यायाने प्रस्यायया द्यान्येन स्याणी मेटाया सुवार्या से लेया गुप्ते मेटाया न्यायदे क्षांक्याद वृत्य ने प्रविक माने म्यायदे हेया शुर्म्य मृत्वित प्राप्त प्र रेगान्दाल्यशहेता भ्रायाद्रमञ्जीमामी मुयासळ्यामर्थयाचा सान्दारीया भर्वे रेशन्त्वरायात्रभयाउन् ग्री पने पाय वृत्यम् द्वे प्रेने सुभा सुवा र्त्तेन इसमा ग्रीम पर्के नात्रा नमा र्सेना कय प्रेमा नमा यहे पर्तीन या दर्ति सर्केना मान्यासुगर्य देवा देवा चुना चुवान्याद्या प्राप्त मान्या स्था स्थान्या चुन्त्याचुन्या रे'ट'धेर्रायर'दर्गेट्रायया वर्गासु'ये'में भिर्ट्रा ग्रम्या हूं रागु'सू'र गहेशकुम्मरादुकेंशपर्केषादुमहत्त्रमा सङ्गेष्ठाम्यत्याम्यतान्त्रा यद्यामुयानियामहियामद्यानियोभियार्स्स्यार्स्स्यार्स्यान्यानियानियान्त्र्यान्यान्यानियान्त्र्यान्यान्यानियान्त्र

इत्याययायायद्वित्याने। देषानेयाण्चीत्र्यायायायद्विताया ५८१ मार्थर रेर् ५५ मार्थर अर्र मार्थ या रे मार्थ या श्वर सुव ५८ या न्या सुव रेर् मक्रीमानमास्या रेत्रमल्यामायास्य स्याप्त स्थापतास्य प्रमान अायर न्या न्या त्यर अमीत न्या । अकेअया सु ते रया न्या त्यर पाळा नबस्यवस्य सम्मित्रम् निष्मु स्वाप्यमा मित्र नित्य स्वाप्य वित्र स्वाप्य वित्र स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य के में कम मेलानशासानमायानशामेन की मार्च में प्रमान के के शाया ममा हेते लगानमारा नुमाने प्येन न दि । यन हिर्मा न स्वाप्त प्रमा न स्वाप्त । नशणुटान्नायके नानुन्धी स्वापालियार्विया दान्डन र्यासार्वेरानालिया धीता ना नुःवटः र्ह्मेन इसस्य ग्रीसः नर्छेषः से खुनः याविमार्भेम रेसः नर्सेनः नर्सम्यः र्शे । वि नर्द्वाया क्षेत्रे नु र्ये प्व ना क्षेत्रे मा वेट या अर्थे ना व न्यया नर्षे प्रते या के नःवित्र मुः अहेश या लेगा नर्यश्याया वटा र्ह्मेत्र स्थश तः रो नेंद्र ग्री नर्यतः ये पर्ने मुलार्से प्यट द्या पर्दे । विषा बेरा श्रुषा पा की की ता सुदी दर्वे ता पी की प्राप्त । श्रीटायटाष्ट्रटाक्रां क्षान्त्रीं कात्राम्या ने व्यापना सका यस सुरार्क्ष को नितायमा उर्धेदुते मुः धेन प्रशादिते हें सें र से र्वेश दि या मुदे मुंसे निग्नु द प्रश कत्। में त्रण्णे मुवार्साया न वारा में शार्शे रामर्थन प्रमेत्र मुवार यम्याग्या देवे गहेन त्रु में हे र्गोट हे त्रुव क्ट येन दे यह अम्याया यूट्र र्सेयात्तर बाचाना रामास्याप्ता रामास्याप्ता वातास्याप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्व नकु दुना दुः र्लेन ने कु नना नार्द्रमा यमा मी कुया र्सेन माता या ने देश खुरा कु है। तर्त्रिभानिता देवाश्वर्षाक्ताहाश्वरमा देवाश्वर्षाक्ताहार्ष्ट्रम्भमानेता देवाश्वर्षाक्ताहार ब्रबार्सि ग्रीमार्गिट हिं गुप्ता दे तुट प्रमास स्वायार्सि कर दया वाद्यवाया वि

नवट र्स्नेन प्रिंम खुआ दु है न महे चेंम न ह न मा मु हे प्र से ह न स क्रें आ तु युवानबानु से नुनु नुषा में टार्टे वावधुवा में से विटार्थे दान वस्त्रा स्था ने दा ॻॖऀॱॴॸॱख़ॖढ़ॱख़ॖॴॱॸऻॿढ़ॱॸऻॱॸॖढ़ऻॱक़ॗॴॹॖॻॖॸॱऄॻऻॺॱय़ॱॺऻॺॕढ़ॎॺऒढ़॔ढ़ॺॱ र्शे। । "नुपानु मुपानु बाबळे द्वापानु पठम्बायाय यय । यदा द्वी रूरा हृताय । व्यायात्रात्रात्रात्रात्रात्रां भूमित्रात्री ।" अभूमायार्येशातुस्तरीस् निवर्षे केश्यम् भूटानायश्चरम्या नेर्णे मुयानु में द्यान्यान्य स्थानित स्थानित नर्जन्यायिकें मा में दाहे तयदा घटा दुर्चेन यथा मुखारी धेन ने राममा र्याखनार्केमारुक् लेनायमार्थीमान्याचमा चुन् क्षीत्राक्ष्यां स्थाने स्थान मुग्नराध्यान न्यायदे केंया नर्ना रे नया ध्या कराया है। रे या नयस नया श्रेश्वरायमाः करा मित्रमाः लेयाः संस्वरामीः रमिरः लूरः रो सः लेयाः समाः र्रेटा देखान्यसम्बर्धसम्बर्धसम्बर्धः विदास्त्रयान्त्रसम्बर्धः सुवर्षः से स्व ने। र्ज्ञेनर्भागनुगायाके। मेंनर्णिर्ज्ञेनर्भाष्ट्रेगर्भाके बेर्न्नित्रायेना नेर्ज्ञेन र्राश्चिर्ष्वेष्ठर्तुः मर्थेष्ठर्भाषा हेते वियान्या रार्थे क्षेत्राम्यस्य प्राप्त सुरार्थे स्थान डेबायवृत्। ने मन्द्रमर्थयाययार्गेटा हे मन्यायुष्यम्बायाम् विमार्थेदा द्वरणुटाटाद्वरायश्यासञ्चर्यायीत्रायश्य दायायुवादुःसकीवरासी निटा र सेशर्र द्वर्रे सकी श्रीमार्गेट हैं मरी द्वर में में में ट हैं सकेंद ग्नब्याग्येर मुण्यु नुण्यु नेदे ल्या न्यू दे नेर ब्या मु स्मार से के न स्था नल्मशक्यादेणान् मृत्यर्केन्यारे नेन्यर्थायर या केन्य्या रायदे क्षावटार्नु अर्केन्या मुर्चाया मुर्चाया मुर्चाया सुर्वाया सुर्वाया मुर्चाया विट क्षे प्रविषयाक्षेत्रप्रवित्व विद्याविष्य विवासिका क्षेत्रप्रविद्या विद्या व

मर्शेया बेरा द्रशासर्केराया पर्दम्या र्त्तेदार्या विषाया बदा स्राया सेरायया है राज्या वमार्केशन्याप्रश्चीनायापन्त्वाकेम्बार्धित्। येनायाकेशसान्याप्रात्त्वा र्ये के हैं दाहे जेर कथा थे में या चमा हु क्षे थे हिंद र्यथा या पर्यया था रे कें वार्य रे नुषाप्रव्या नेपार्चन ग्रैषाके लेषाना स्वेषार्गेट हेपार्थेषानु वेपार्या मुयाना नक्षमा देवे दुमान मुया री ने में निट निमा दमर वेंग नु क्यान निनुमा ल्यानित्रम् रिन्धिर श्रीत्रश्चर नव्यक्ष्याच दिवासीया नव्यक्षा स्वीत्र मुयार्भे र्षित् ग्री पर्द्व भे या श्रवा ग्रुटा क्वा बेबबा द्यार देवा या बेवा पर्दर परा देशा दे'या देश में 'श्रेद' हैगा सकी नस स्वेद न सकेंद 'हेन' न सु र न सु द चलेट्या वह्यायविष्ट्रमायायाट्याचुविष्ट्रम्ळचाचुद्राठेयात्यायळेद्राहेताचे यगारुम्या न्याया स्याया स्याया स्याया स्थाया स्थाया स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया मकी मैयार्ग्यत्यराबरार्ग्येवार्ग्यार्या मूराह्युग्यास्य में प्राप्ति में में प्राप्ति में प्राप् मीबादर्समानबादरे टाया क्षेत्रा सें अकी र्सेन पंगान ग्रीबा चरा है माबा ग्रीप्ता यम् यु प्रविषा क्रमा सुर्वा र्ये पा ये पु प्रविष्ठ । या प् म्हेटमीशायवेदायशायहटा में प्येदादटा द्ये में। देदार्श हिंदा बेरादशायहटा यु में दार्हित प्रेम प्रमान के मार्थे दार्ज मार्थ स्वाय की प्रमान के मार्थ है नाम की मार्य है नाम की मार्थ है नाम की मार्थ है नाम है। भ्रान्यापयाचेराकुटारेयमान र्घेम्यान्यान्यान्यान्यान्यान्या नुन्ने मिर्झेटाक्षेप्नर्मम् कायाया स्नुन्यावटामेयाकाप्राप्तिया माशुत्रान्यामुद्रियत्र्रार्शेत्रम्याभित्याप्रमायाम्यार्था ।देन्न्या मुयानु र्यो निवेशन से निर्देशन र्यानु र्यानु निष्य मुया में हिश मुया से या

यामुयानुते हेन तुरासुयाषयामुयार्थे नसायते र्केश सहन यर प्रवेत नश क्र्रामी, वीराये वी वीराये मी वीराये तुर्द्ध वीया राष्ट्र वीयाया वीरायद्र रूप देश ही या र्टार्सिन्ध्राचार्द्वीचवार्द्वाच्यायम् नुवार्देटावयचाण्चीवस्टार्दुासुवयदा रगुट यर्त प्रया वर्के यक्त न्या न्या नुस्य प्रया नुस्य प्रया सद्यानविद्धाम् हिम् द्वाद्यान्य स्वरानु नविद्धाम् हिम् द्वाद्या है। स्वराप के'चर'गुक'ग्रीब'म्रोट'च'दे। मुव्य'चु'च्या'द्बर'हैट'मेंट'क' केद'यब'म्यबा डेन तु पुट में डे डे पुट में नुसर्माया रेम में क्रिंन प्रमायन में स्मायन वरावराष्ट्रियाया मुयानु वर्षे रेजुयार्देट यनवाण्चे यस्टानु यनवारे वुषानुषा गरिगायासुगार्रेन पति प्रथराया हैगाया केर्रा अके ना श्रेन सुपरिण्त प्रथरा न र्मेमा या केत्रा के 'बेरा पुरार्द्याय 'ग्रीय सकेत 'न्या परी 'स्य प्रीय स्थाप नबर्'न्नेन'रु'श्वेग'के। र्द्रम्मर्नेर्'य'तेर'य'र्द्रभ्यवर्'न्युग्वा वन् तस्याचेरा मृ ध्वामी स्राप्त्र स्यामुदे स्राप्त प्राप्त मार्चा प्रमायमा प्रमा प्रमास्य नगुरान ने में र हैगा या केया सके ने रा सुवा सुवा से सुर सुर सुर सुवा महिंगा वा ना स हु. सेर. पर्वैट. टश. चोशेटश. ता. जाचि. सैचा. चर. शावय. शट. चु. शकुश. यश. रचु. य. नर्दे केंबा ब्रुव दु मार्थिया वया द्वा हमा हु मोटा न दे गाव मी बर्दे राम्या परी भूशराष्ट्रियास्या मितायी. क्र्याता स्वाता वृत्ता व्याता व् नि'द्राक्षे मिले मुद्रमायमा दे यो बादु में भिक्ष दुर्भे भिक्ष मान्य मिले का दुर्भ वसुनान नु नगव चुन नी । अवसुन न नगुअ अं चुय ने न न । ने नय गोद गुद्रातस्ताता द्वेषा देदार्श्याशासा हेदाश्वराष्ट्रात्या स्वाप्या द्वारा सेदार्श्वराष्ट्रा हुल्माभाष्यायालेगानाने। दाक्षेत्राचामाशुभानानुचार्सुमाभान्याचुदारुचा बेंबबाद्यवाम्डेमायदेरार्थे १ रावेंदा बकी दे है यदा गुबायबा देवे मा

र्द्धमाबाद्या हमाबादि त्यूर्वे अके दबाद्यमा दिमा निषा द्यार र्येबा ने सुरहेते इन्दुम्बर्धयानम् हेमर्थिः अन्तर्दात्रमादे दे दुः ईद्दुमाब्बम्यम् देया र्मभामी क्षेत्रायास्यादि दुटा दुर्घेट्या द्याना हुटा से १९ दे दुया सु हुटा द्या दे यामुदेर्द्वान्याम्यानुषानुषाने नर्भे नामिन्द्वान्याम्यान्यान्याम् हेषा र्झें अप्तुप्ता हुम क्यान हें एयम कर्यु या के हे करो हिंद प्यय देव यो प्र थेव'व'यर्नेर'दर्य'वद'र्स्नेव'भे'यध्ये'र्द्रा'दशम्ब्रुदश्य रे'यायश्यायश्रादा वर्देरवर्गानकेंवरेंवरेंवाने भेरिते। वेंदाख्यारु क्षार्केशवार सेंदेखिरहा वच्दायवे सुराबद्यामुया ग्रीयसूत्रायवे द्यो द्या निवाय दत्र सेवे सुवा त्र स्याया शुर्णेशवयशचुराया हुत्र द्वार्थेया हुरा है। यदगायदेर यहर यरमान्द्राचान्द्रवान्द्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवा नमा नन्मामी यार्सेनमायमाण्यानगुमानासी नायानहता सुरार्नेन तु नरेरिये क्रिट र क्रिट प्यम स्माय ने मा चुट ना क्रिट गुर्नार के परेंदा में १दी अकेन न्यान नियान नियान स्थान स्य मक्र नान्ता मुह्न नाने हिंदा गोतु केरि तस्ता वितान नामित्र मार्थ चुर्यायम् में अपूर्वमा चुर्यायम् प्रमायम् निष्यम् विष्यम् विष्यम् विष्यम् विष्यम् विष्यम् विष्यम् विष्यम् विष्यम् विष्यम् विषयम् रनदुःर्सेतानात्राभ्या थिताभर्थनेत्राश्यावितात्रीयात्रियात्रियात्रियात्रीया रुप्रायदि केंबा ची सुम्बादिन यदी नियो प्रति यने बाया होने दि प्रमास्त्र नस्त्रयाने र्षिन प्येत्रयम मिना क्या प्राचित्र मिना अविदर्भिना यामार्थराक्षान्त्रेशान्त्र्यार्थर्क्षान्यसार्थर्भूतामात्रान् नुप्तावामात्र्वाच्या

र्गन्दान्यार्थेन्त्रस्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा यासुरासर्वेदायादे सेंगामिरमुसायार्धेदादी ।देर्मेदाष्ट्रेराखेमास्तरे हेरास्तर निट्रम्गायामान्यामायान्द्रभाषत्राचे स्वापत्राच्या र्देट नगुरा द्या क्षापट न हैग्या याया या या क्षाया है या युट सर्वेया दयी या र्टायस्रिन्या वेर्नुअवरायट्यामुयाग्रीकेयास्यायाया वेर्नुन्याया मुबामाशुटार्यवाराञ्चमान्यर्वेदाणीः यमेगवाराञ्चेताञ्चायाय्ये यात्रीय विदादमा नर्द्रभेषिन सुरानदेवस देश प्रशा देवे सर्द्र नेश ग्रीश नक्ष्य प्रशानर्द्र र्राभ्रामिनेग्रा मुयासुभ्रात्राश्चिरायार्श्वेत्राय्यार्श्वेत्रात्रायार्ग्यायाया कुट पठरा द्रा के के प्राप्त के वा प्रमा द्रा प्रमा के मार के प्रमा के मार के प्रमा के मार के प्रमा के मार के प वर्मायास्य न्यार्चेया हिर्णेया वर्षे भेवे विषय वर्षे व ॻॖऀॺॱक़ॗॖॖॖॖय़ॱज़ॖॱक़ॖॖॱढ़ॸॱॺ॔क़ॱय़ॱॸ॒ॸॱऻॱॸ॓ढ़ॱॿय़ॱक़ॺॱॶॱॿॖ॓ॺऻॺॱॻॖऀॸॱॻॖऀॱक़॔ॺॱॿऀॺऻग़ॗ॓ॸॱ 5 र्वेट बिटा ने रं न पने क्षेत्र 5 मार्थेय न । ने या मुया मुन न मानिके न हिटा देवे हेयायायदी ब्रुव दुः मार्थेया द्रा द्राया केरा यक्षे प्या देवे हेयायायदी ब्रुव रु'गर्भेयान्यामुयानु'र्केयानुरायमाप्युमार्भे वियासुरानस्त्रम्यानुगयान्या मश्रमानभूरारी वित्यार्क्षाण्ची मभ्रमायार्षित्। सवरार्क्शामुकायरार्षित्। देवै दमो चवै चमेशमाहेन व र्हेर मुवा रेवि सुमन ५ दमो र्सेट रसी ५ विश सु चदेःदर्यानभ्रयाधेनार्ने। । मासुद्यान्यान्यान्। हैया ने न्या हैन यसमार्थ्या ने वसासदाने समीत प्रवापनियापायामी प्राप्त प्राप्त नमामान्या स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स र्षेट्रक्ष्वायत्त्रयायद्वेषायायदेष्यम्यायायह्याद्यायाण्येष्याद्याया यश्राद्ये प्रोत्राद्येत्राते। श्रीमार्डमामीश्राद्याप्य हेमाश्रास्य मार्डमामीश्राद्या डे'या दीन गुट र र अ अर्घेट । गरेग गेश सामट अर्घेट यट से अ हे ।

गठिगागीयार्से अर्घेटा से प्राचयाचा से पर्ची अपनेया यदानेया वटा पुन वर्षात्यम्बार्यायायुमायुषा देवै। द्योत्त्राद्वार्षात्र्यार्भेरायुक्ताय्यम्बन र्राणरायर्चेमास्यक्तारु केनशः र्सेन्यमार्चेट्यायार्ट्या स्वाप्तुः सुन्यस्थार्थेनः नमा बटामाबटार्स्मानास्त्रेमानास्त्रेमानास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रा नग्रासम्बा के भ्रामा स्वापेन पहिन प्येन के प्रति मेन प्रामा स्वापेन प्रा शु केंश चेदायादे सें रूटा दु अवरामा हता दु प्रश्लेष करा पेंत्र यथा चुरा शे ब्रटा राश्राकृत्यम् स्वास्त्रानुण्यानु स्वास्त्रानु राम्यापने दार्यान्य स्वास्त्री राम्यापने राम नरमञ्जाक्यार्सेरमित्रा देव्यारीस्थानस्यात्र्यात्र्यात्रावरम्या न्यायापाष्यान्यानु न्यया सुर्या स्याया नित्राम् हेरान्या नित्राम् युवानु नम्भना नेवे द्वायामा हैमार्चेन युवानु युवानवाने करो न नुहर्केषा भ्रास्त्रमा द्रभावेषा श्रूम र्यूट र प्रक्रि बेमा भाषम विषा स्त्रम र स्था प्रश्नेषा स्त्रीत नवट नविना क्या देवे र्डेट अक्षेत्रया सुवे हाया नश्चया रायर नवे मा नहीं ना नविन्या नन्यानुबान्या हेरान्ये वायायाया द्या प्राचीया सुना वाया द्या व्या वादमवायाविः र्सेन् अपादप्यम्मिश्यामिश्यायाः श्रीन्यमा विदानमार्थेरायहरा रेते रुषा शुरश्च नमार्थमा हे यदाया प्रचरा चुटा यदा रेवेटाया चकुया नवा खाखा विषायन मासुसार्यसाय में दार्चित कुरामायान्य मासा र्वमार्स सुधार वारा कुरा ह्माकेर्ते । मुः क्षेत्रे सेशर्से प्राट्या मुग्गर प्राया नशर्ये द्या देश है। मुग्गर प्रा के'न'अट'खुय'नु'नश्चय'नर'कन्'न्या नु'र्नेट'न्य'नर्हेन'हे'नेतु'महेय'य' हिंगानश्चिमानस्यामञ्जूषा देवे दुमाशु खुवा हते केन से हुट नगा

प्यम्बाम्बासायाके विषापान्नो याम्बीमाबाम्बन्यपि विषयामु कुमान्यसा नद्रात्वामुन्यायभागावास् रिनद्यो वायवासूटावी नुः क्रीटासीटावाहेया दुशमार्डमानुम्मुश क्ष्रिप्ययासेशम्मुन्यने र्रेशमदेन नेमन्न्यम् प्राप्तिक्षस वयाविवायदावयानुः यदान्तवार्यार्येयाने दियानुः क्षावियाययान्यस्वाद्यावर्यया द्रा के इस्यी परेव वसालुया प्रया के ये सार्थे दाने में कुरा दुर्ग दे से मुख्या दुर्ग विष्य वरा रु:मुरामर्दायम्बारिक्याने के प्रमुदान के सुदान के सुदान सुबान प्रमुदान के सुवान प्रमुदान के सुवान प्रमुद्र सुवान सुवान प्रमुद्र सुवान सुवान प्रमुद्र सुवान सुवान प्रमुद्र सुवान सुवा त्रभुश्वादाद्वादावेरावाया यादारे द्वारा सुश्वादाद्वादावेरा सादारे राटा वी नुरक्षेपादगदावेरा नुदेरुषायायार्केमानुषानेमानुदानुदेरम् देशदानरा इरक्षेयायरायुदानस्ता नुःर्यदेशायरासुः हैमाश्रद्यास्तायप्तानुः प्रसा अर्द्धयात्र्यात्रायात्राचारीयात्रस्यात्रयात्रस्य स्वायात्रात्रम्य स्वायात्रात्रम्य स्वायात्रस्य स्वायात्रस्य स चिरावराहार्यगानु पर्मावर्गा अदी अयार्यमानु स्राप्ती अटार्यन हिना स्टामी न्म क्षेत्रे लेश सुट प्रक्या यट श्रद में नश्य द्वट मी मन या नु मार्डमा क्षेश यदे । य कर कर कु किया भूक प्रेंक प्रथम में पे चुटा अश्वाया देंगा मी ह में गाया मुंग्नरामुवान्तरेवन्त्रम् सामङ्ग्रमायमान्दान्दान्ते हेर्ने कें भुष्यार्धेन्यमाधीन केया क्या क्षेत्रायुमा सर्वेया हेते क्षेत्र नुपन्या नुहूते क्र्यात्र्यानपुःश्चर्द्वात्तित्वात्र्यात्त्रात्त्रात्त्र्यात्यात्त्रात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्या र्देन्द्रास्यास्यायाः स्वाप्तान्त्रीत्रात्रात्रे स्वाप्तास्यास्या स्वाप्तास्यास्यास्या चते र्तेना नु। यद नि र्से १९ते सुना प्यया नश्च नया श्वर में द प्यया नु सकेया र् न मुपानुःभुन्याभार्यन्या मुदेर्क्यामक्रमयास्देरहायास्या देवसारे लेगा ना मुलानुःभुन्दर्भेन्यान्दायानुःधानोःमाडेमामाञ्चम्यान्या वदार्भेनः इसमान्दास्या प्रतास्य प्रतास्य प्रतास्य स्थानिक स्थानि

दमान मे। मुदे प्यया सेश ग्री पोतु कें सुट दे के प्यया सकी पी मी पा मु सेश समें श येतु कें श्रुट न्यूमिश यशा नर्द्व यें व रे प्रे प्रमाशेश की केंश नवट यें गर्डमास्राध्ययास्यान्वेयाचेत्रा दायहेमाहेत्राची र्धेदायानवदार्या विगानुदाना गद्या बदाने द्वारा में अपना में नबमासे मित्रसम्बर्गनवटार्ग्सिटान्यणनास्रमायेत्रस्मिटासेप्रमुपास्र मॅरिया के कुर पुषायया पर्व में दिल्या न्या मुदे क्षेत्रेया प्रवास में दे मान्न केमार्या हिंद या सेद दसामार्य हमा चर्मा सुप्या सकेश प्रशासित सकेश वया मक्रममास्ति हायमात्त्र त्या हे गीमानुष्य मी सुदानिव न दुर्गे समा ५८१ ५८ में ने ने नर्दे ने अर्दे न्याम्या ने या मुखानु ५८ या भ्रेया ने नया है। इ.च.क्र.त.चयीचनात्राचीताची.रट.त.क्रम.भ्रेमा ट्रेस्यायाती.रिट.ता. नतान्यायायात्रा ५८ में र्सेट्या ५ मा स्वायम में निष्ठेयायया स्वायम में वा समाक्षार्श्वेन बुदानु प्रचेषानमार्मी नमार्केमायाधीन केमाने। प्रनेपन् प्रचेमा च व द. मू. दू. भी. दूर. ज. च केश. त. श. चीशश. शू। विषय श. चीशश. शू। कि. वशश. उर्'यायहर्म्यायहर्दे। विषयाश्वर्त्ते केषानुमक्षेत्र्रा नेमया यरेवा मार्यासूटायान्द्याम्यानुदारुवान्यासेराकेवार्याः ह्वेवा सदावीः र्षित्यायास्रोत्राम्यापुरद्वामी र्विमानुमास्रोत्रास्त्राता ह्वीता त्रिष्टित ग्रीसासुप्याया ही इस्र-दा सद्धारा मुक्ति क्रिस्त दि । क्रिस्त क्रिस क्रिस्त क्रिस यासुर्णिन् गुर्वेश ह्युम् रहेमा मासुर्या ने माहिशन्दर यह स्वीन्दर मासुर्यान्य से मित र्षित्रमाशुभाने न के चेत्रप्तुमा भी सेत्रया चु न सम्बन्ध ने के के शाणी स्नत्यत्र भागर्थयाचरानु। सिटानु। या सुराधिभयान्टानुभागन्यान्यान्यान्यान्यान्या

विश्वासकेन न्या ने हिंदी क्षेत्र ने या क्षिया यहा क्रिया मार्थी क्षेत्र मार्थिया क्षेत्र मा नर-दुःभद्रायाञ्चरार्डमामाश्चरया र्त्तेवार्क्ययादमायानास्ययात्रारी यदाने र्देन नुमायया सूरमी मीमाया सुमान रामकी माया है करी दरी मुस्मा सहरया मक्रियम्बर्धान्यान्य निवर्षात्रेत्। स्रिम्य निवर्षान्य निवर्षात्रेषा नगाय नस्या यह नियके दावयार्थ में स्वयं के कदा कु गर क देशों हीं हैं अर यामार्नेरावामाहैबार्धेनाने। नेमाहैबामुमानामियित्त्रमुर्नेकियानाना। बिट.येश.ट्र्यूर.येटश.तर्र.जू.चीश.ट्रिश.चीश.टर्ग.वाबय.ये.चीश.पट्यो) योशपा.बैट. अट'युय'ग्री'पर'र्त्तेव'रु'नर्सेश'य'यट'ग्रु'गर'रु'यय'हुट'रु'अकैश'वशा वट' अल्टामी'ख्टाचरमा'क्षे'अ'र्दु'र्ने'क्वे'द्रा'द्वी'त'योक्ष्म'अर्केद्र'या'त्रुवार्थेत्'स्या मुते हेन मद्ये न्या नुष्य निष्य नुष्य नुष् विता शवरातायीयाताष्ट्राताश्चित्रा चतातीतातीतातीत्ता चताहातात्त्र्ये ब्बाने। अपयानेटाम्बयानान्तरान्यम् न्यान्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्य यमामदामहैशान सेम्बा मेन्ये रेशान उत्। ख्राउँ राषाया पेना स्वा बेसबानक्षेत्रल्बायबा टायार्धेन्युयार्डमामश्रुट्या महोराद्वियायार्थेम्बा यदै'र इ'र्टा वें'रेश'र्टा हार्सुगशर्टा सूसमेंशर्र वार्टा में'रु' यभग्रन्त्रम् प्रत्या रास्टास्या हेमाम्बरम् उटाभेरामुग्रस्यायाप्रस्या चतुः श्चेरमाश्राद्या रयामा प्यास्या शेशश्राचश्चेदाम्बदा वर्षया स्थाना श्चेरा द्रमम्बद्धा र्रिन् क्षेप्तादिष्यादे विषायाधीवायम् अवन् क्षेपानु अदे स् र्रेयात्रमा बेममानक्षेत्रपदेश्वमाणुषुर्वेष्येत्रपमा वित्रणुः भेटायटाये वेमा न्नर में लेश नु नर प्रयुर में मासुर श त्रासमी में या नुया नुया सहिता मासया

बूट मी प्रदास्त्र नर्ने या मर्थिय नरी हे या या ह्यें ना दर्भे न में दा पुर न या में दा मी नर्द्व भेदि निगमित निष्णा हेव सहित सम् के मान्य लुखा स्था द मेरि ही वर्षानम्याधेम वेंराणुन्व नरम्ये राष्ट्रिया मुभाने। मुगायम रगु नगुःर्घमामी नरानु दानवा खुवान्दा वार्ने रानु स्थर वर्षे क्षिर वर्षे ग्वेन हेन हेटा वर्म र वै नर्दर्भे र ए हिरम् हैश स्ट न्य सेंत्र क्य र्या प्रवास स्या त्युरः भ्रुत्रः ग्रीशः याचा भावेशः चुः यदे । याद्वा । यावा । मर्शेया देश माशुट्या ध्रार्टर या शुरु न्या या प्राया मेमाया माया सूट मीया नया युवानु सु से नु निर्देश नह्यन्य मुन नेया नहीय। यह मा १००० से निर्देश निर्देश नहीं निर्देश नहीं निर्देश नहीं निर्देश नि देश'रात् वटाश'माश्या माश्या श्रदाशर'र्य्टशास् चिटास्ट्रिटश'यर्द्धनश'शकेश नगाय मन्दर क्या है 'या ले' या सुया नया है ये लया क्या मयया सूट केया मुना मुन्दित्वर्षाचेरम् वर्षा वर्षा मुन्दित्वराया वर्षा यट प्राया मी पार्टे द का अकेश प्रया श्रुमाश पार्ट प्रायट प्रदा अकेश लेश मार्शिया हे सम्मासन द्रम्य निवेहिषाया द्रिते सालिया दृष्तुया से क्षिकें या बदा से पु चरि रेगमा भाषमा भाषमा भाषन ५ र मी ५ च च लेगा चलुगमा भाषे अके ५ लेच ५ र्सेया नःसुयान्यस्देते लयान्यां विन्तुं नर्क्यायामन्याम्याग्न ग्रीयान्यन् ने तर्मे नबाखुयानुः र्बेटायाधेनायार्हेन्। टबाल्टाशन वारामन् ग्रीमार्बेयानुबा चल्नायानासुत्या नाययासूत्रेत्रे लेगायुवानु र्येत्। सकता अवने निर्दे निरसः मलेन निया प्रत्ये स्वार प्रत्ये स्वार प्रत्य स्वार स्व र्बेत्यार्केषायादमायानवेर्त्तेत्येंगात्ताद्वार्केषानु नवेर्वेवामानुषानुषाय्वा

बटाश्रामबटामीयासकेट्राम्या बटासाबटार्सेट्रायार्क्यायासीट्रामयामा विमाया मिर्निति हेया सुमानित मार्नेना सुन ग्रीय हैते नर्गेत्या याप्या नर्गे सके नः भूरः कर् । विः नवरं मीशः तुः र्दमा मीः सुमाः श्वेतः दरः र्धे सः दरा भूषा सामतः गुन्यार्भेगानुन्यान्यस्यान्या मुयानुदेन्भुक्यायाने क्यार्थेनायान्नेना नार्त्राचरायुरासयुक्ताराष्ट्रिया देःयाहेःस्ररामुन्यदेशाराष्ट्रिया नमा हेरे भूरे रेम में १९८१ में ४ रा मुद्दा मार्डमा द्वार प्राप्त मासुस कर पर न्यानु नरुमान हेते भुकें न्याक्षा होना यथेया थी। विश्वास्य में मी में ग्रीना बटायाबटाश्रुवाकेवार्यामान्यासनायाने यनेवार्वे बेयार्यया र्यानार्यया पु यरुग अ'ल्ट'मेश'दे'र्घेश'यश'र्मु,'य'याउग'यर'गुरा रुप'र्युगश'गु'म्बर'र्शे विमामीयार्टे या ठे मे मक्षा है। बटा या बटा मीया हे वे मानु टामार्थे मार्मेना प्याद्यार्थित्यायाम् ठेया है। क्षुत्र केत्र चेयया बेराया यदेत्र त्या यकेया यया बटायाबटारे के यरेकारेया क्षया है। स्टामी एका पुरास्त्र प्राप्त का ननुस्रम्। नुद्रास्त्रिन् हेत् हेत् में ननुस्रम् या है हिंद्या ने मा दाया दर केन में मुद्रादें निया मुद्राद्राया निया प्रमास मार्थे । मुद्राद्राया मुद्राद्राया मुद्राया मार्थे । मुद्राद्राया मुद्राया मुद्राय मुद्राया मुद्राय भेत्। उट भै प्रदेश बेर प्रशा वट मैश भे भेंट भारा सुरा प्रशासम् । गुर्कम्बायपेर्द्रसासु। वटाश्यवटामियासुयासुस्कम्बार्यकेर्ययायपेर्द्रसा में गुप्तरमार्थियात्रया र्त्तेवाष्ट्रित्वरमी स्नित्वयाहेते सुमुत्तुत्र गुप्तिरेनायार्थे वियानुः श्रुयान्या नाहेते। व्ययार्नेमा शुक्तामयार्ये त्या वेयायकी प्रया ह्येनार्या वर्गेशामिनवटामारी हेवे विनशार्मेगाटा दे की चु कवि के देगे धेमा कटा दुवटा

८ दे के। र्सेन ८ त्या के पार शुर्थेदा मर्डमा ८ चेदा बेटा बटा साब हा दे से ८'यशके'न'ने सेन्ना हेरे'ल्नश मेंनामरेना चेन्यायश सुद्या कर्या गराय है गा हे या मुद्दाराया वर्गे या दर्भ समा देरा मुद्राया अदा द वह वे स्टर वयास्य नेयायया यालटामीयामस्टावया हैं नमदासीस्वयास्री रहेम द्या भै'नेवानवे'वनमानेन'मानमा कन्मवर्नेम्यान्यानेन्यानेभानमान सक्रम्भार्द्रायमार्थाः में मा भूमितार्द्रायम्भाम् म्याम्यात्रम्भान्यात्रा र्मेर्णे क्ष्मार्ग्ना सुरायायायायायायायाये सुरायायार्गे न्यायार्गे न्यायार्गे न्यायायायायायायायायायायायायायाया बटायाबटात्रापड्गार्डाता र्ज्ञा र्ज्ञात्वेतार्यात्राप्तात्राप्तरुपार्वेता वर्षेत्रा बटमीमानेअअयाचा परेराटपेचा परेराकुपबमामीनेराउटापर्मीपा<u>र</u>टा याबटास्ट्रीम हियायी यो प्रचेट । वया ये प्रमानमा स्थाया मी स्थाय से स्थाया स्थाया स्थाय से स्थाय से स्थाय से स र्टा व्रायिम्पर्यं म्हार्यं व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत व्य गन्ता यान्यसर्गिर्माश्चार्यस्थानामीर्यास्यासर्वितान्या वर्गेर्यान्तरम् मे र्वमानुः र्केटाया बेराय सुना व्यासे माना स्वीता माना सेटा बेना सिमा सुना स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स सर्म्यायायात्र्यं क्रिंन् द्रुया हे हेतु र्थेया वत्यमाया यह दायर पर्नेयायया वयाश्चावयापयाटा व्यालेया चुराय येवा देराया लटाया श्वेंवाया स्विया यशम्वायायाद्या हेर्स्त्रेवर्केम्बायपेर्द्यस्य ब्राह्मः वारामेबाम्बर्धयाया भेषार्श्वेट नर्द्र मुबाक्ष क्रिया सहित्यया येग्या क्षाय्या प्राच्या प्राच्या स्थाया मुबाम्य स्थाया मुबाम्य स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया नवट र्से अह्र प्रति र्त्ना मुल्ट अल्ट मेश निम् मुले स्न मुण स्रे मे स् यदे यह दुर्चेन य सुरामु खुया दु न सुया नहा है। सूर नीहा गुहा होना होना थुयान् नसुयानम्कन्यमानेतुमानेषाणेषाचेमा सुदे स्रास्नम्यम्यासुन

न्द्रायासर्वेत्। ब्रान्त्र्वेत्रकेशान्ध्रुन्यायामास्रुसाण्यास्रान्यास्रान्यास्रान्या र्देटबायमम्त्रीयमञ्जूरा र्हेन्ययम्बेबार्केबाबह्दायास्माबह्दायान्यविषया पर्वेशमार्शियान्या मुयानु स्टिन्नेर निर्वेश प्रदारे नयस्या वृदा र्त्तेन'गुन'णुट'र्ग्नेश'चु'माशुटशा शुट्र'णैश'हे'र्त्तेन'सट'र्ये'र्क्रमशन्रश'सुय'र्य'या नगाय नसुयानु नसुगान्या दियाया सेया ग्रीया क्षा केंया सहन् या लटा गीया चन्द्रान्द्रेत्द्र। कुक्षायदाश्चराधराध्याद्वराद्रद्रान्द्रात्याक्षात्वरायाद्वरा टमाम्बर्द्धन्यायम् क्रमानु नमायकमान्याद्वार् क्रमानु द्वारायाम्यव विषार्वे द्वार भ्रे.ज्.केंब.१४ १८४ मीट. च.र.१ च.त्रभ.पीच.४ से र्यटक्रीचेंबत. बैट शट लेया रेया हुए शिय हर्म मार्था भारता बैट हेये शिया वार-रट-ययाख्यान्याम्बार्यास्याच्यान्यास्या ग्रया सूट मीय गर्येया में इं के ने ने के स्वर्ध न स्वर्ध मुयार्येये तु दमो र्ह्सेट मन ५ म्ह्री ५ तु या मार्स्मा यमाया सामसा या निमासकेश विषामार्थियानान्दा हेदीवयान्यार्षिनाध्यानुष्यात्वीन्तरानेराधीन्त्रात्वी र्टाच्या चयाहे यादवे चगवा र्झेयाच वदे स्वायायायायाचा से हुत र्देट्या नेना पर नात्र नह्या न्या हृत नया खुया नुस्के स्वाप्त है या से छ न्द्रायम्क्र ष्रार्यम्षायम् वर्षायम् वर्षम् यट दर्गे बैट र दिया क्षेर केवा यद्ध क्षेट वाच्चिवाय दिया प्रया कीवाया ग्रीचेग्राग्रुराया पुरान्या द्रायाव में नश्राया सेवाया सेवाया में द्राया में द्राया में द्राया में द्राया में द सिवा.स्रेचर्यात्रम्भक्षी जटात्म्, र्वेटाम्येटास्ये.स्रेटाम्ये स्वार्यास्य स्वार्यास्य स्वार्यास्य स्वार्यास्य

र्हे या ने या सुया नया सुया नु य तरे या है या या या यह या या या यह या हो त नगुरानदुग ब्राह्में क्रान्याकारी क्रीनया ग्रीकी एक स्वाया प्रायेक ग्री नमानग्रीन्से नग्रीन ने या हैता से नहां सके क्याया में निष्या से दायों द्वा युट्या विषय प्रत्या अकेशया भे द्वाया शुभाय प्रत्या खुर उर्दर प्राये सुद्र स्था प्री दर क्ष्मार्था स्ट्रीट मार्थमा मी र्केट प्रदूषा द्वा वि के सुरा प्रवाद मी प्राध्ना द्वा है। श्चित्रपर्स्रियाकरायाचुरात्रमा केंद्राचेदायादेखार्ये द्वार्यात्रमा ख्राउराया र्डे प्दर्देश प्रभा र्श्वेर प्रायमिषार्थी र्डेमा प्रायभित्र प्रमार्थी है सार्थी र्डेमा प्रायभी निहाना सेना स्नार्गीन सर्वेना मार्थिया सर्वेना मार्थिने स्थेस स्वाप्यन यानु नेरावयामकी रेहे यागर्थयानया हुरायानु केवारी पकरा शुगया वर्षिमानविषाक्षेत्रक्षानुषाम्या स्यान्त्रः श्रुवान्त्रः भ्रमानु नरः गर्भेया दशया है 'नहमामी मासुद्रशा से हि नशासूर उर्या से निविधा मर्शेयाच्या म्योराष्ट्रिमाटामी सुमा हेत्र सुया त्या सुमा चुया या प्रार्टरा ख्रार्टरा यदे लया न्या मुया र्येश मिं र्येश अष्टिन न्या मुर्द्य अपूर्य प्या दिए हिन कर्लयासासहयालेयामर्थयानया हैन्यरयास्यास्यार्दिरासुरामी पस्ताया गर्जाप्यमायट में मुक्सूट में विषया मसुरा मुक्य में अपि सर्वे र हेक वुषा है। अर्देदशयान्यद्वायक्षेत्रच्चा छेट्रण्चेश्वयदार्वेचण्णे मुवार्ये चुत्रा ग्राया ब्रूट मीब नट केत चुब या अवय मिन कु मुव मबब खु नव में दि केंब नर नर-वु'नर-र्झेन'यम'नहन'य'ने'नक्षेय'यम'ग्रुटम'यम्। गुयायेते'ल्या क्षाने अन् क्षें अप्युक् श्रुट प्रवायक लेखायक प्राप्त ना ख्रु उर्दर प्राया है प्राप्त सत्तर्भेषानुरस्याप्ता निन्यायाष्ट्रसाम्ब्रीयान्या भूत्रुत्रास्तर्भेषाष्ट्रसा र्द्यामार्रमाया विस्थानमा भुषाभी निष्याभी निष्यासी निष्या स्थान स्

प्रमायदेरम् मुवार्यदे विम्रमासूर द्वा विम्रमासूर विमाने ने प्रमा विमाने हेन'स्यानमान्सामये'र्क्यानुरानमुन्याम्स्राम् देवमार्भान्यास्या सुगायके खुग्न इसार्ये इंच ग्रैसा हे त्राचा प्रिस्त प्रमान के प्रमान है । नमुन्दर्भ हेन प्रचेषान रुषा हैन 'ची के मार्च के मार्च भार्यात.क्षे म्रायात्रत्यत्यत्यत्वत्र्याष्ट्रमा क्षात्रार्भमार्म्यात्रमा मान्या भ्रीत्र प्राप्ति भ्रीत्र विष्य प्राप्त विष्य क्षेत्र विष्य प्राप्त विष्य प्राप्त विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य द्रम्यायट हेट क दम द्राम् ची र्येया च के से सामित से साम सामित से यमान्याम्बरम्थेरानुम्मदाष्ट्रराज्यास्त्रित्वयस्य मार्थयासूराद्रा सेरायमी क्षात्युदामाञ्चेमाबाद्या वदाकुत्वाचाद्या वदावाबाद्या क्षेत्राकुमाचाद्या र्देटम्बिनम्बर्गर्ट्या हिर्देश ख्राउर्या अप्राच्या स्वर्मित्रम् चुर्या सुमा प्रवेश क्या मार्थे र १५०० दे १०५ १०५ व मार्थे स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य नम्रायाक्टा में में दावस्या उदावना में प्यादनादा प्रवासा में स्वासा र्वेटरामा क्षेत्र्राभावतीयाम् स्टामी यक्टा स्राद्राताश्चरामी वाराने मनेग्राभेग नर्गागेशल्टार्त्तेन प्रमार्थ उर् प्रमार्थ मेरा नर्ना पर्वाप चैकाने। कॅबाबी पांची बीर्टायर मोटायाट कॅबाचेटा दायहवा बाबा हा हुका ग्रामानुमान्य उन इसरान्य देगानुसार्द्र प्या चेन् प्यस्य सुमिर्देन हुन गर्गाया उत्र केंश या भे रगया नाया स्था दत्र देश मुया येवी सुकें घुटा या दे तथा बैरानशा श्रीर क्रीशा है क्रिया नहीं नर तक्षा नशा है ग्रीरिश त्या है नस्याप्रवा र्षा मुन्ये मुण्यान द्वी र्स्ति । यहारा विषा मुण्या बुनामकुर्गा नुःश्वेयः नट्यायाम्बर्गिन्दः द्वीयात्याया क्र्यायात्याया स्थायाः स्थानाः

न'गानन'ळेंगबाट'नट'वग्नन'र्ने। । श्राचमुवे घाषाया चनबायबार्चन'न् सु म्रेम्बार्णि में याया भी अभी मार्ये द्वार्य स्वाम्बार में मिर्म या मारा प्रयाहि या नर्भम्यान्यान्वन् नर्भः में तास्त्रान्यान्या ख्रार्ट्रम् या मेन् न्या स्र नबुद्रा सेट पर्मे 'क्ष' खुट मानेमार्या चैरा सुद कद माने से पर्देश मा सुद नमा मुमामरमापक्षापदी र्समामान्य माने ख्रास्य माना स्वापार्स्य माना स्वापार्स्य माना स्वापार्स्य माना स्वापार्स नशुला यट में श्रूट न न ट मार्था श्रूट मेराख्र रूप या नवा खुवा नु नशुला है श्चर र्से निट रे. भक्ष्मा नर्स र्म्य रचत्य म्या यया बैट क्र्य में श्वर पर नर्स्य वया केंया ग्रे के द द मु ख्या द से हम नर्गे न है। मून व त्या प द द य के व से चु नगत मु वनश शु ग्वन र नम् कर चुशा ति र र भें कर सु हि स्वार्ट स्वार्व र येग्रायाचेग्रायर्भेशा वर्गे दर्येन यह नियर्भेश न्यार्थे भ नवे नह केन सुरा दु'अर'नहरा नर्डह'र्ये'र्केश'शै'नुर'शे'रुर'नर'र्गेश'र्श्यानर'हे'यनरश' कर्युयार्थे। द्रियारेरामु हेरीयुयायायात्राहालगायाययायाग्रीयात्रारी द क्षेत्राचार्त्वाप्ताल्यार्गात् व्यार्थेग्यात्यात्यात् हे यार्थे भ्राचात्वारक्तायेयया न्यते सूयायामा है सार्ये टा ने सा ने स्वेस ने साम्या हते हालगामी से साया हुटा है। देवे हमाय दूर मुर्खमाय पदि पद् र्वेट्या बेर द्या प्रमामा हैया देखा है सु हेते क्षेत्र र मर्शेया नया रे महिषाया रेसामें केर नक्षेत्या दे दूर र चेर् मेनायरायुटाबुटा ध्रेशात्रायह्यायदे दुषा से हाया सुसारु बुटायश वनमान्द्रावमें न्यें न्यें न्द्र्य प्राथ्य स्वाय च. इश्रवाचीश्राक्ति, है. या. सेवा. चेश्रा की. या. से. के. चेटा की या श्रवा ने पट हैं या. या. मार्थेश चिटायर मामाशास्त्रा श्रीटायट दरायट दरायट विश्वाचेरा द्वापट दरा ५५'य'उम्बेम्यवेम'र्'यर्गायर'य'र्र हेग्रायर्'य'र्र हेग्रायर्'र्य

भाषतः व्यभगः उदः दमः ग्रीभाषाचा र्शेभाष्ट्राः रेथा र्शेभाभर्के दः छैटा। छैः दग्नमः र्धेन्द्रमञ्ज मुहेन्द्रमाया या ये छिन्यया दि युगया युन्ति या वे भावितामी मित्रहालमाभाषम् याम्यतान्त्रतानितान्त्रमान्नाम् भावितान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम नवै'वनगण्णरार्ष्टिन'वड्डा ५'नरान'रे र्ष्टिन'तुराक्नाशेस्रान्यवाम् स्निन्छन ग्रैश्वयायाधीतार्ते नेमा प्रिंता है पर्देता ग्रैश्वात्माया श्वेता है। विश्वायाया पर्देशा गर्यास्ट्रित्रं में हेते ल्या अर्घेट ना में ना नगर नते सेट न गल्य नट से प्र वर्षमा द्वाना केमाया क्षेत्रायुदायेता पवि केदादा क्षेत्रा प्राप्त केता क्षेत्रा प्राप्त केता क्षेत्रा प्राप्त के प्राप्त र्टा मि. हुन्य निवट हो निवाय हैट जाने निवासी रे. जा हुन क्यायहरायाद्या खेमा दुराधेक क्या द्वापाया में मार्थ मार्थ मार्थ स्था मैशः भ्रें अ'सुट'त्रुटश' दश' पर्भे अश' भरि' दुश' सु। मार्था भ्रूट'ये 'चु' दुरु' मार्थरमार्नेमाश्रदानमुग्यमार्रमा सुग्नेमाश्रद्यस्य स्थापायश्रेदानसु दरासुमा थ्यम्। वर्षमाये रेप्तय्यामारेम मल्द्राययाष्ट्रम्य प्रमुप्त मेर् नर्द्र रेवि नगव र्झें अ ५८ न्य हुत पर कर नुषा नर्द्र रेजा हु अ ५८ र खुग वि। स्रोत्रेन् मुः लुः महिम त्रुं मिरः मुः हेर पर्देश मार समाहिमा प्रकृरा सिं १ गर्वेन'या इस्रायप्य प्रचार के घट दुःग्वर दस्या से १९० व्यव द्राय स्था पर्याञ्चर में दायुवा सकैया है। पर्य में पेरी हुत हुर हुया सुवा त्या सुवा प्या गुना नर्दन र्सेश गुट वनश ग्रैश वट र्सेन इसश दट र्सेश मुन्न के करा ख्र द्रम्याश्चित्राम्रम्यान्या मार्याञ्चर्यायानु सकेशयान्या वर्षत्रं न्मे विन्वीयाष्ट्रार्यम्याञ्चन नेत्यानेना रेयानगयानस्या न्ययासूट नेया अ८'ध्या'तु'ध्रेत'र्ठ'ता र्ने'क्ने'या'तृषा'यह्याम्बीट'त्यस्यु'के'यये'त्मे'र्सेट'यह्न श्रधासार्या भ्रायदाच स्वायायते ध्रायवानास्यायस्यायस्यायस्यायस्य

र्चेन'य'र्दा यञ्च राष्ट्रीये नियान्याय्या वित्रायमायान्ते हे के प्राया प्राय प्राया प् यायाक्षेटाहे पुर्वे माशुटशान्या हैटशा कुषा नक्ष्म न्या वे प्यान पुराया के स्थान गर्नेट दर्गेटश या अहंद यशक्य दह्या द्या द्या श्वर में गुप्य या र्चेद वया नुराष्ट्रयानु वर्षाययाळन्याम् विमानु र्वेदानु देश्या पर्दा ग्रु क्टा चु नवे भे लेग न मे गर्ने र है न वर्ष नवे प्रवास न है न र हो न न्येंन'यज्ञर्याम्बेन'ब्रेन'केन'ये'यान्सर घनान्स्याम्स्याम्स्राम्बर्यान्स्या र्म्मायायम्यस्यायराष्ट्रास्यायस्यायात्रायाष्ट्रमार्क्राच्या क्षेट दुट दु र्चेन नगर्ने र केंश चेद सा क्षेत्र प्रते गु दू नगर में से खुन या महिमा र्थेना ने न्यार्यमा मु नड्मा या वनुया नर्मेया मासुन्या या न । ता ने से विषेत्र मु सर्वेरा दे.चबटाता.रश.त्या.दे.चाबिया.यशेरश.रशा रश्चेता.प्रांचराज्ञा चलेटरान्यान्यासुमान्नीट्यायाम्बर्गाम्या माट्याणी सुमार्केमानी खुया र्ह्मेन'न्येन'ग्रे'पिर'र्घ'णुया'नु'र्ग्नेन'न्या'न्य'न्य'न्य'न्य'न्य' र्चेन'यथा तयन'ख्याख्यादन'म्'र्ने'याचे'यादन्यम्भे'वर्चेन'मासुद्यान्या र्हेन्'स्टि'स्टिम्स्य'म्'स्य'म्स्टिम् नर्हम्से'तस्टम्मे'स्माखार्ड'र-रेट्रेट्रायप्ट् न'यदेवे'में ट'अ'नडद'न'र्नेद'सु' हेत' गुर्भ'यमेट मासुट्य'न्य' पर्वा मार्नेट' यम्रकेट्रायार्क्षेत्री विचामासुद्रसायायाकुसास्रकेषानुसायस्य कवाद्रसानुहुद्र माशुट्यान्यामायेमाय्वटायुग्यायाययाययाययाय्याययात्वामायसुन्यायस्य यामार्विट सदि क्षे क्रम्मामाशा दे क्या क्षे तस्र ट दि से मि म्कामास्य प्राप्त दि । यामरावनानी यर्षे पर्ने प्यामा पर्व रचना संपर्ने पर्व प्राप्ति मासुरया

यदैःवैवः मृः श्वः या विवायद्वा यदैः यायद्या ग्वेदः हैवा ग्वः वाशुर्या वया या व नर्डमाञ्च प्रवासे हे सेससार्य भागारेगा सहिता नया में हे सामक करो र्चेर्णे हें या नर्ने न मुनान साम हिमा सकेश न्या न्या या प्राप्त से विषय स्था सहर्वमा से प्रार्त्त प्रेंन्य वर्षा पर्व में द्रालय सहया परि से भग पर् हुर वया नर्यन्त्रांतासुमानवेयायया नर्यन्त्रांयारनान् चुटानदे सुमाके खुना वया श्रेंच न्येंव ग्रेंब स्वास्त्र सेन स्वास्त्र स्वास्त नैश'रेपे'नर'रु'र्स्रेन'यागठेगान्य सेगा ठेश'न्यान्यान्यर्थर अग्रेन प्रवास्य प्रिंग यारेमक्षीयायकेयायालेगामङेगयार्जना नटाञ्चायटाक्षीमुवीरेवुपन्यापयो त्रुद्यायाम्बरमायासम्बर्धा देरासुमासेन्यायराबुद्या स्नूर्यराया र्ने हैं या नुया नर्दन में या मार्थिया ना हिन यह या मुया यह मा हेन न पत्नाया यदे के स्थाय श्री क द्वा प्रेमा कु या सहिदाया सकेश यम में माया या में दा खुवा क न्यार्देनान्यास्त्रान्यदेनानुनायास्त्रम्यानुस्यास्त्रम्यस्या नर्सन्यार्सेस्य सहर्रिकेरभेतर्तियम् रक्षितर्भित्यस्यात्रभीराम्बेर्यकेरावेरमञ्च वच्दाम्बर्धालेशनुनाश्वर्द्दार्धात्रश्चराचलुम्बराया वेदाणुन्वर्द्धार्थेक्षा सह्र-दि.शु. कुर्यात्रस्था कर्त्यम् रि. कुर्यात्र स्थायात्र स्थाया के हित आपन पर्नेश हैं 'र्घेमाशा चर्डन'र्ये 'र्केश' सहर पाया चर्डेर 'रेट 'र्सेयाच विट्राचतुःस्रीरार्म्याः वीषा निर्वाहिषा श्राचा के विद्राचि विष्या साम्याना सामक्री गर्मायमायटान्डेगायम्कद्वाक्ष्याद्वायम्बिषाभ्येत्रेषाभ्याप्याद्वा

अट्यम्बर्भयार्श्वेन द्र्येन यज्ञ यालुर्वे अकैश्याद्रा र्वेन केन ये ने अस्मि अक्रिक्यें प्रमा नम्केन मानेससासया नागुन सक्रिया है। ह्यें नाप्यें नाम्य स्था सद्यम्बर्धयायाञ्चात्रस्य उत्तर्द्यस्य देवायम् वित्रा वसास्त्रीयात्रीता गुर्नाचुरासरासे खिराद्यायक्षायया द्यादिसामाञ्चाया स्वाप्याय सेता वट र्स्ट्रिट यम पर्वा वट यम प्रमान स्था प्रहेश मा बुग्या श्रम रहत है। अमिं निवेद दु निवेषा दे देश र्रीन दर्भेद यज्ञ र अर्केद या चेद या दर । इर इस्रामान्स्यान्द्रित्वित्यम्बान्यान्यस्यान्यस्यान्त्रम् ग्री प्रमुग् अम् भे व्यवस्य उत्रम्य में स्थार्भे व्यवस्य उत्रम्य प्रमिया र्भेश्याम्याप्त्रम् विया तयम् त्यान्याम्यायायायाः वियमुमात्रेया र्रेटाम्या नर्ट लेट पर्सिया मुन पर्सिया र्येन पर्सिया से अध्यापित पर्सिया स्वापित नरर्टे अर्घेम्या देवे कट पर द्यीय वर्षेर ने या क्या मा ने अया क्या क्षा सुरा स्ट वर्क्षः चलेराञ्चनायायायायाञ्चन चुयाने। यायोजायान्यस्य स्वराञ्चराम्यया नमा नेंद्रा मुस्या के खुक्राया देवा में केटा ख्रुमा के। वसटा घटा दुरु न न मार्था न्यायी क्षायर विवायनाया वटाक्षा सुमी न्दार्थे हैया से न्दान हिंदाना नहन अप्तरुमारीकायार्थेम्बायाग्नुनासुका देवे बदार्के देम्बायान वदार्थेवे सुर्जायान र्ट्येशर्युष्ट्राचायायासून्यग्रीशन्या मुवार्यक्रित्यायन्यान्या यन क्या भ्रेम्यानेट म्वेस्य के यह स्वाह्य स्वा नम्द्रम्याद्रम्यायाद्रम्यायाके में क्वेष्याद्रम्यास्त्रम् ब्रैक'यश्रेमा'चुश'क्श'शकेश'यम'चुश दे'यद्'य'यक'म्हेश'यग्रैश'नग्रेश'हे। र्ह्सेय' न्येंन यज्ञते लियान्य क्षाया न्यारेंग मुंदिन यग्याय है। न्यू प्रेंप प्रेंप प्रेंप प्रेंप प्रेंप प्रेंप प्रेंप गरेग नशु पर्वया सुन कर क्षे केंबा रे निरम्बाद पार्टी गर्वा या मार्चि । या विकास मार्थि । या विकास मार्थ । या विकास मार्थि । या विकास मार्थ

नर्गेत्यायान्वेन पुरक्षायानेगाग्युत्यान्या तुरासुन मुत्या पुरक्षा पुरा नर्णनमा म्बीरुम्दियासु चुटाम्मा यदे स्ट्रेटम्सुयार्थी स्ट्रेटस्य के। यदार्यमान्यम्वार्यादाकान्ने प्रतानिम्यार्याम्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्य गुरुयोत्र दुर्चित्य बेर या द्या प्रमाया न्या ये प्रमाय प्रमाया ह्या प्रमाय हिंदी है । रुक्षया र्रेवार्येन ग्रैशसाया स्वार्या है मारेटा न्या कु ग्रेना सूर क्षे हिट ने अहिट रुप्त नगरा नश हैं है न सुनश नश कु रिया नश मि नश में ग्राम्यालु नते हे या नस्र क्या र्री न र में कार या ने र स्थाय ही पर स्थाय है या नस्य र्श्वेय दर्भन मु लया नया मिद्रादाया अर्घी प्रक्रम्या प्राप्त प्राप्त मार् स्था मालुमान्तराष्ट्रितर्श्वेमार्मीरमाशुट्यर्थया टान्नमार्थियर्देनम्याधीन्। र्क्यायशुर्मिय भ्रम्यश्यासकेशा न्यम्कन्यार्मेन्यासीन्यायीमा द्रीद्रान्यासीन्या अप्तित्र लिगा देश बेर क्या द्याया प्रमुखा दा श्रीका प्रश्रीमा दिया प्रश्रीमा प्रियो प्रश्रीमा प् मासुरसायाद्या दारेटाचर्द्वार्याद्युर्वसिकेसा देख्यार्ट्यायार्वे क्रिया पृषामायम् न्या कु मा न्या योन लेया देया यया कु न्यमा द्या स्या स्या न्या येव अकी कु रे रन्य ग्री मुद र् बाव कु भेग ह क मुन्य पिता दे व्यास्त्र या है। र्यः पश्यायः भुष्ठे देटा अञ्चर्यम् म्या सुर्ययो कपः सुर्वे पश्रित्या कचारे जेता सुंबातुबा र्सूचार्यं नाया वापता तारी रे प्रवास माशुट्याक्या मामिरोर्दमाक्याचणामियाणीच्यामायोरामायोरापायाचिया भावतायातसदानशहेभर्षेरार्शेदा श्रीनान्सेन ग्रीशहंनातिरानेरास ग्रीना चुपराध्या वक्षां वेषा वाष्युक्ष क्षां चुराया सेरा कुरारे हेर्स्य चुपरार्द्र विद्या विस्तु निर्देश निर्देश

गुन यामा ५ मा दे सद्न सर मीस्या नया है सिन मी हैं न कु पीना से प्रया वित्याबेरात्रयायायकेयायरावधिया र्सेवाद्येत्रधीलयात्रयावर्त्तार्यार्खेत्रधीः ख्यान बदार्थेर है। दसार्वेद है साम दिया है मा दिया है मा या दिया है मा या दिया स्यार्शे र्द्वाकर कु भेराया इसमा सु कु र चु ट ग्यामा यसमा उराया विट गुमा यार्चरण्त्रपर्के नरामु। नैःनुःभाकायार्वेरान्नुदशायार्चेरान्नुदानुनायरा नहरा वह्मानुवै म्वीर में नर्गेन र्थेन में रिंग में न नु निव्या मर्डि में नर मक्रुतित्र दे. पर्याता मक्रुति ता ता महिता ता महिता पर्यात है। प्राप्त ती पर्यात है। नम्बरम्प्यूरपुगरुम्रस्यम् केरम्बस्या नेष्ट्रर्वेटाटस्यन्यवेष्ट्रीर चनार्वरास्क्रींस्वर्णायात्रवार्ष्ट्राक्रमायाचन्त्रा नेतर्षुरस्वराचनार्वराष्ट्रा चते क्यानम्बास्य निर्मा यह सह निर्मा स्थाने द्वी ह्या साम हिन्त्या नर्भेभग्राने। बुटान्गराकु हेयावरानुयाकु चुटान्या र्वेटाटेयायया र्वेवान्या याने प्रतिलेका प्रचारा स्थाने ब्रीट्रमुम्मरमुब्रादर्सम्बद्धरितम् । विद्यासद्गान्यस्य । नगुर्भायम् कर्। र्ह्येन मुन्त्रिन मुन्त्रिन स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त यिट.मीश.क्र्मा.च्रम्पर्याक्रमार्थात्राययायायाती.ट्रमाटाक्रम्प्रतितायशा श्रीम.मी.तीता रु'नबुर'यर'बु'न'सुयानमा नर्दन'र्ये'रे'या शुग्रमामार गुर्भातमा र्सून'र्येन' यानर्स्र नानुषान्यान्येरानु नामान्या र्स्यान्या र्स्त्रान्येन मुल्यान्या मार्थर पर्देर या आधीर है। वेंदा अचया विचा मुख्य दे श्री सामुमाया च मुख्य था नायायमें नायो स्रीमाम्यापें म्याने मार्थमाय ने नायायमें नायायमें नायायमें नायायमें नायायमें नायायमें नायायमें माशुट्यान्या दुर्द्रायार्से यारेमाळ्द्रमायेरातु र्येटा वेत्रण्ट्रायद्वर्येवे टे

बुट नदे सुर हिर मट रका सुगा मुनविषा मे। सुगा का सुर नर्द से पा सुवा यास्त्रात्भात्रात्रेराचाचन्द्रात्र्या मुयार्चाकेत्रां रहेराम्यरास्नायादरे क्षे.च.क्र्याक्री.भें.रटाचर्षेयाजा ह्येर.ताचिटाक्याक्री.स्वीयारटाचर्षेया क्षे.चतुः र्धुमशसुर्स्चित्रयासर्वेराचासर्हिता स्वेराकारमोस्सर्मासेरादुःसेंदाक्याकरा क्षेत्रेयाययात्रेयायां क्षेत्रायायात्रेयायात्रेयायात्रेयायात्रेयायाय्येयाया सक्याम्यायकुटमायमास्यायमास्यापन्या एत्.यामाटाकृषामास्यामास्या यदी भ्रायाम्बरके भ्रेषे अपर्येट्बर्यान केंगा मी मार्नेट के मेबर है। भ्रायये मार्नेट के अक्रिन्यासरार्यालेगारम्भेरानुतार्यो भ्रार्धेनायासान्यायते प्रासेम्या बेसबारुम् सर्पेते र्नेम चेरामस्र यामस्य द्या का सरार्थे विमाहाया सुवार्थे। नर्द्रार्थे या द्या देशाया अहिता वेषा या केत्रार्थे षाश्वा स्वाशा गुरा प्राप्त दा स्रातुःवतुअः श्रेष्वन्द्रा वदमाद्रामात्रक्षा अद्रायते श्रीकावदमा दशया किंद्रनयायदी द्रात्वे कुरामार क्षेत्राण्या वित्राक्षेत्र लेखा चुवे मात्र्या भक्तात्रात्रात्रा । इयातर्नेरावेगाकेरात्रायास्त्रीत्। विषागस्तरा वर्षा है व रहे ना नी पर्से चु ना वा प्यापा पर हो र प्यापा में ना वा है पा वर्षा है ना व विदानमायमा क्षेत्राचामा क्षेत्राया हैना नामा स्वामान स्वामान स्वामान स्वामान स्वामान स्वामान स्वामान स्वामान स त्यायाके है। में नाया नुनानुयायम पेंटा यके त्या गर्थे न ये नर्थे पकुन में न्य र्भेन नगमहा भूमन्येन साया प्रायान में नगम स्थाप के नम्चित्रयतेश्वातम्पर्दामासुम्बा नेम्यम्बा दिम्यसम् वित्यसम्या र्चेत्रयान्या भगास्रमस्यावर्षावर्षायाययासन्यवादा याययामे धूटा वशःश्रींचान्येवायानेवायमाववयायवे के। श्रींचान्येवाची स्वाप्तिका विवापिका यथा वह्यामा तुम्या प्रवित रुष्णुर हे श्चाया नेया सर्वेत वसेत या रूप सूर या

नेयाने मेट्या देवे नम्ब प्यम् र्चेत्र त्याय प्याय स्थाय स्था र्श्वेच नर्धेन नरे। दश र्वेन कुलू वर्षेन श्रीन प्यन मासुस नुष्ट्र पान में दिस सदे रूट द्रमान्या पर्से खेया पर्ने खेया पर्से खेया के वार्से मार्य वार्य के वार्से र गरिगारी पर्छित्यात्रयार्थेता है। तेराप्तमाया केराये लिगाण्य पर्वता केयाया क्षे व्याप्तयारे वेट वेद र्थेना या बाद यो पत्ते पाने न पति की ने किंस पदी केंस मासुद्रशान्यायुद्रशामारासुराचामादामान्द्रान्यासुवासीयासीस्यान्त्रीमा दारे विमा ८.ज.भ्र.लेज.च.च.चे.म्री.त.च्या ८.क्र्.चेच.भक्षमा.श.मुच.त्र.त.चे. मश्रिद्यान्याक्रेनयामान्ययातस्र न्याञ्चेनामयेनान्यास्र क्यामीयाञ्चाराह्य महोम्भिटार्सियायोग्येन्त्र हुयाही महिदाही स्थाया स्थानिया निट'दर्मी'नेश'सर'सुर'र्ने। भि'इसश'र्स'त्रट'र्नु'सकैश'दश। ध्नाश'सायद'सी' मश्रदाहेते द्वारा मर्था नर्द्व रेति व्याया मित्र मुन्य प्राप्त मुन्य म्या मित्र प्राप्त मित्र मुन्य मित्र मि देव्यक्त्राक्त्राक्तियात्री स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स् द्यान्यम्भा न्यानेयार्वन्यान्यम् क्यान्यम् क्रिकेयार्थान्यम् नुर्दे नेर नशा र्ने के अपनिष्य नशासुया प्रश्रमा के माया के शासुमा शाम के शा इटानमिन मुंचे के विरुवा रें स्वा रें न्या मुंचा होना मुंचा न में न स्वा टायर वर्षे क्रिंश सुया के 'चेंक् 'च सूचा'या 'द्रशा यदि' क्रिंश चु 'मासुद्रशा चेंक 'द्रदा क्रेंश 'द्रमाक 'यर' कर्'यशद्यद'र्ये'भेद्र र्यचद'तुर'सुद्'सुद्'सुद'तुर्द्यादु'वहवात्रशकेंश'सु यर र्येन वर १ नवर रहा स्वाप्तर्य सेंद्र माने मारा रहा सेट पर्मे स्वा युटमानेगराद्राप्तार्थास्ययार्ये हैं या दृष्टे गरदे द्राप्ता नगराप्ते नरा शुनर्झेश स्नारातार्मेटार्टा हैसायकेमर्याष्ट्रिटार्येर्स्याम्ह्रम्या खूटार्ये ठें ठें। र्हेमायार्ह्सनायसायनमान्या केंसीयार्ह्सम्यासायेन ग्रीपायार्ह्सन्यम्या

यरेमससुमिक्षान्यान्यसम्पर्यान्यस्य वित्रास्त्राम्यस्य क्रुमाबाक्ट्रा क्रुबाखटबानबटायामु के नम् चुटा है। नम्बानबटाया है है। वर्षे स्वाया शुः शुरायया शुराकर वेंद्रा श्री वा वा विदार्थे पर्द्रा वा करा बटाबुटाइटाकें'भेशाहेते'सूति'नराकदाशेयानते'सुरायदे'श्चेत्रायादुशार्नेतारे' ५८१ ५६४४४५१४३ वर्ष वर्ष प्रति में प्रति में प्रति स्वास स्वा सर्वेद्रम्बन्यार्थेर्यस्वत् देशःश्चर्कद्रम्बेद्यान्यः द्राप्तरः वर्ष्ट्रम्यरः कर्यमा र्वेद्रायमें मन्यन्यम्भमा हेया छेट्राकेयाया भेर्यायमा र्भेन मुप्ति प्राप्ति स्थाने वा द्यार्थेय प्रमुद्ध मित्र में निया द्यार्थेय मुरा ल्रि. श्र्यात्राम्बान्यक्रान्या त्र्यं मंस्यम्बान्यम् व्यान्यान्यम् वर्षासदायुवावर्षानुष्युवासुरवे द्वात्रात्रे सुन्य द्वात्रा के स्वात्रा स्वात्र स नुते नुधेन नगरा प्रशासी के द्या गार्च निया में दिया मुमासद्ये क्षापट पर्देग्या मु (द्वत्य) य र्वत र्वेयाया पर्मित् विभयात्यार्यम् भूटारेयादगारार्यरायहटा देवशळेयादटार्येदार्सेदायया क्र्यामितायमामित्रम्थाम् स्थान्त्रम्थाम् स्थान्त्रम्था स्थान्त्रम्था स्थान्त्रम्था ८८। यद्यम्त्रिरा मध्रम्भगायद्यम्ब्रिमाञ्चमश्रमा श्रमा श्रमारम र्मणा मु । युना रुषर विषय । युरा श्री प्युर श्री वा युना या विषय । यूना ये विषय । यूना यूना यूना यूना यूना यून क्या न्यारी मेरी मेरिक नक्या ह्यें न प्रीय में या न्युन यह न क्या न मारी मुवार्सिम्बद्धावात्ववाषायावद्वाक्षेत्ववदा। देव्हदानुक्ष्यानुवावायावदाक्षे नवटा भ्रम्भेरेनेम्येक्ष्मेरम्यायन् भ्रेपवाटा न्यायेन्येन्या

न्गरम्भुम्युः सुर्वार्थयायाय दुः भ्रेष्वा देश्या देशस्य स्थायाय प्राप्त दुः क्षेत्रवारा भेष्यरादेवाक्ष्यव्यात्रात्राक्षेत्रवारा देवावरादराद्राक्षे र्थेयानामिदानायन् भ्रेपवादा याम्बिपिनेपायमार्विदागुमामुयाग्रीयानादा याय दासे खुमाया द्याय देराय बेटया का या वारा चुमारा यस का देशा सुमा या यर ग्रैयायानेयायहरी यामिलारे पहना शुक्र रही हिटासुट हे थे। मुहामायायार्थे रेपर्मायपे मेटार्वा महेरास्मायर्व सेटाम्बिम्याण्या स्यार्वे सार्भेराव्या ५'वर्नर'वर्डक'र्येवे'केवब'वेब'वेद'र्दे'बेरा दे'न्बब'ल्ट'र्स्नेन'क्ष्णायट'वर्रेग यदे प्राप्त पर्मेश प्रशा र्सेन हो प्रवाद प्राप्त के प्र ग्रैश्यासहित्व में द्वार्याय प्राया में मान्या द्या परि केश से महिया श्रुम्या द्रभाणुदासीयम्प्राच्याचार्यसार्वेत्रास्त्रास्त्रमास्त्रीयाचार्या हेते। चर्णायः माञ्जन्यसः चर्णायः विस्रसः नदः चर्णायः वजः न्याः नुः मास्याः चरः यनेस्रसः गाः र्चेर य र्शेम्बर य भ्रेम् पुरुद्ध व्या र्चेट प्रयह्य गुत्र र्द्धम्य है यगाय यस्य या वह्मामीटाकार्चेराणीम्वार्चाके के। चेराणीम्वार्चाटाव्यक्तां वाके स्ट्राया व्यान्या प्रायास्यारेशकेत्यास्यारेशकेताचेत्रस्य वित्राचेत्रस्या सहरमाना मुन्या म नश्चराने नर्द्रान्यया मुना विस्रया ग्रीता है ने द्वारा न्या सर्वी स्वाहिया वारा सहर्मानगायासुमालुर्वे सके। हेते लया न्यामाया लमार्या सुते सुया सर्वेमा नर्समाम्बा यदान्यसायुदार्मेमार्भामार्थराष्ट्रेयादमादाद्या यदान्यस्यार्थरी बद्याण्चेयाचपुर्यासम्या अदान्यास्टरिया बद्यास्य स्थ्यास्य स्वापास्य षट'रु'गा'रुते'घट'य'र्<u>ष</u>ेर्न्य'पर्देश'दगु'न्यु'द्रह्'द्रगु'न्यु'वुत्रम् षट'र्नु'

अट.कु.ल.झैंच.रेपांठ.चन्ना उर्थाय.बाट.लट.प्रनांजुरे.न.सूरी उर्घटन्न.पीरे. नेर्याद्या व्याभ्या व्याभ्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया विषय नपहिम केशन नेशेपर्वेषा नेयारेन में केप नश्यि अर्दे महेन ने उंधाया लट.श्र.लूटा स.जेट.सूचा.सू.चंश्चर.चंश.चे.शश.वेट.श्र.प्रंचरंश थें.सू. ग्वराविगार्द्वाकदाब्द्यासुर्सेदायदासीयुमा ग्वर्टार्से द्गुन्सूत्रस्त्र णुटान्युमळ्याष्ट्रेम् यायर्वस्ययान्यानुयास्याकुः नर्देवाने वेद्यानयानुमस्या नर्ना क्षावटाचे वनशार्यभावेगाचा दे प्यशार्यशारुटा माद्रायसा अर्थशास्त्र र्वेद प्रवाद शागुन मायम प्रक्रभानशा दे प्यार्वेस केस वहवा वी । दे प्यार्नेन हा राताम्त्राम् राष्ट्रमायाम् नायमास्य सास्यायाय स्वयाने । स्वाय प्रमायाने क्रिंश प्रेम प्रभार भी द्राया र प्रदार्भे मृत्य ने स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्व वर्डमायार्ष्ट्रित्रण्चेशक्ष्यत्र्यातुत्रातुष्ट्रम्थान्यात्र्यात्ता ववदशक्षवाश्चे गहेश गुरा द्वाया प्रमाय हो केंट्र सुमा मीय प्रपार पुर दु सुमाया है या गुर विदानमारुटा भी बेरा दे नमाञ्चापटा मी मार्केमा चुमा है। यारवसा ग्री सार्का या भाभेगासुर्यतानामुन्यतामम् नामानाम् वार्षेत्रस्ति। स्वाधिनाम् मुग्राश्चाप्तित विमापविता पर्यत र्यायायीय मुग्राप्ति म्यायायीय विमाप्ति मार्थिया । विम्याने यानमें यायया में द्याद्या येया यामयेमा याने यो मान्या यासु नरा नाम्डिमाम्पर्यान्यायहेराचेरा देराब्दार्त्वेद्वारीम्यान्वदामीम्यान्या त्रमा यम्यान्यारम्भास्यार्ट्र्रिट्रा वर्चम्रान्यारम्भास्यार्ट्रम्यवर्ट्रम्यस्य नमा ख्राउँ राषा दमेश है। यायायाया भेर है। भेर है मासुरमा दे नर्दद र्यमा भामी प्रभार्ते हिंदाया ष्रु उर्याया छे वेरायुषायया वे हिंदरो प्रवट दे। नवर दें। वर्ग्य में वर्ग्य में मशुर्य वेस देस अर्केंद हेत केत से मलेंदे स्रायानन्त्र देवसान्डन्यें सहीताद्वें स्थापटान्वेटसायरावु नास्या

नमा र्सून न्येन मुलानमा मुलार्स र्षिन न्दर संग्विद क्वा मुलार्स र्षिन नतराहें से क्रिया साधिता वासायरया मुया दावतराहें हे मान्वानु के या गी। त्विराली नर्भेरानराम्ब्रीयानायरेन्यायत्राही स्थितास्यानेत्। राक्षाम्या र्येदे ख्रम्यान्या में न्यान्य कर सेया नवर हि सेया नेराया केराया है स्यान्या त्राह्रभूत्रस्यापटाङ्गाराचेयात्रम्यत्येतास्य मैलात्र्राज्यास्य शिल्लास्य यायायेवि विष्याय देवाया है। विवास्यायेवायाय दिए। र्रेवि विष्यावदाया क्रम्योग्रामे भ्रास्त्रम्य सक्ष्यायम् वर्षम्य स्थाप्ति वृत्ता स्थाप्ति । मुन्यार्देरामीयामासुरयायान्या हेनायरायो हमान्याद्यामु सर्वयाद् शायवानु नार्केवा हैते गोंदा मुंदा हैं मादा सुरा चेराक माया पाया पाया है। र्वेम्बरिन्दिसम्बन्धर्मर्यस्थित्रे वित्रस्थायः वर्षस्थात्रीत्यस्यात्रात्रस्थात्रे वित्र क्षामदायमानर्कार्याद्वार्थाद्वार्थिकाद्वार्यायार्थाः धुः समकाद्वार्यावे स्थापना चित्राने। क्षेत्रच्यान् क्षेत्रीयात्राज्यावात्राचित्रमा क्षेत्रवार्त्यात्राचात्राचा बेरा श्रेंच र्येन श्रेंच लया नवा स्डूं सु र्यार येंर र्येन र्येन स्वेंन सवा सु र्यार र्येदे खुम्बा सु सु देवा नर्य में सु में के में सु मार्थ का मार्थ का में सु मार्थ का मार्य का मार्थ का मार्य का मार्थ का मार्थ का मार्थ का नगतः नाम्यास्यया द्वार्यन् भ्वार्या स्थान्या स्या स्थान्या स्या स्थान्या स् मानदानुषायमा वे निर्मेदायम्यागुन्यस्यानेमा चेदाणु भुमायासु नुवे माशुट्या चेंद्रम्म्यच्येन्द्रम्या चेंच्यायळ्ट्रचासुः स्रम्यच्याद्रचे नुषाने। गर्डें ने खूरणयां गिष्यरायां ने प्रवेष्य के प्राथक रापार्डे गार्रे नवतः तुः कुराया द्यो नुषा है। क्षार्थे पेंद्रा वेरा ठका मार्थे का दुः नुषा र्थाया अर्थरा न र्रम में नवर क्ष नु क्षर पा नियमित्र के किया मायक सु नुवा वर नवर इमार्येन्यान्ये गुराने। खुराणायार्थे धीमी दुमायाम्यरासु गुरा सारार्गेना यान्यानुबाने। ख्रूरायायार्यानुबाने क्षेत्रुटानुबा ने नबान्गु केंटाया नर्दन र्रोब र्षे नुन स्रमीन अह्त न्य मी मान से माहेब न से माब स्रापट यास्त्रम्भ्यालु हिट क्षान्ये या नु द्रम्य द्रम्य या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व गर्रोट गै गर्हेय अस्त्रेय है। ह्यूय य प्रेंत्र यह वहा ह्यूय द्वित ग्री सर्वेद यानम्बर्गनुम्बर्धियाने। नगुदाङ्गुबर्गयानदा। ख्रुक्तायायावित्यादार्थिनाम्बर्धार्यनः केंसम्यान्यार्स्यान्यास्यास्त्रा ने से स्थित लुबायया ने खासे ने प्यार्थेन या नर्मेट्यायदेर्देन्थेन्यया हेष्यये ने सदेष्य प्रत्येग नुदेश्वर्षा यद विमानु अधि में भार्के परिमान्य प्राची में प्राची में मार्चे में मार्चे प्राची में मार्चे प्राची में मार्चे प्राची में मार्चे मार्चे में मार्चे मार्चे में मार्चे में मार्चे में मार्चे में मार्चे में मार्चे में मार्चे मार्चे में मार्चे में मार्चे में मार्चे में मार्चे में मार्चे में मार्चे मार्चे में मार्चे मार्चे मार्चे में मार्चे में मार्चे मार्चे मार्चे में मार्चे में मार्चे मार्चे मार्चे में मार्चे मार्चे मार्चे में मार्चे में मार्चे में मार्चे मार्चे मार्चे मार्चे मार्चे मार्चे मार्चे मार्चे मार र्दरायायाम् अम्बिन् सूनायदे सुटा बुबा नवा सूनाया नुबाया निवासे न न्यान्या क्षेत्राच्या क्राच्या क्षेत्राच्या क्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्य र्वेषात्रषा चेरारे के प्येत र्वेषाया रहा। ख्रार्ट्य पात्र में। मुवार्या मुवाया यहेषा न्याम् अमीन में मान्यान मासुयान में नाया पर्द्या नु मीटा सुया मानेयासु र्वेषाने। मुयारेविकवाशेदाण्टादेखार्थामश्रुट्या देख्यास्टावनेटावरा बुषायमा ष्रु र्दरायान्य रे न्ययान्य । न्यरायम्य यमा प्रमायमा प्रमायम प्रमायमा प्रमायमा प्रमायम प्रम प्रमायम प्रमाय वह्माम्नीटान्युनिकेचा भर्रे हे द्रा वर्षायाद्रा भर्रेन्याद्रा ग्राय ह्मत व्यवस्था रुद्र द्राप्त स्वाद क्षेत्र स्वाद स्व माशुट्या ख्रु र्डर प्यया दे भ्रायु अष्टिक क्या लुया यया द्यानेया दे भ्रायु लिमार्खी 5 कु सु 'रे 'क' प्यट 'प्यें प्र प्र 'रे 'वर्ष के सुन का रे मा प्र हे के मी के कि से मा प्र हो सू या या ये का रे श्चराची र्रेशम् राये वे स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य क्रेर्याने। समाक्ष्यिनमे र्सेट सूर्याया येथि हे मान्या ग्रीट प्राया क्रा न्या है जु निरेकेन्द्रार्श्विन्दर्भेन्यामङ्ग्यायाम्बेराम्चिःहेन्तुब्यानग्राधाराप्याद्राद्रा स्यायमा नमें ह्येटा न ने। हिंदाया महम्माय ने पाय देवा न मा

वहें ने में शह्याया हिंद है मन्याद्य प्रवेष माया कर विदेश ने राहे था दे'यास्यार्थे। दि'न्यासूनावट'रु'स्वैन'याद्रट'र्से'र्थेन'र्येन'र्यन'र्यंना'र्येन'र्यंना'र्यंन'र्यंना'र्यंन वर्षिरः श्रीः भ्रेटा व व त्वार्षे । दे वा द्वार्षे व विषये हिंदा में वा द्वार्षे दे वा विषये व विषये व विषये व प्रथायादिष्यायारानेता क्षेत्रास्त्रा क्षेत्राचा स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्य याचीत्र हैना दे नाट नाहर प्रमाय वर्गे तुषाया धैत है। टार्वेना शैत दु मैना वहेंता नभून मृत्वर्गे न धेना रेपिन मार्थेर मुप्ते पर्यो नया ने हिंद या नहन पर हैन बेरा देर देश अध्यायर मालमार्गे (दमो र्ख्यार्रे या र्वेन नशा ग्रीश श्वेमार्डेट र् नरुगमार्दा रेप्यायानेटारीमायम्यान्यान्यान्यानेरास्टा क्षेत्रा न्यार्ट्यां विया द्वारा पाया विवादी । यावाया हैया शुः या विवादी पाया पाया विवादी । यावाया विवादी यावाया विवादी यावाया विवादी । कॅर्न्स्र म्हार्मित्र महामार्श्वामार्थेत्। देन्स्य स्ट्रिंट्म सुस्र स्त्रीत्र मार्थस मीर्थस मीर्थस बेसबारुमार्थेट्रिंद्राच्या श्रीसबायार्केट्रिंगानेरारी दिवारेर्द्राया भावतायान् चुनायानया नयाभावतायान्नो र्ख्यायस्त्राचाया मेनायहेनानामे। ष्टिन वट याया समाया र्वेट या धीना रया ग्री के टाया न्वट कर निया हैया बेरावाया देखायेतार्थेदादशासदार्थावसाबेरात्या रेप्सवाणीयरार्थेदात्या ग्वीट'यिल'रे'र्याके त्वाद्रायठ्यायार्द्धेमायले'यार्थेम्यायायेम्यायरायह्या वयायह्याययुर्ध्योटार् मी र व्यावायाया देवायहू व मी दूर र विटावयार् यह्याम्बर्भरातुः भूयायाते द्वार्ख्या ची चीयाविमा वदी द्वार्थित स्वर्धि वर्षे वा हिटा है। दुबायायां बाच उदा वेंगा पर्कें पार्हें दावा है। मालवादा वटायरा नठन्त्रनुनर्भेरक्षेर्येटा बेरन्बर्यस्यामीन्बर्यसायत्यान्चुम्बर्छेर्यम् शैवर्र्सेटर्टेग रिमेर्ज्यरेशर्सेनर्सेवयाश्चरायर्टा देखारमेर्सेट्य नमुदे नल्मायाया र्याप्यापा प्रमान्य विमानु नर्योया ययो सर्यो सर्यो सर्यो स्थायाया विल्

नदेमिर्देशमान्त्र्या महिरामानुष्या महिरामानुष्या महिरामान्या महिरामा महिरामान्या महिरामान्या महिरामा महिरामान्या महिरामान्या महिरामान्या महिरामान्या म र्ग्णेयान नेतु निमार्थेर या नेति । यस मन्त्री । नेति । यस मार्स्या यमा । यस स्वर् य'देवै'दये'दै'द्रय'ग्लीद'विकेश्चात्तीद'युक्'द्रद्र'युक्ष'य'य'द्रये'ग्लूक्ष'हे' निवेद्याया अंतिक्षायुः देश्वाया अंता वर्षत् येविः श्रुम्याद्या ग्रीः द्ये पेविः श्रुम्याद्या ग्रीः द्या ग्रीविः गशुट्या ने न्या प्रिंग सुति र्यो वा विनर्दन से र्यो न सुमा श्रीय र्या न प्रा न्यारी में प्ययायार्येट विटामाया द्वाया है। द्वा से वे स्वाय हिटा या या या युटमार्भार्यमान्यान्या नेटम्मायार्ट्यह्रम्यानुषायार्टा वर्षम् र्ये हिया निर्मे प्रभात् की त्यार में विया के में मुखार्ये हित है से सु सु विया यानु प्रमानेमा ने र्ह्सिमान्येन प्रायन्ति स्वापान्य ने निर्माने स्वापानि प्रमाने हिंस् मुंतासमानुन मुसानतुनमायाधना हेन हु मे प्रेंस मुल्यमाण्या वरम्यायायीम् न्यार्थानेते हे म् नूणाश्चायाम् हे त्रिम्यस्मास्या व्यत्यत्यान्द्र्याण्यान्त्र्याच्यान्यस्ययान्यान्यान्यान्यम्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्य ने माद के प्रेर के के नद मुर्थ माया न न्यम में तुर्थ परेन्य मादे या क्या पेन बेरा देराधुकार्यकाक्षाचरुप्तगुष्पत्म द्योबाक्षाके के चुबायबाबक्याबदा यदे के प्यम दुर्भे विषय प्रमान्त्रीं व र्षा प्रमानि विषय यश्रास्त्रा वर्षेत्र वर्षायायीकायायात्रुशाने। वस्त्रार्थेशानेुासायात्रवशा श्रमाचित्रात्मा हे माचि भक्र द्या हे मा तर्मा हे त्या स्त्रा म्या हे स्त्रा मा हे स्त्रा स्त्रा है स वेतुते हेश भेर पान्ड्ना र्हेर दमा हेश पा हुद पान् विनायते गुट क्या केर पी विमामन्य भ्रेमिट म्यानव्यायान्य स्यापन मरिमामर्थेया भ्रुन न्या ने न्मार्सेरार्चेन्यान्दा यायनाम्डेमामार्थेया द्वीमार्यदायदानुर्चेन्यान्दा या यम् मार्चमा मार्थमा विष्या मलुगमा ५८ मार्चमा भी मार्च मार्थमा विषय मार्थमा विषय मार्थमा गुमर्शेया धुमावत्तरो नर्दत्रेयेषाम्यान्यान्यान्यासुम्बर्धास्या

तहमासायाम्बाम्याप्नाम्बा पर्मासायाम्बेरामुः पहिसापनमायान् नर्न मर्शेयान्यान्वम कुं रें ययानुयायान्य कें तें दाणे सुम्यास्य नुयाने। माध्या क्ट्रेंट्र्य.मै.चेतातात्विट.क्याश्रेशशान्यत्रभ्रामात्रःश्रेट.म्। मैतायायेशशाना त्रुमार्था है केत्र में हुत्र रूषामा नेम्या या थी हुट में। दम्य प्राप्त प्राप्त हिं में प्रथम्बर्भास्थास्य स्थाप्य नियात्र द्वा युटार्ट्या स्थात्र गुन्द्र प्रवाद स्था स्थाप र्रेहो पहराद्यया भ्रेताया समार्थया दमे प्रभेदा केतार्या थी र्या र्या भी रा यमम्मन्याया विर्मिश्चाम्पानान्यम् स्वान्यम् मुर्गान्यम् नार्थान्यम् नार्यान्यम् नार्थान्यम् नार्यान्यम् नार्यान्यम् नार्यान्यम् नार्यान्यम् नार्यम् नार्यान्यम् ना नायन्यायायायम्यायम् अपन्ति प्यायया र्सेनान्येन्याया नेयालनयाण्चे भुगयाञ्च परु नगुर अही नया दुगा अर्भेटया द्या स्वाप्त पर्या केन र्येते भुमुन पुर्वेगवा सेन में अंभ नेवा क्या केंद्र में विश्व निक्ष निक्ष के भ्रम्बर्दित्वित्त्वर्त्त्वेषा क्षेत्रत्या क्षेत्रत्या क्षेत्रत्या क्षेत्र क्षेत्र व्यापा कर्ते क्षेत्र क्षेत्र कुर्रेश नेश वित्र विराधित स्तर वित्र में रायटाया रेतर यें केरी में वा वी वा ना नेश हैं षटायाहेते युग्यान्यासर्षे से प्रांत्रास्त्रीता से कि मी से प्रांपिटा मी किया क्चिंट आयत तर्मे अ शेट मो विते राया या उत्राया मान्ता ने त्राय रायट मीश निटाम् याद्रायाद्रायायुषा हेरावर्षे मुप्तायो वर्षे मुप्तायो वर्षे मुप्तायो वर्षे मुप्तायो वर्षे मुप्तायो वर्षे युग्या गर्डें में द्राया इसायम सूट सहिता ग्रायया त्रायद्या यद्या स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व सरमे सहरा मार्ल्य मार्ल्य मार्ल्य मार्ल्य सामिया मुमाय समाय सिमाय सिमाय मान्यार्स्ट्रमी मृण्युयाया केंबायमुट्रणे क्षास्त्रम् ची क्षाये हिस्या हिता है नः भवतः तथा नात्रभाग्रेतः मुः नुदः क्या शेभशः दयता वर्षे रः हे प्रवेश्वशः नमुना नगे नक्षेत्रकेत से दे अभेन सम्माग्या मुद कुन बेसवा न्या नगयम्प्रेन्यया विभिन्निगीटागाटालेशासुनगर्भेवासना नेनावेगायटान्दा भर्वना ग्री'यदे' क्षे में मार्था नर्रे सि नर न्य हैना नर मी मुन्दे रेश खुश मुश पदे

म्नेटमिविदे येतु कुर्रे रेश शुचेशा गर्रेट या कुया ये केत्र ये चिवि क्रें रायटाया मुर्यायक्षात्राम्रहेर् हेन्यमुर्या मुर्द्यायायर्व्यायदेश्चर् हेन्या त्यान्य यासर्भिश्चेत्रकेत्रेत्युम्पर्भेता सामदान्द्रियायान्द्रदेशयदयामुयाद्दा ग्निन हे ग्निन चै दे के बाब प्राप्त प्राप्त के बाब के प्राप्त के बाव के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के बाव के प्राप्त के बाव के प्राप्त के बाव के प्राप्त के बाव के प्राप्त के प्राप गुै'प्रमम् केंश र्सुट'म् मुवार्स मिट चु'ठ दायाम हरा दे दश रेट प्रदास मी मिट वश्रश्चर्यात्राच्या व्याप्ति विष्यात्राचित्रा हिमान्या निर्मे क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या विष्या विष्या विष्या विष्या न्यार रेति भ्रम्या गर्डे ने यट्या मुया द्या पर सूट यह न गुत्र हु रेगा पाल्या निले दें में मिडिम रे रे या पर्मिर मिडिया नुदार नुया सेससा द्या है परि सुसा नमुन्। नटमी क्षेर्वेग्रानुटक्ना शेश्यान्यतः हे हे मुलाश्रवंता शेंग्याया र्युमायान सुन्याया स्वीति द्वारा स्वीति स्वी नर्से हे निवा नुडूते क्षे केत निवान स्विता मुन्ने या मुन्ने या यह या क्राश्चित्र मिया स्वाया स्व येवा र्रेना वित्र सेटानी विटायस्य सम्दर्भ द्याद्य वार्य उत्र ग्रीस्य सम्बर्ध रमायः नयुः नया याव्यः निष्यः क्षेत्रा श्रेश्यः नययः नमायः निष्यः श्रेष्यायः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः रैशायली नेपिकेंश र्सेनामर्निन हैन प्रमान में हे में शर्सेन उन प्रलेपाम हा मान पहीर मार्थिर प्राप्तिया मी मिना उन पुरा वर्षम्या दे न्या परित्रा या नरसा नर्सम्बानि वटार्समायटारीमार्ग्यस्त्रिरान्यस्त्रम्बार्यस्त्रम्बान्यस्त्रम्बान्यस्त्रम्बान्यस्त्रम्बान्यस् गुरियट अर्दिन मार्अ रेया करा यगाट है। मार्ने न है के यमा क न हुमा यार्चिमारा यं अके द माशुअ वा मा हदा वुचारें बा अर्दे कुदा केंबा ग्री चारा अर्दे द माशुआ कु द ये मी र्चमायायायके दामायुयायामा द्वा चुटार्ट्या देवाके वा ने सामी प्वाराया स्वी गशुभा गर्भर दुवा बद्यायार्थेग्यायश्चातादार्थे। ग्वेतरहे व्यगान दोर्छेन

ठवामकेरामश्रमायामहरा सूरारेशामर्गस्याम् केरारेयायान्त्रेया चरासी सूराया नक्षयायान वार्याय देशया बार्षा कुषा क्षेटा य वुटा ना दे रे विंग मुप्त वर्षेते नश्रमान्त्रमान्त्रीया नश्रमानमान्त्रम्यं केत्रां वा वाद्याम्यान्य विद्या न नेश है। अर्नेद्रायम् अयणे देनाय विनाय नर्गे द क्या विद्राप्त । वर्षरायाकेत्र सेयावर्भराते। नयवाद्यायर सूट सर्दि द्वार्थेट हीट वदे न्णैयायिम्निन्न्यार्थे। । अन्यायनाणै में याने या में हे ये अयान्याया र्श्नायायार्म्मायानिवेदाक्षाम्ययाव्यास्त्रीयान्यान्या नटानुः यर्रार्स्ट्राट्यानुन्ययाः कुर्देशद्रा वेंद्रत्यावार येंशद्रो प्रतेषात्रेश मेश्रा होता स्या है स्य स्या है स नक्षेत्र या नेवा की । देवा वा मिटवा या तयमावा या कूटा नमुदा ग्रीवा नगाटा। केवा क्चिंट ग्लादी सुवार में ख्रां न के ख्रांची गाया मा ५८ में । सिया दुः से में माया स्वारं कराया केंबार्श्वेटाबेटान्युगायायाम् ५८ दी । ५५ सेते से मार्युसानेबार्या की सार्रेया हु मुक्तिया इसायमा वमायते क्षेष्ट्रीया केन्द्रान्या सक्तासासेना या निया क्षेत्राया शेर्'यदे'र्स्चे'मशुभ'र्र'यसून् डेमश'य'यर्नेश'र्ने'स्र्रमानुमशकु'स्र्र' वर्रेम् वट्रामानवास्य स्थाना नेवासेट्रामाना मानवासेट्रामार्था नेवा मेटार्गन्दा नेवि मेटार् स्था नेवि मेटार् सटायेना नेवि मेटार् सेवा न्मुमा मियम्ग्न मुस्य स्मिन् विम्यायाम्युम् करिर्मा मुस्रित्या वार्यात्वात्रात्वात्राक्ष्यं सावा वार्याक्षात्रात्वा स्वार्याक्षात्रात्वा स्वार्याक्षा वहमायवै क्षें मोमार्था ने कृष्णियां के विषय के विषय के विषय कि विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के नतु.रवि.मी.सेशाय.वी हेट.रे.उह्चेशानतु.मी.सेश.शट.र्र्.ज.वेश चर.श्. समास्ट्रेटम्ट्रियायायुषा यमायहानदेमान्टानुया नेसीयमुवानदेखुमाया ग्रेन्यान्या नुप्यायार्थेग्याया स्वायापादन्यायान्या सुन्येया

वस्रा उर् सर् है रूट नहुन हेर नई वस्र उर् हमार रूट नहुन रे हुर न'हेर'नर्जे'नर्न'रु'र्नेन'नमुना अर्ने'सून'सून'रेश'नरु'नेनी ग'न'हेंट'न्ट' समाहेषा क्षें भें केन में खुया दु में दुम क्षें कुट महेषा मु भूषा केन र्थे दुग र्डेट के द्रे प्रमुद्दादम घट के दर्भ गशुशा तयम के दर्भ प्रमुद्दाया र्शेमायायाद्या यदेवायाद्यायसूनायदे मीटायवि मीटायवायस्य महिया है न र्टाचरुषायाचित्राने। न्रायुषाययम्बाषार्याम्नीटाम्धिमार्टाचरुषायाया न्ये चुर्या है। न्यार्थे इसान्या विस्राया सीया हो यासा है। विसाय विस्राय विस्र व्यायाम् रित्योर्मा स्वाया त्रात्राम् वित्राम् स्वाया स्वाये मित्राम् स्वाये स्वये स्वाये स्वाये स्वये स्वय क्चिंट क्ट्याय द्यार में दिट में विराम द्या उता के याया क्षेरी वर्षिर याया क्षे गहैशगहैशमीटास्व परुगहैशसीयार्धेन ने । अष्टिन स्वादहरान्यामीटा ना पहराद्यया मुर्गापाया गुराया मर्डी पर्वित्र यहुना क्षे पशुरामा विन्हे मनिन्मार्रेश वटमो द्वेपाय पहरान्य प्राची स्वर्थ मुर्थ केटमो र्थेव प्रव नर्गित्रपरिकृत्रस्या र्वापायदान्ययार्याकेरीकृत्रस्या क्षेर्यकेरान्तुम केंया क्रिंट यमिने तर्हे अदे पर्वर वे उत्तर्भ करा वस्त क्रिंर क्रिंच अट मीट वा नुण ख्रा यमर्डिपर्यरम्प्राचनुत्रा क्षेप्रायासर्रिनेत्रार्येके सूर्वेम्याणे सुर्देश क्षेप्रद्ता यदे मार्लेशायटा केंश क्षेट कुवा से त्वमानी क्षेत्र माट से से देवा मात मश्रमाया नर्रायर्थाः समायायासी हाता न्यूणास्य नर्गायायायाया वर्षेर हेर वर्जे वली हे वाया अर्रे हे या वर्षेर या वर्षेर या वाय वित्र वा वर्षेत्र वित्र वित्र वित्र के वित्र वित् केदे भर्गे क्रांश्चित्य द्यत्य धुमाभाष्ठे मु स्यमुता ख्रूरायाया विदेशोता हा यायमायाकियार्डे त्यार्के त्यार्थे से दान हो त्यायार्थे त्यार्थे त्याय्ये त्याय्ये त्यार्थे त्याय्ये त्याय्ये त्याय्ये त्याय्ये त्याय्ये त्याय्ये त्याय्ये त्याय्ये त्याय्ये त् यम्बारामार्थम्बारायदे मुवार्यदे त्रात्रम्माम्बन् मुत्र्त्राध्याकेम् सं

गडिग स्रायेन ग्री अर्केन हेन गडिग ग्रुन रेया अर्ने हे बाया हेंगा नर्गेन या नर्भेत् भ्रामें में दार्थिया वर्षियायायायाय स्वापिया के सार्भेदान द्वार र्शेट में अर्थ दिन से किया में विषय के से किया में क्यकेतर्भे खुमा अमिर्ड पर्विर व्या कुर रेश अमेति भेर के र्यमा पुर भेर या रूपा वर्षानाम्भायम् प्रमाया भर्माम्भायम् स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स में र्श्या में माने के माने किया में दार्म के दा याचै में र्ड नदे मुद्दा मुद्दा मार्थ स्थायम भूट अह्ट वह मार्थ प्रश्न प्रश्न प्राप्त स्थाय स्था स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स चते'णुम्नाचली समामार्भूटामह्र्यामह्याम्याच्याम्याच्याम्यान्या क्विंट मर्वेट हैन मुट में अर्मे उना चुअयाय मुट न तयत या चुअयाय मर्डे वर्षिर यतुता क्षें शुट मनित हे मनित महिश कुत रेश शेश शेरिमे या शुत प्रशा नृणु'श्रुन'भरे'नभ्रुन'भ'अर'दशेन'भ'द्रा' कें'भें'नदु'भ'क्षा'भेष'दगे'न'नुष' यश चुमरायदे प्रमुद्धाय प्रमुखाया चैस्। स्नुत्वरा मुखार्क स्नुत्रा न्यें क चुन वन्य निष्ठ च सुन सुन निष्य माया में भी कें माया निष्ठ कें कें सिन यायतः तर्में या मुं मी प्रांचा राज्या नयया मा नव मी ए व स्याप र सूर यह र यन गुः शुम्बार् रमा मुक्र में चुक् उक् मैम्बार् विम्न भक्ष वेंबा के क्यें पर्द इमान्द्राचरुषाया कुन्द्रियाम्बेरावेन्द्रियाम्बेरावेन्द्रियाम्बा केषार्स्वेदा न मुल में नुस मदि सर्वे में किता चुट मी मुट मु निल्या में स्वारे के के सूर नम्दाया दैवायवानयनायदेश्वरी केंबार्सेटानासुयार्याद्रीयोस्टानास्वा शेशवानश्चित्रच्याम्नीत्रवासुगावार्स्हितार्थान्या रेप्तांशर्केगार्यावासुगा नर्से है। रे हे सुराया पर्रा हियापामाशुमा पराकरापशुरापामाशुमा गर्डें ने बदबामुबायाकम्बायाम् दे देशुक्रक्यायायाया मुक्रियाया मुदास्त्र

बेबबाद्यतः श्चेताया इबाबेवा ग्रेबा लुबा श्वाता ग्रुबा हे बात्व प्राये ग्रुदा कुता शेशश्चित्रहें हैं श्रेट में पार्शिम्य या शेशश्चर मुद्दे वु ना देवे नर नर ह र्सुमायान दुते यह या मुयाने त्या नुका नुयान सुन्य या विष्य हैया सुन्य से या स्व र्गोन्सर्केनाः होना वर्षेरायाययम्बर्धायाः मृनाः तृः द्विषार्याः है। यार्रेयाः तृः मुक्ताया देवा श्रीयाया विवासीयायाय वर्षी सामेदायो विवासीया उन्हा नर्गीया सिंदा ये फ्रम् मे प्रमृत्य मुण्युय या गर्डे पर्विम द्रम् अया द्रम् श्रुष्टा स्राप्ति अर्देवे क्रून देश में प्रत्र इस्रयान प्रयास्य प्रयापित क्रियास प्रति न मुद्रिक्ष्यः भ्रीतः राज्यामा निष्णा व्यामा निष्णा विष्णा व वियायामार्स्यत्वरात्ना मिरार्यशायश्रायाचारार्त्रात्राश्चर्। शरशामुशार्स्रेटासः गहेशा केंश क्षेंट घट क्षणट पाया वा वा प्राप्त विषा अपने केंद्र है कर केंट प्राप्त वा केंद्र है कर केंट प्राप्त नवट रेंदि मट या होर नवें दट कुट रेग भद्र वें केंग क्वेंट न्या नु मिर्ट ब्वैन र्नेर तु नवर र्से या मान्ता ने माने या ने रामें माना माने स्वार्थ माना माने स्वार्थ माने रामें माना माने स्वार्थ माने रामें स्वार्थ माने रामें माने र्पान्यक्षायामार्नेमार्ग्या क्षेप्रेषास्त्रीयान्ते हुराषा नुपारेषास्रीरायी महोरा तुनार्देशान्त्ररायीय इत्या विम्हारी विषया मानिराया हैराय हामहेराय न न। वट्रान्यरयालयासेदेसुम्बर्कायान्ये नुषायायटानुषार्थे। ।देख्याळटा सरागोर् मीरावा हेरायर कार्सेय दर्शक में हैं या दृष्ण नीस्यास्या द्वा या ब्र्.य.क्र.प्रट.प्र्यापटायायायाया क्र्याक्ष्टामार्येटाक्षेत्रमायायायायायायाया विम्याया न्मानुनाषुयाण्चीयायायाना विन्याय इन्नाण्चियायायाया देवार्थाः यमार्थम्बायास्यान् वृत्यार्श्वीयाश्चीयस्य वृत्यवे गोटास्याणी स्याया विषा क्राश्चित्यार्व्यक्षेत्राच्यायात्रात्र्वयायार्वयायाया अद्यास्यायाः र्सायाः श्वेत्राश्चेताः नुषायदे प्ययामा नमुनायाः केत्रास्य मुना नुषा नेदी न नुषा शु

सुमान रें हे ले न नगर में पर्या मुर रें विषय मुर रें या मुर रें या मुर रें या सुया स ५८ कु श्रेन या श्रेमश्य या श्रेश केंश श्लेट सा यहमा मा १८ ५ ५ मा ४८ क्या शु र्थि हा न्द्रिनेयाचीयाप्रमासुयाच्याप्रस्थाच्याप्रस्थाच्या अर्केन हेन नगर में ग्रुट क्वा केन में विश्वर्केन हेन हन हेन हैन हो श्री ग्रुग्या का ने प्रावेत स मनेम्बर्यं मह्दं मेंबर्यं मुक्यं मुक् केंबार्श्वेटाचामार्वेटाश्वेवास्त्रम्यावामार्देटाचायामारुदा अर्केटाहेवादस्यार्था क्रिंग क्षे.त्राप्त्र त्या वीटा क्या श्रेशशा देत्य त्यी वीशा त्या श्रेष्ट्र त्या वीश्व त्या वीश्व त्या वीश्व त रट.बटबाक्रियाची.जीचेबाबक्ट्रामेच्याचीयाचीयाची टय.जश.क्रेचा.क्री.पी.मूटा मीयानिवरमा केंयार्सेटानामार्नेटार्सेनासाणीयम्हारुनायामान्ता सर्हेटारेना र्हेन में न्यया सायमाययाया ने प्रविन माने माया ये युगाया साय प्राप्य मी से सि नदुः दुगा गोश नमुद्राया अकेशशार्दि । नविसार्दे । हो तुः कुटा गोश नविद्या केंश र्भुट मर्ने द भ्रेन है नहीं मर्दे पर कर या मान्ता देवे के विदेशों विद उन समार्भेन र्ये १९०१ नवि अर्मे अह्म नर्ज्जेम प्राया र्येत पवि पक्षे ना अदानु मुका क्या दे र्ज्जेन न्येंन'यालुबाया गुअबायवे ग्लीट नु अर्केन हेन र्येन प्रवस्य प्रिम्बाब्बा सम्बा सर्वेद मेन केन में प्राची केंद्र प्राचन प्राची सर्वेद मेन द्वार में मान्न द्रम्याययाययाद्रम्य निष्या नुद्रम् । विष्यत्रीटार्येटायर्य ग्रीयाहेया चर्डमा चर्या स्वा क्ष्मा या द्वा विदार्हेट सामक्रीय स्वार्भे चा द्वा विवा यथा अमा इते कुया चेंदे प्वचा ग्री क्षें अरु का क्षा मार्ग रें ग्राचदे कर का क्षा या मानुमार्था उत्राह्मेट र्येदे प्रमाया ने प्रमित्र मानेमार्था प्रदे रेट प्रमेथा सामा इदे चेदे। वया गरिना चलुनाया यम मानाया र्थी मासुरया न दा। मुखा र्याया ने सुवा इत्यायविष्ट्रिम् विद्याः म्रित्याकम्याञ्चयायाञ्चयायाचिमाण्यत्याय्यायम्

करायानर्स्याने।वर्ग्याणीयमान्त्ररातुयानन्य। र्स्यान्यंत्राणीयायान्या सहर्ष्यस्य स्वरायम्य क्षेत्रम्य देश्यमा द्रम्य स्वरा द्रमया स्वरा द्रम्य स्वरा द्रम्य स्वरा द्रम्य स्वरा द्रम्य ग्राम्यायान्यायम् इत्यानु नास्यायस्य विद्या मुर्याम्यायस्य विद्या नर्हेवानान्ता खुवानेवे कुवार्या चेन्त्र अधवार्षिन कुवार्या नेवे हारावने वर्षित्र मुद्रास्त्र केत्र मी केवाया नित्र में केवे केवाया नित्र में केवे केवाया र्डेप्दर्यरप्रमुराबेराव्या र्थेप्यरामीपायरपायर्वर्येपेष्ट्रभायन्ग्याने। देवै र्वेग न्या समायमिम द्राप्त स्या पहिला न्या द्राप्त वा प्रे प्राप्त पर्दे पर्द्य र्थे र्षित के त्वार प्रति । त्र प्रह्मिय यथ र्षित के किया क्षेत्र के त्र के त्र के त्र के त्र के त्र के त्र के अट.रे.तहता.चर.प्रश्चित्राचेश्वराश्चरत.त्वा.रे.वरेश.रा.तवाश रे.चेश.के.त् म्मित्रम्याद्यायाम् इराद्यमाद्वयायाद्वा यामाङ्ग्याद्ययाण्यादेरा वस्रा उर् छो ५ इ सु रेर नक्षुया द्या की वस्रा उर कु मार प्र पुंग्रा सु र्चेया वर्षामाध्याञ्चर्षारमिषायराद्यायार्दे हे मदवादु चुटाक्वाविटाया अर्केराया नुषान्यासर्केरामन्याञ्चन नुष्यापरी मुरासर्केर हेनाय में परि नदान सर्वेन कदेरप्रिं र्योदेर् र्योपान र इदेर् तुमाया देश्या युरा नुरस्य यूर्य साम्य र्वेम्या मुम्यर मुन्तर र्ये विगायर्गाया वारो प्रायार्थे वाम्या सेवा मुन्य प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया स्वाया स्वया स्वाया स्याया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया मुबार्षेत्। के निवित्वारारेबान में यो ना केन सेवि निवास में निवास ना स भदेषमायायात्रभायात्रम्भाने त्रम्यात्रभायात् देवसम्यरायाम्बरायसा है ५५८ हो राष्ट्रमा सहसायमा सहसाय है दायुवी मार्चेदा ष्ट्रिट मी प्रमानु दुः मेट प्राप्त हो अया प्राप्त प्रमान प्रमान का का का अर्थे का करि प्राप्त में प्राप्त का म र इते नुस्याय क्या ने प्रविक माने मायाय मुणा श्रुपा परि रेटा प्रश्रेया में पुना श्रुक न्द्रभात्रभा द्वानेद्रान्यभाग्न्यम् व्यान्द्रभाव्यम् अर्द्धत्रात्रम् अर्थेन्यम् अर्थेन्यम्

वर्षरार्द्री दिवसर्द्रार्चेन नसर्द्धार्याम्बद्धार्याम्बद्धार्यास्त्रात्रीम् । क्षा परेर्द्रक्क कर में र ग्री शाय उर प्येक यश परे र हैं में ट ग्री शाये वा रेश नगाय नस्या भे निले र्से या ने खिट दु स्वाय ग्री गा न न र्स्वाय है। से या सु स्वरे न्ममामीयाने प्रमिमाप्यमा स्रामिमायाया स्रामेयापत्र प्रमिष्ट प्रमापत्र प्रमिष्ट प्रमापत्र प्रमापत स्मान्यत्ह्मास्मान्याची से प्रविधानिया क्या साम्मान्य प्राप्ता स्वापान्य प्राप्ता स्वापान्य स्वापान्य स्वापान्य नवे में दाष्ट्रेम केन में निना गुदार्थे दार्दी । इन्द्रमा में दादु र्यमा माने न दुः शुदा नबानर्द्रप्रेतार्द्रेबायबा कुर्गरार्थे खुवान बदानबान स्ट्राय क्षेत्रव्या यर प्रमुर र्वेट्य बेर् र्रेन द्र्येन या देश यथा कु द्रार र्ये कथाया प्रेन्य यदै के द द प्रमास्य प्रमास्य प्रमास्य प्रमाप्त प्रमाप्त प्रमाप्त प्रमास्य प मशुट्या नग्ट्रम्था से मार्चमा स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्व नमा नर्दन र्भे मि र्शेट र्शे नर्दन सुवा यस मामामा भी । दे नमार्केम प्रिमेर दु र्चेन'न्या रेट'न्येव'में र्यूर'रइते' अयं र्नेम'स्त'च्यापदे'नर'न्। रेट' नश्चेयापमेयाना क्षेत्रायामाटा समिट्याना ने सकें न हेता शुः वासा हेगाया नल्माया सेयाण्णेमान्न भेगाया निया सेयार्थित नर्दन ग्रीम्यान्सायः ५८१ अन्य भेष्य न्याम् १ या प्रत्य प्रत्य विषय स्था भ्रमा सम्य निष्य न केरी ।देवे र्श्वेमानेट दशर्ये देवे कुन क नया येथा नर्जे कुदा यह र्श्वेमा विट पहुंग्यायम् कर् नुयाने। र्ह्नेंद्राचेट लग्यार्टा विट हाया श्वानित नुया यद्रा नयर्थेशद्रगुर्श्वर्षाभाष्ठमान्त्रेत्युत्राष्ट्रीत्राप्तुत्रापद्रा नुयान में मार्नेमा ने हेये क्षेत्र नुमार्थिया महा हेश से भारत महा नेश होगा निट'यर्द्धम्यायेम्यायायार्थेटा ने स्निन् क्षेत्र नुमार्थेयायया गुत्र यथम्यारे द्वै प्रचर्मायमार्भे नमाके नाप्तै सुर्धिन नु द्वाप्ते विषा यथा प्रशासेन्यायाटा सामकेशा धुरमानन याना हो। सन्दादि से प्रभान से।

निवार्श्वमानिदान्तर्गवाने। वित्रिण्येवावर्षेत्रम्भन्त्रम्भन्यायाय्त्रे येग्बर्म्यया अर्केन् हेन पर्ने पर्द्या सुमी एक मी पर्ने प्यासुका सुमा र्टानर्भेरान मेर्पान प्रेरायने प्रेरान बिन्न मेर्पान म मकैषान्यामायेरामुँ पायादामार्चमार्मुना मान्नेदायदार्यान्याये स्वा र्देन या दे मुयार्थ केन ये प्रविष्येन यथा दर ये मुयार्थ केन ये प्रविदे मा बुग्या नुमासुद्रशान्या नुस्रायदेगयर द्रममा प्रविध्वशान्या प्रविधानि । देख्यासमीतः मिट निवेदे निट सुमाना नुण श्रुचायामार्ड दिमिर माशुस्रा सर्दे न समीन ये सुस्रा द्यामहैषा देवे क्षें द्वानर वुषाया क्षेंवे क्षेत्र का नवषा द्वा केट का क्रिंग क्षे प्रतिम् र्यो मार्थे माय्या मुखाया नाम नाम नाम मार्या नरुषायानग्रीषाने। केषार्सेटानाग्वयायीनवित्याग्वन्। सुग्वयारीन्त्रास्टार्सः हे'वर्गेश'वा'शकेंद्र'हेन्द्र'नमु' स'नमुद्र'णु'र्ख्या'दु'नर्श्रेर'न्यरे रे'द्र्र यह मुबाग्री मेटा नर्भेया में में प्रविष्य मार्था केंबा र्सेटा न मुखा में प्रवेश नर्भे प्रविष्य या गहरा नममाध्यास्त्रिते केंबार्सेट द्याया सर्गेत्र त्या र्याया गहरा हे स्ट्रिट त र्ययान्त्रमार्थरात्रथरात्रथा स्था स्थित मुर्था माना माने हो के त्या र्याट अर्घाता कु चबरायाचर्गेरायायेग्राया दुरार्थेराम्बेश्यगरायायद्वाचा हेवेख्ग्राम् न्यायनम्यार्धेम्याणुः यर्केन्यान्या र्षयानुतार्थाः सम्योगान्यार्थयानुतार्थाः यापर्तेत्यामायायायाया । हि.स्.सं.सं.यमा.मे.मध्यामायाया भक्ष्मयाम्यतः क्षे.स्. नर्दन्द्रा आषरकेन्वन नन्द्र अर्द्धियाम् हैशः श्रुनाया अर्द्ध्याय अर्द्ध्याय अर्द्ध्याय अर्थिया देशः भेरा वर्ज्ञानववाष्ट्रीमुवाभदार्भानर्यम्भनानु चुदान्याभव्यन् चुदारुवाहेरा मर्शेयानदे सुमा रेश नमें मुखा गुमा दुमा यमा मिट यमा था है। सूट ना अवद षर्याम् रें तें सहराया मरें वर्षेरादम्य महित्याम् सहरायाम् महित्याम् सहरायाम्

ट्रिट्यायया वर्षिरामाध्याक्राक्यावार्षिरा वर्षिरादुमार्यामाययात्रारीमायामाध्या भैमार्थिभमें दर्भित्वम्यासुमार्थिय। सुर्यासी स्वर्यासार्थित्य स्वर्यासार्थित स्वर्यासार्य स्वर्यासार्थित स्वर्यासार्थित स्वर्यासार्थित स्वर्यासार्य स्वर्यासार्य स्वर्यासार्य स्वर्यासार्य स्वर्यासार्य स्वर्यास्य स्वर्यास्य स्वर्यासार्य स्वर्यास्य वनार्रिया क्षेत्रामार्श्वाकी क्षेत्राची क्षाया क्षाया क्षाया वार्षा यमालाहेदाकुषासुराबद्याणु र्वमायम्या रेवार्थेरासम्बन्धायवार्ये र्डेट अकेअश सुते हाया नशुया ना दे प्येत माशुटश र्डेट न न माश सूट न मार मेत गुँ न्तु हे या न्ये तु द्या क्या निवेद्या सु मिया र्थ प्रिंट न व त सु या स् निव्य है । मुयार्येते पुराके तर्येषायर ह्यें नार्येष मुवायुरान हुतायशा विनातु निवेषा न्यायन प्रमार्थिया न्या दे या भ्राष्ट्र स्था या नाम हा महा देश र्षेषा है। म्बद्यान्यस्तु र्द्धयाम्बर्धरामदार्से हे द्वीद्याणु द्रणेयादार्वेर दु प्रबेद्यासु गर्राया क्ष'नर्ने'न'या नर्रा सू'नर्'ग्रुअ'न्द्र्याय्या नर्ने सू'नर्'ग्रुअ'न्य' है। क्षेट्रायट वेंग्याय केंग्याय केंद्राया क्ष्याय केंद्राया सुर्गेर की क्षेट्रायट वेंग्याय केंद्राया केंद्राया केंद्राया कींद्राया कींद ह्यु मिर्टा यर्थ्य श्रुप्त त्यमा श्रियाचा श्रामान्य समान त्यश्चित्र मान्य विश्व गर्दास्यायाम्बेराग्चीम् मुग्बायायदे वत्रार्देत्या ग्वत्केत्रार्या न्तुत्राग्चेत्रा गर्दायानमुद्रायदेगवाया वर्षातामुन्येयवायासुरायक्षात्रायक्षाय्येद्राय कु'वशबारुद्रायदेवाद्रवादोटामो।माद्रवायन्याद्राद्रवास्रवामी'मुनारु'र्वेटा या क्षेत्रचेर्यार्ड्रायम्बार्यरचि चि क्ष्याक्षरायर्वे स्था वरमी पी प्यये द्वा र्देनाबायाधीमार्गवायारे प्राचित्राया विस्वायाया विस्वायायहा गहैशपन्तर र्देनपा कुः सरहे पुः स्वन्ति ग्रीशकु सेनप्रेगशपा सेनश ॻॖऀॱढ़ढ़ॱॿॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॗज़ढ़ॱॿऻऄॸॱॿॖऀॱऄढ़ॱॺऻॱॶॺऻॱॶ॔ॴय़ॻॹॖॖॗॖड़ॗ

नुस्रानु या सर्वे द्रायि द्वार्थ हैं भी द्वार प्रमुद्र प्रमुद्र प्रमुद्र प्रमुद्र प्रमुद्र प्रमुद्र प्रमुद्र प शुमार्शेया ने नशर्ते न नर्सन या अद्यमार्शेया गुः बु हेन मार्शे में पुं प्रे प्राया वयालुयायया में न प्राप्त याच्या याच्य थें पुन्सू में क मुंशनिया हेश सुट या क्रा ह्या देवा न से का या है या न से का या से क चठन्त्राञ्चयायायाचलुग्रा ष्वन्यरानुराम्बर्ध्यास्याचीयाची स्वार्थ न्यायह्ना नर्द्रार्म्यायहत्त्वह्यानुन्नस्यानुन्नमः श्चे नेदी र्देनायाण्यायेट्या र्सेनान्येनागानुसीटानायाराम्बेटायान्याम्या वशर्चेव पश्यक्षेत्र हेव प्राप्त सेंदे में दर् चुंव या वर्ष सेंश वहसर्पया र्रे हे लगमारुअ सुमा दुमा यासुमा कर देका ये किये के हिमा र्यमारुमा ग्राचिग्रा ह्यान्येन ग्रीय हिट दे प्रदेश ग्रीय द्वा सेते प्रेम प्रदासी भ्रा स्था मुैराधुन'र्दर्याने। सर्वेराहेन'र्यारायें'यानर्ह्मर'यानुयाने 'न्यानरार्धुग्यासु म्बिम्बान्यात्र्यात्रार्यम्यतार्थम्यात्रार्थम्यात्रुः बिदादे प्रत्यम्यायायायायाः स्वीमान्त्री क्षित्रसम्बाद्याम् देवा द्वार निर्मानेवाय है। स्र में माया प्रिक्त द्वार्य मिर्पा गिर्देश में मुन्न देश भे भे वा में भे प्रत्य मान का की मान है नि में में की की मान की मान की मान की मान की मान ग्रम्याम् म्याम् स्वास्त्राम्या स्वत मार्थर मुंगिर्ल्ट यामाट सुया लया र्श्वे केता र्येते दुशा शु सुते सुमारा रेते सेटा न इस्रायत्र प्रस्यानम् नम्रायानिष्ठमानिष्ठमान्यसान्यसार्वेन। नम्राया नक्रम्यक्षेया अक्षा देवे हेयायागुन स्रम् कें के बरा से मुन् स्रम् या यम्द्रमद्रम् स्वादे स्वादे स्वादे स्वादे स्वाद्रम् स्वाद्रम् स्वाद्रम् स्वाद्रम् स्वाद्रम् स्वाद्रम् स्वाद्रम् प्रिंभभूमा सिर्भूरिट र्सुट विश्वासिर विद्यासिर श्री सिन्द में सिन्द से सिन्द सिन सिन्द सिन

यट कट यम यट हैं न नर्धे के गो र हो ट क्या या मार्वेट ये हें मा में या नगाट क्षार्चेक्'या वर्षक'र्येष'द्रमे र्श्वेट'र्रम्बाष'स्वे'द्रचु'कुक'रुक्'दु'म्बेम्बा र्श्वेच' न्येंन मुंबा नेटाटे पहेंन मुंबा न्तु है न्या विद्या मित्र मुंबा हुन हुन का ने। पर्वेरा गरिमायाक्षान्यानेमायाने स्रमानी मायापिक्षान्या पर्वतारीयाम्याने सामि गर्नेट यागट र्धेन दु सुया नय हैं केन येंदे दुश शु सुद सें यादक्याया हर निवन दुः पर्वता वया हेयाया सुदार्थी के बदा रे मुदा हेंगा यायया हार्थी दान दुवा यार्ब्नरेशाचेदार्वेटाच्चिता यायार्गित्राक्चित्रयायार्था स्ट्रेटान्यर्या मेदि र्स्नेत्येन याया भे भे भारा हे मा भारा मी भारत्यत् रत्युरा राया भे मा भारता भुरा भे रायर रत्या युग्यास्स्रयायम्मायते स्वीत्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र यायरमार्वेट से में मामीय नगट न सुस्या नय मुस्या निर्मा नर्ज में या निर्मा श्चिट प्रहमान्यया रे हियान्तु मुना उन लेगा मुगानिगमा श्चिमान्येन श्चिमान्या केष्णटार्चिमामी भ्राक्ष्मभायन भ्रुमार्थिनेष्म मेटाटे प्रदेश मीश श्रुक न्दर्भ क्या न्तु है वट क्याओं र्नेमा वर्षेत्र क्षा इसस्य नुष्य महिमा नुष्य निम्य है। ह्य मी माया निवन दु त्यों द्वा नर्दन में या बोर में मार्वेट या माट पें न दु स्या वयार्श्वे केत्रभेषे पुषाशुः भूपायाय व्ययाया स्मायविता पुष्या हेषाया स्रदार्थे के बदाने मुद्दा पहराम् न में द्वादार्थे होता में माद्दा भाग हुए। माशुभार्चे ५ 'या'या यर्चमाशान्या ५ या ५ या या या सुमाशान्या भेति येथा पर र्चेम देरमेर्भ्या क्षेर्यरेश्वेष्ठीय स्विट स्वाप्य अट स्विटायम् अपन मैग्रानान्त्रित्रक्षास्त्राम्यायम्। यद्वित्यान्त्रिक्षायास्यायास्यान्त्रा र्भायायार्श्रम्यायाचुँदाचासून्र्सावासदेचेनासुम्याण्यार्ट्यस्यायार्षेत्र यदे भ्रें मुच पु चेया थे। धिया भ्रें च प्रेंच प्रेंच पें के या पृथा प्रथा प्रथ

त्वर्मान्यः इस्रयाया सद्याम्ब्रीयायम् नमुद्रानुषाक्षी ।यम् नद्भनुषान्येः हेन ने श्वयायये सुर्देश न्य मुन स्वयय प्राय प्राय के विषे हेयाया यहन न्यामी क्षावदावर्मेद्यायामा वैवायायया विवादा र में विवादा मशुभावदी महिमायाया भावदा सुवाया वदा स्वादा चारा वाया विषया व नगरम् नर्भायस्य मार्था । त्रीत्र में इस्रा मुक्त मार्था । त्रीत्र में इस्रा मुक्त मार्था । मी के या दासुया में मुस्ति द्या है। अकैअया ग्रीया दा के सुदास्मायाया र्थे माया परिता र्ये परुष्मिष्ठेय क्षेत्र प्राप्त में के प्रमुप्त के प रे। गुरेशक्षर्भर रे पर्नेता पेंद्रणै पदे श्चेत्र अद्यायदा द्राप्या देवदाद्या डेते क्षे मुन नुद देश न नेश र्षे द दे । दिश देर हे र्त्तेन हराश डेद ने वा प्रेंदश र्श्वेर या जेटबा नबाबा प्रवास महा स्वास स् क्षावदायासर्वेदारेदाल्यमार्नेगामेदायमानर्वदार्यात्रुगमामानदे प्रयदमा इसरायार्क्राचानर देनायार्था लेखानार्थाया श्रीन प्राचीयाच्या स्था सरार्स्यायमा स्रित्यवयोगाययासूटात्या त्यवयोषियवेरायदाने ज <u>५८१ च में र हे पर्दे र ग्रे सु चै र्रे र र द द । सकैससाक्षा सु वे सु मुणु ५८१ ।</u> नुर्यु मिट ह्येय या श्रेम्य प्रश्निर येयश अक्रेअय येट म् विम्याय श्रेम्य याबटार्सेन चै मु र्जं अटाबिना सूटान्या सूट्र भे प्रियाया यथा सेन में प्रिया मन अन् नश्चन शे र्विश्वायया मन केंश्यु अके लुश्यया श्वेन नेंदि मीश नेंदि गी षायाद्राष्ट्राभदेग्भदार्देवार्ष्ट्रायेवयाः हे। केंयाभदाद्राय्यायेवायाः क्या में र भूर दु केंया नन् र यथा यथा भ्री है र भूर श्रें न या र में या में र गुटा क्यारोसमान्यवे सुवायवे स्निन्धेन यसार्केम गुरान तृतार्वे मासुरमा ने नमा

युगार्थेदै न्युन्तु स्या ह्या र्युन र्यून र्युन है। नतुषायानु न्वमानु ह्या नते नमे ह्यें टान दु महिषाहुन न्वा नया ने ना हिरा है। र्त्वेन इसमाया ने न्न्न नमा से न्न्न रेम नाव नस्या नवे यह न् न्न नम्बर्धरम्भ्यत्वा व्राप्ति विष्यात्रम् विषय्यो विषय्या नगे र्श्वेट गुरामा वर्ग मृज्ये वर्ग सम्मेरा पर्य प्राप्त के वर्ग में प्रमेर के वर्ग में प्रमाण के वर्ण में प्रमाण के वर्ण में प देवे विचया है। चें मानू प्रयान्या हिंदा चेंदा है। यह प्रयान्या है। वियान्या स्थान्या श्रीटायटाञ्च (नियवशे) रङ्गालेशायहगाशाहे। येनि ग्रीप्रयाहा ग्रीटायाञ्चायायाने धैवर्षे । पर्वर्धे वर्भे क्षेप दर्भवर्षे वर्षे व हिट्यानुमा छ्यामश्रेट्या स्या यर छुमा मश्रिट्या द्या सि (र्यप्य) माया बूट द्रा स्रित्यवर्षे विष्विर सद्वि ५ द्रा य में रहे पर्दे द की सु में द्यस्तरा त्रायमामुयायामर्मेषात्रच्यात्रा मास्राद्यस्यारेषाकेषा नेबादयदार्थाददा दयवादयुद्यावार्थम्याय नम्बाबाद्याय की दुनारया र्वित्रा यद्यम्तुत्रं लया हायया युवा ख्यायते यहेयाया यहीयाया ग्रीताय र्मा मृष्ट्वित पर्मेश या थेरायशा प्रामर्स्स श्रीप्राभा नेराय प्राप्त । वित्र र्से स् नु'र्क' ५५' य' उद' वस्राय उद' रच' मृ' चु द' लेग' उस गासु दस दस्रा र्ह्में र् इस्रम्य ने रे रा पृष्टु ए क पर्के पा से द रें सिकेश प्रमा पर्व में क रे एस पर्के नात्वान्याञ्चरार्डमामाश्चरया र्त्वेनार्यान्यारे प्रमान्यायायाच्यान्यान्या वेंट में ने ने प्राप्त का किया किया मही में किया प्रमुक्त अर्केंद्र मान का मुक्ति माशुट्या हे हें र्माशुभायश्च्या भे त्या ने प्यार्मी पा १ स्था र र्भेत्रयायार्भेद्राचेतारेयात्रावावात्रात्रव्याद्रात्रेत्रयात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र

यदै द्रम सु हें से डेन वि कुय सद से पर्न द्रम द्रम सु पर्दन से कुय या से न्या याम्यामृ वृष्टायदे आष्ठायां श्री द्यद्यो मह्रयायुषा श्रीमासुआयम्। र्यथा रयानु वुदान्या न्या हेये वु यन्यान्या अर्केन हेन केन या यन्ये हे भी ञ्जमारायमामीराञ्चेता देपायम्बर्भमीयनम्बर्भनेत्रमाराजेन्यस्याम्याद्रम्याम्या मिल्याबेर र्थेर द्र द्र प्रार्थेर मुबा नाम क्षा सुवा नाम प्रेर के कार्य मुहार केंश कु विभग्न नरुषा से भेग भे र विदाय राजिया भे से भी पर र या भर्य र रुष भ्रीतिर्याक्षाया भ्रीतिर्यावस्या उत्रियाहेतीत्रात्रात्रक्षाया हे त्याद्यावस्या उत्र ग्रैशरमार्ग्युटामार्नुराधुटायासुमार्द्रास्ट्रम्म्स्यानुरम् देप्ट्रम्मुम्यरे केन्द्रायर्वन्याययाश्वयान्याञ्च केन्यायाम्निष्याययाञ्चार्यम्भी ।नेन्वया हेर्न्नुव्णुवर्केशनुप्तरार्थेशवशा मुदिर्ला द्वंवेर्ला द्वंवेरला द्वंवेरल मक्तरमु । या के 'खू 'त्र त ' प्र प्र के 'त्र में भार में भार में 'त्र में 'त्र में 'त्र में 'त्र में भार में 'त्र में 'त येगर्भा दिया क्षायुटायुर्मिट द्रा वर्मी वर्मी वर्मी द्रम्या मेटिया सुर्भा देवे मक्त मुंभावन मुं खुट में हैं हैं या भैग्रा मश्च्या मुदे हु लट भालट भे भा ग्रे.जु.बैंच.रॅटब.र्थ.की.यो.तुंतु.क्र्य.पबैंचा मी.र्याच.तुंतु.क्र्य.चीट.पबैंच. नः यदा स्वतः हे निवरमान्याया यया केन यदे हे या मन्या नह यदे है'या अट र्येश यग्र प्वते है'गशुअभाषा भ्रद्यायश र्येट प्या शे प्रक्रिश यमः अष्टिन्न्यायायश्चरा न्दार्यायुदाक्षेत्रविष्यायश्चरा नेव्यास्यविष्युदाक्षेत्र यद्या मद्येत्रें मेमशयावहेद्या शुद्या मह्य सद्याय १ १ वर्षे न्यसुरा धें गासु हेग्या होत द्यो पाया गात्र राये केत दा मार्थ से से दाया नम्ब्रायार्केशमाबुदाहाभ्रानाथार्भेग्याने। येगायमायहायानेवास्मायमायगुमा नमर्नेन्यभेयळ्यम्यम्यम्य मुम् ग्रीषान्य नेन्नोन्य विष्यम्य परिनेन् र्गश्रम्याने। मेर्गम्द्रम् सुर्टानयायान्यस्य । अत्यः मानायन्यानस्य

यार्चेदाइयार्हेगाळे प्रयायायञ्चरा खुर्यायार्चेदायार माप्तेनाका यार्चेदायार माप्तेनाका यार्चेदायार माप्तेनाका या नेशन्तर र्सेशमर्थिय नश्चिम् अर्रे हे न्द्रमा बुद्यमुम्मर खुया दुः श युषायार्डमायर्डम्येदिषुग्राषायायरम्यार्डमायार्डमाय्रे देन्नयायर्डम्ये न्रे थेमेशन्तरमें। कुमारन्द्रकुनमामी इस्त्रेमाय केत्रेरिकेंश कुन्येय र्धेन्यम्बर्भनास्यवस्य मार्यः विष्येन्या यस्तर्भे मास्रम्बा नेतर्भे सुबाया र्धित्यागुरुः मुश्यानगायः केत्र वर्षत्य श्रुरः र्या । ते त्रश्चात्र केत्र र्धात्रशयर्के ना श्रुरा गो'रु'म्रीट'रु'मर्थिब'स्रया'तुबाही स्वा'रु'तुट'रा'सुस्र'यसु'यसु'यसु' गशुभायत्रेता नेवै प्यशान्येत हे भें गुमा क्या हे शासहना गन्त केंत्र गुराया ५८१ मुबायायमार्थे मे प्राप्तिमार्देया मे गुबा क्या पत्यमार्थमार्थेम दुबारेमा र्त्ते भेरियमें बाजीबा सके दान बाह्य के बानी सुबाय मास सहिता दा ही में की के बाजी में र्यादर्गोत्रासर्केमामाशुस्यायासुमाद्रालेश्वाद्रा मानुसाद्रालेश्वाद्रा दमो न्याधिमार्ख्या है स्थान चट रेश नगुरे देगा पट र में रुश नचु या स्वान च च सा हे लया केश शाये से श र्यटार्सियायलगा हे सुमानेग्या रेते सुमायटार्या सेते सुमार्गयलग्या न्यायर्केन मेन्या दिया प्रतिस्था नेरावर्ष र्येषा यो नेया न्या र्या रेटा युग्रायास्या पर्गायाणाः तुरिगेर्दा म्यापुः वृदायायाः क्रिंग्युवैःर्स्रेन दर्भेन दर्भ १ अवैर्स्सेन दर्भेन नर्भेन न नवव अर नव तस्रम् मुर्था हुँमा मेट सुग्राम्य ता हु नामे स्वाप्त न नुम्य हु। क्रिंग मुद्र हु। क्रिंग मुद्र हु। क्रिंग मुद्र हु। खुमारु राष्ट्रा केंबार्सेनायायानरु माहेबाबटारु नरु । सुराणीयोनेबारनटा र्ये अर्देन मेश न्य स्वर्धिया नर्गेन अर्केगा में हेन खुन नुमान्य स्वरे केन नु

न्ग्रीन्थर्क्षामी हेन्यायनम्बाधियानम्। नन्ने नेयायनम्बाधिया मशुभामशुभारु प्रचर्गा ययरशाक्ष रेशायायात् त्रात्रशास्त्राच्यार श्रीपु प्रमास्त्र वया नगरन्ने पनुवायानम् रावया १८ मिरारे पर्रेवाया अरापे नेशन्तर में भारी १९८ मा गुरु से सके द्रमु सके तथा धे नेशन्तर में में श वर्षाक्षे यमाश्रापर कु पर्व भी यमास्मा पुर्व र में समाश्रामा मानाया सा अश नर्ग्या हे भ्रियायया सुयाया नुष्या है या ननाया भ्रमान्या विस्या में नियाया मुदेर्निवरमान्याम् वात्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्या यह्याभ्राम् इत्याभेद्रास्त्रित्याभ्रामुद्रायाभ्राम् वर्षाम् क्षेर्यायश्चर्यायम् वित्रमेर्याचीयावित्रम्ब्रायाश्चित्रा वर्षयायमायायम्बर्दायाः वर्षे वरुत श्रीवामहेराद्वायुषादमामी दमे श्रीराष्ट्री वर्षे वरुता म् रिनवस् रेम् इर्पा नैर्भेर्डं स्प्रा वनव रिनवस् रिनयः प्राचा र्शेम्बर्धाः शुटान्बर्धमार्श्वेच दर्धेन र्चे हैं बर्डिके र्सेश्चेया क्षाचा अध्वन्न बर् न उत्पर गुरा गशुर रच रैन यें केरे चर अर्दे हिन भेन दर हेन भेन मु ॱसर 'पेर 'पर र्वेर 'सर 'र्व वा उम 'उर 'प र्व र रेश मुर्थ पा यु 'व 'पेर ' मश्रद्या नर्द्व र्येया मुदे र्येद्व पदे र्केया पदे से ब्राया में द्वारी के या प्राया में द्वारी में द्वारी के या प्राया में द्वारी में द्वारी में द्वारी में द्वारी में या प्राया में द्वारी में द् चु'चर'ग्गम्या इट'र्सेट'चर्नेट'यय'युर्याय'ये'सेर'त्यायर्केट्'य'स्यात्या बेधवारुवाया ने स्वीति विष्या स्वाया माया के नुवायवा पर्व सी निर्मात्रमात्रभाष्ट्रमान्यमा है नाने प्यान्त्रभाष्ट यम्याग्या क्षाप्ताप्ता क्षेत्राप्ता हैन याप्ती स्थापित क्रिं सिर्मे त्रिया निया क्रिंच स्रीया स्रीय र्टामीम्प्रचर् हैंग्रिन्यंकेर्ट्याकेयानुस्यायश्रास्ट्रामीर्थेस्वर्

नर्द्रा मुदेर्भेन्ययार्ट्यो अर्गे या ये निहर्ष मित्र स्थया कुर्मे रे बेरा ने पर्व रेवि ब्रुव नु पश्च प्या है द्वर गुपा अपने व है। पव ने रे र्वेव च डेन क्षेन देवे चर दु माइव माध्य माध्य च क्षेरा दे थे मेश द्वार में या लु नदै'दर्नेद'भै'भर'न हट'नश'भाषुग्राश्चर्यात्रेत्र'में प्रभश'या नहट' हे हिंद' ग्रैमाप्रेमियान्यर में श्रुम्य न्यान्य मान्य मान नबर रे लेब नगर नर्झे ब नबा नर्ड रे में बार्स मुर न ब न न र रे । प्रथम्। स्वाप्त्रम्। द्वित्राचात्रः भ्रित्राचात्रः भ्रित्राचात्रात्रम्। त्वाप्तात्रात्रम्। त्वाप्तात्रम्। यम रे मानद लुषा यथा अके यम मानद है। ल्या अह्या न्या देश यर्गा रे र्चेत्र'त्र'चु'दमायद'म्बद्रा अ'र्चेत्र'त्र'नदमा'यगुअ'यश'नदमा'न्यमा'या'अर्केदश' ने'वगुअ'ओं विष'चुष'यथ'वर्दर'चर'कर'चु'चर्र'केर'ये'विग'वेंद्र्याने। हिंद्राण्चे श्रेमायर्देन मासुद्रशान्या द्रयाद्रा मा हारेद्रायार्थमा गुप्तये यसेना सुरा प्रथम् त्राच्यात्रक्षात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्र्यत्राक्ष्यात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्य नर्द्रभेषायुगान्वेषाद्रषा नर्द्रभेषानर्द्रद्रायात् वृग्रायदेषे कुषावेना र्गमुट्यायया धेर्मेयाद्यदार्यान्यो देखायद्यार्गम्यीयार्थाप्रव्या सायनः र्भे में हैं या दृषे ल्या केसया मर्नेग महमा क्षेत्रा मही मह करा सामुया कर के मेहा। नर्द्रार्भेषटाभ्रुकेरेटाया द्रमायदेर्केषाणुटाद्यमाषायानुस्रायासार्नुद्रा यदे पर दु मान्याया केंद्राया स्वायाया साम्याया स वर्ने स्निर् डेशमासुर्शित्रा है। सर्शमुश्यी केंशमार दर्य ने स् सुमाश्यी र्मेलानवे न्या ने त्यान दुः वेंदाना धेन है। वेंदा खुवा दुः या या सामा स्थान यबाबदबाकुबाणुःर्केबाद्राणुदासुः भ्रेमबाणुःर्केवायानुः भ्रेगेर्देदान्। वदाया

बद्यामुबायान्द्रायायायात्रमुन्त्रवार्स्ट्रायमात्युमानवार्दे। संन्द्रास्त्रेता मानायानीयानीयान्त्राचानाम्हेरे भिष्टाचालेगाचयात्रात्रात्राचीत्राचानाम्हेरा णुः र्हेन् यदेः नग्रायने प्रयासुं क्या रहेग र्हेन् या केंशा सुंग्रायनुसायमा त्र मुरमाशुरमा वेशमार्थेयान्या पर्वरायेशमास्यायानीयाशुनपर्वेनपरिये १ नित्राचार्ता क्रिंतायाषुर्यासुर्यायाञ्चतार्त्राचे निर्वासामान्त्रासीटार् क्रीं नर्भश्वत्रात्वातान्विदे नर्द्वत्रात्रात्र्वाता अर्दे दर्गेत्या रादेशायर द्वीया यार्स्मायमायम्या उत्तर्भे कें मामेन मामेन मामेन प्रति प्रमा देवे प्रमा देवे प्रमा देवे प्रमा देवे प्रमा देवे प न्नर सेंबाबाब सेंन्दर द्वानर गहेंबा की का निर्मान की निर्माण की नि नर्दन रेपि क्रुन दु मार्थिय नर्या नर्दन रेपि दर्गे दर्थ या वियान्य दर्श के क्री थे नेशन्तर रेति व्यथाया सुगायळ्या विराष्ट्रिन रते ख्रा उरायते वेथायर यदा मश्रम्बा द्रशः सुर्वाणाः भाषाः म्वेषातात्त्रम्बारासुर्वेदावेदार्वेदावेदान्यः द्रम्बारासुर्वेदावेदार्वेदान्यः द र्त्तेव र्ष्णेट्यक्यायम् पशुपाया सुविययम् द्वान्य विमायतिमात्रा विश्वास्य प्राप्त क्यामर र्रोद्या गायायानीययाक्यासरामाद्यास्य स्वीतेयाङ्गात्रास्य क्रास् माश्रीत्यायया सिमानित्र प्रायायया माश्रुया पार्से रायस्या माश्रुया पुर्वे रायस्य माश्रुया प्रायम् माश्रुया प्रायम् माश्रुया प्रायम् माश्रुया प्रायम् माश्रुया प्रायम् माश्रुया प्रायम् प्रायम् माश्रुया प्रायम् प्रायम् माश्रुया प्रायम माश्रुया प्रायम प्रायम प्रायम प्रायम माश्रुया प्रायम प् नबाकुम्पदाळवार्द्धमायान्याचेमाची युपायाक्षेत्रान्या नुदायहेन महिशाण्चियायम् नुप्तराम्या ने यायम् महिशाण्यायां प्राप्तराम् वहमार्थार्भिन्वावरुमार्मीमासुद्या रेक्यानुदाक्तामीदारुखेदानि वर्षाने चर्चर्यामुदायाचनुम्बान्या क्षेत्रचर्डन्यम्बायामद्यायमः चुबान्या द्वाप्त ग्यायाम्यापानु प्रविवाधाने। योषेराहे स्रीनु एक् पाहे नि । सुप्यतान्ता नि नम्द्रियात्राम्यार्थम् स्याम्यायार्भत्यात्रीत्वत्या ख्रास्ट्रायाम्यायाः स्वीयाम्यायाः ग्रायानु प्रात्वेषाया है। यार्षे रात्राप्यान् ग्रुट्यान्दा में र्रे र्रान्दा महायार्थेषाया

र्येते स्रेट नारे रे स्या हे नात्र न स्या द्वे सद्य रेश में द की स्यापस्य वर्दमा वेदावसमार्थनार्थायादमवायाववीत्रम्भा अविभाग्यवीतात्र र्ने हैं या दृष्ट्व द्रवानया में दायन या शुरानया ने वार्क्य या नर्गे द्रा द्राया ठक्राय ठेग्र स्वाप्त्र चुट्रा दर्गेक्र अर्केग्र गशुंश चे हेक्र चर्ड्ग्र यदे स्वयंश्र मुन्नम् रेंदि द्वान्याद्वायात्रार्चेद्वाययार्चेद ग्री पर्द्वायाययार्केर दे र्स्ने पायर युरा र्वे क्रें या दृषे र्से वा सरायुराया शुरायया र्स्त र्से वा दें वा विकास वि विकास विका नक्षेत्र'तु'कत्। ते'मार्श्रेश'शश्रुत'त्रश'नक्षत्र'स्य सुर'स्य स्थाल्याक्षे नठन्यम्याम्यास्यानम् भूत्रात्रम् भूत्रात्रम् भूत्रात्रम् भूम्यास्यान्यान् गित्र केंग्राचबदायादे या शुष्ट्य या देशादा मुया शाचिदायर शे हिंगा सुया डिमा डेबा नापर नस्या ने या दृष्पदा का मे। दामाले या स्वाना स्वानी प्रधापन मद्यामशुप्या गायायाने यदे लया त्या हिंदा है दर्गे प्यापा हुरानम्यार्थे या ठैमामाशुट्यायान्टा ५:१८ वर्मा घ्यया उत्योगस्य श्री स्यायम हेमायया नक्षेत्रया नमयक्षेत्रमयिन्यम्मेशा यश्चानोक्षेत्रमेशकर्षेत्रस्यादम्म र्शेटमीयन्त्रम्युर्सेटविटयर्षिरम्यस्यत्रिम्भी मटविमारीयत्रस्था डे'यतर'षेर'याक्षे'तेर'यारे'वर्षेर'यायमार्थेरमासु'वर'यर'वसुरार्दे ।रे' व्यायान रेपार भेरवयमार्थे। विन्यायार्थम्य परिकेश पर्शेत्र पानी है। में दमे पदि दर्से भेद पर्ते लिक या दमद में ह्या या इसमाया यह का या थीता र्थेन र्त्ते बुट्याया द्वाराया र्वेन प्राप्ता क्षेत्र द्वाराया क्षेत्र द्वाराया राष्ट्र व्यासीया क्षेत्र व्यासीया व्यासीया क्षेत्र व्यासीया व्या भ्री निश्चायात्री । मार्चमा उरायह्मा यात्री या यहाया द्वारा प्रा

र्टरायामासायाने यसाझुराया ने भूरा है यदा सी सेससा नेराना ने ही से सिरा र्हेग्रायपियेश्यास्याञ्चर्यायाधेवार्ते। । । । प्रायपियोधेशाः । स्यापेश्याः । स्यापेशाः । स्यापेशाः । स्यापेशाः र्शेर हेंग्रायदे मेशर्य प्रेरायया दे श्वर्यायया देशा हेत्याय पर्यायदे नेयारनाण्य सुरयायाधेन में। विश्वेर मेंग्यायदेनेयारना येदायर स्वा वर्चेर्यायवयाम्यारमीयाद्वयायरकी हेनायायायाम्बर्गा माया है केंयायस्य उर र्न या भेर केट पीर पा ग्रेर या भेर या पीन ना १ अया सु र्सेट या घराया उर्के द्व रेटा भेर्भा नुप्तर के वृषाकी विषय है प्रद्या मीका के बारा सुन यमकी वा भेरायाकी वृदे क्षमाना रे मैन मृत्र ना भेराया वेरायम यशुमारी <u>| इक्स्पन्द्राधित्रायाचेत्रायाकेत्रायार्ख्यार्यायाच्याम्मन्द्राच्याक्रेशा</u> न्युन्दर्गेशको सेन्यके सूर्ये नुष्य प्रमासेन्य रहा चुर्या सेन्य रहा सुराय रही र्हेग्रायरप्रयुर्ज्ञ चर्मुवाचान्या रार्रेचान्या वर्षेग्यवेनुश्रासुवयः द्वायाभेदायमाद्वभायमाधी हेनाशायमावयुमारी। । । । प्राप्त वर्षी श्रीमा र्हेग्यायायेत्या इस्याये हेग्यायमा यह्मायये व्यययायेता । र्दर्भ र्से निम्ना गुट पट द्रमा यदे से से र हेत या से द द के समस्य सम उद दें में हैर सेर याया है भिरायहमा तुषा र्सेट या हैर सार्सेम्बायायर श्चेयाया श्वेट्या यम्भीत्युम्यार्वे वर्षे । क्षेट्रायाक्षेत्रयार्केन्यायुटात्वायायेत्। यथायम्यमा तक्री प्रथमां प्रथमां द्राप्त क्षात्र विषय । उत्तर प्रयम् । प्रथमां प्रवास । यदे में त्यायया के क्याय में मार्च म ५८ १५६५ । दे नमान अप ५५ मा यदे में में मान यदे में मान स्वाधिक है। व्यमामी भूट न मुट नशेट न प्येक की । दे नशक क न न विक दु शे नुक नुक शे उटारी । प्रमायाद्यायीतायाचीतायाभेतायमार्थेमाचीयावमार्रेमासु प्रमाया ५८। वशवारुरायाष्ट्रेयामाहीत्रायमाहीत्रमात्र्यमा हेन्स्यायायामाहीत्रमाहीत्या

दे'नब'क्'अट'दम्'यदे'बें'सेंर'हेंगब'यदे'वेब'रन'ण्चै'देंक'देब'यर'हेंगब' यदे द्या दर्जेर यथा द्या गर्य मुर्ग द्या वस्त्र वस्त्र वस्त्र हिंदा यर हिंग वस्त्र हिंग वस्रमा उर वियायमा प्रमुम में विद्यामा सुम्या सी । यर्ड में पि विया द्या हिर र्देन हेन नगरा माट मुया यदे याँक गुन गुट अके दानगरा र्वेच हेगा हेरा नगाव नश्चा यदानेवे अके दान्या मुक्ति स्रमान के मारुमा के दारेश ग्रैश र्ट्टीट अकेशना यर्नेवा मुर्चेन या द्वापिटेन या अअकेश यदे सुन दुर्हेन यम् भेटा यहमाश्राण्णी मिस्राया यहिं या यह दास्त्राया विद्यास्या स्थित स्था से दास से द ब्वैन'य'यहद'य'धेना क्षें'गशुभ'कत' स्टायगमा'न'र्ख्या विभय'धेना वि'य' भेराकान वेरायवेरभकेंगायम्या येर्पायर्रमायान स्वाप्यास्याप्यास्य बेंबबायाधेटबायाबाबकेबादायबायाम्ह्या केंबाद्यास्य हुति बर्वदाहिता नेयान नेया र ना धेना क्रेंन या पर्यानया र दिना मुख्या या या या स्वाप्त प्राप्त या स्वाप्त प्राप्त या स्वाप्त प्राप्त या स्वाप्त प्राप्त स्वाप्त प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व मकेश शुन्त्रान्त्राम्समाग्रुमारीमाश्वनाने। द्विनारीमार्डमार्डमार मक्रमाने। मामह्यामार्मेग्रायमाने स्मान्यामा पह्नार्झे प्राप्त ग्यायमा मुबायराग्रेग प्रवास्त्रप्राग्रेग रेगार्ने अपूर्व मुश्राम् र्ययार्चिट्रा, मैश्रास्थार द्वा, २५, यह वा, ची, य, य, दे, रट, पूरा, मैश्रा, यह वा, ची, न'यरी'माहेबान्धुन'नर्गेबाने। रेबाग्चेबायह्मान र्सेन कुं बाबकेबायबारेन के हेया ने नया कर मे प्यायहें मा या में अप्यामेश यहें मा नमें या है। में अप्याम है मा मैश'नमें र'भे' तुस'य' भूर' स'र्ट 'यें 'र्ये न'य' अट 'र्नाव'ता यसस' उर्' सष्टित' याक्षार्टी र्रेश हिनायायुरानक्ष्मायती स्वर्भान्यों क्ष्मा क्षेत्र केन क्षेत्र के त्रा से प्राप्त हो।

टेट्र हेन्र भेन्या मुख्य स्वामुन्य प्रमुच्या नेयास्य मुख्य पासुयाया नेत्र। र्देन अर्देर पर मेथा केंबा श्वेंद पड़ाया पश्चिया पर्श्वें अपया या दें वा वा सेंबा प्राया वा सेंबा प्राया वा सेंबा से वा सेंबा से का नर्वेर्यायर विना यर र्गायरे क्वें रायेर यर यर यह गरे त्राया रगा लट्रियानप्रितेश्रास्याण्येश्रास्यास्य श्वीट्या सार्स्यान् स्वीत्रायायहाया नश्चन्या मुन्दुह्य अर्ज्यायाया हैया हैयाया द्यायायाया सुन्य म् वस्याद्याः अष्टिन्यायः देनायाद्याः विषानु वस्याद्याः वर्षाय ह्माय्य हे स्र त्रम् हे हे स्टूर केंग्रायायम्यायर हे यदाया नुयान माम्यायया वर्षा र्श्वेट क र्ह्मेनाय हे प्रके का यह या मुया महामानक मी सुक सुमार्थे माया पा है वि मु र्डे प्रायामुना र्वेट प्रामार्डमा सुया स्टापा प्यटा की स्वाव मालव मी र्नेव क्षामा प्रा त्याना प्रदश्कोत् देदः वनश्लेश स्नाया न्याने केश ग्रीश सदश मुषाया नभूरायानहना भ्रेम्सूयायाधीमा नुदाक्ता येसया द्याया के येसया उन में 'र्नेक' र् र्रोभया नक्षेत्र न्यायेभया उन् मी र्देन क्ष्र र नुयान्या र्वेनाया नया यान्या वश्रश्चर्यात्राप्तरायरायश्चर्या चेश्चरयाम्ब्रुश्चर्याम्ब्रुश्चर्या भेनेयाची केतानयम्या भ्रीनाया स्थायाम् हैया भ्रीती तीती तीती तीती हैया स्थायाम्य मुबाण्चीयायायम्रियारासहरायदास्त्रीयायायात्रिरायासासूरवाणाच्यात्रास् मुबाम्नानायाधेवायमासुटानुः साव्यामसुट्यार्थे। । दीष्यटासीयेस्यायादीः र्सेटा ५८ १५६वी । अप्रमायमार्गे अप्यार्भमायार में वाप्य के बाने प्रमाया र्मेम्या ने प्रयान अर्ने शे के कुट लेग प्रमानस्या ने मन्यान ए स्मा अर्घेटा र्वेन्यर भेर्या गुर्वा हेन्या या भेराया श्रीतायान्य दे स्रार्वेन्या या पेर्वे रुर्देग्यायाययग्यायिता येययाहासात्रात्रीसुर्यात्रात्रीसुर्यात्रासुर्यात्रासुर्या

भ्रेषायमम्बारमा क्रियायमया उत्तर्भितायी भ्रेतायी भ्रात्माय विषयमा र्हेम्बास्त्र-तुस्यम्बुस्यसे द्रीम्बास्यम् सुम्हो र्हेस्य-द्राम्बास्य वनायाः वद्यास्य सकेश है। वैद में द महिश्रास केश सम बुद प्रवेश द द मेश प्रह्मा स यमार्थाने। क्षेत्राययटारे स्रमायम्बाबाबियासकी यात्रा स्रेत्रित सेत्रायमार्थाः यम् श्वाप्तर्थानु यो है। यो हिंगामा हैर म्याप्य स्ताद्वार्थी। दे म्याप्तर्य र्थि वयान्या नुःन्दामी र्केया देना उरायह्मा सके या देया र्केया र्सेट्य सुन् चर्णाया शेशश्र है हिटा हैंगश्र है शे मार्शम माब्द है हैं दिसें पठ दायश क्रुंग.वीट.वेच.त्रर.ववीर.वर्श.वर्स.क्र्रंट.जा.ब्रिट.पट.स्रुंशशानुच ट्रेट.शेंच.कर. क्षानामास्य ने देशनान विदा हुँ नामास्य रेया मुर्चिमाया विषाया केंशा र्श्वेर्प्पर्विश्वयास्य में अप्यानेयास्याम्यामस्यापान्यम्या र्से र्श्वेर्याया वयश्रेश बुद दु 'प्रचेष प्रमा मार्श्व कर दि में दि 'चैं प्रप्रम हे 'सें क' माट दिरमाट केंबा चु चा इसवा ग्रीया चेंदा समय मिया मुंगुर या दिरा रेगा या त्रुव लिट रूट र्नाय प्रायम हो केंब में नाब प्रायम र्नाय लिट वय प्रम शुम राया मुंग्नरमुंअवयायरर्यापुंग्नग्याया मुवार्ययाधुन्द्रयापे। वेंर्द्र्यावया र्दु'अम्बर्'यब्यम् निर्वायाः अस्य स्पर्वे केंबाम् दायाः अद्याप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप चगाद न्व द्रम दु मार्थ व्या चगाद मार्डमार्थ के मो बिच र्स है मासुस द् मक्रमान्य प्रमान्य प् स्यान अकैश है। मर्ने र है न रम सुनम में या महरा के यें र महिमाल र र्से न इस्रायायायायम्य विद्या दे त्राया द्वापात्र मार्च्या विद्यापात्र मार्च्या चलेटबानबासुरामुननापुगबा चर्डन रेदि शुगबादमें ट्याम्यानबा

सु'र्ने5'एन८स' वसस' उ5'र्केन|स' स' ५६'। एन८स' वसस' उ5'र्केस' स' न बुट' नर्भेशा वट र्सेन चै नुर्जं न्टा नर्जन से प्रमाय करा है स नक्ष्म मृत्वरुग क्षेत्र न्यें क्षणायाया वैष्याया के बाबस्य उत् वे बावस्य ग्रीया नन्मा केन सम्मान्त या सन् स्वी केंबा ने हि हुम यम्बा सा विमा यो मीमानी न यालुबायबार्झेबार्नेबार्न्टार्यान्यस्वबान्बन्यस्वार्यस्वार्यान्यस्य म्बिम्बर्ध्यस्त्रित्वेद्याद्याद्याद्याद्याच्याद्याच्याद्याच्याद्याच्याद्याच्याद्याच्याद्याच्याद्याच्याद्याच्या नर्सेमन है सेम लुयायया सेम रेमानराय समयान समानिया ने दिर वन्यस्त्राम्ब्रह्मस्यवेष्ट्रस्य क्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या यानिक फु दमोबा सबा देवे 'देंब 'वर्गया' पु 'चे 'है 'बा दुवे 'दर्गे दबा साया यहें दारा र्मेलानाच्चरानरार्देग्रायायेर्देन्द्रायुराद्रार्ट्यायायाय्योवानराद्यायाय्या नान स्थयान्यान्ता ने न्यार्क्यायर्षित ची मेन स्थानमुख्य न सुन्त्र मानदासे। रेटासुतायार्थे रेपानसामया पर्नुन सुसासी नामनपर्मा सुमारी र्मुरासर सिट मिट्ट मार्च कियर दिया विया पर है विया सुना पर है विया सिया है या पर है विया सिया है या पर है विया सिया है या क्रांत्रामाशुर्भा यम् र्वः वर्षामा सकैभया सुते र्झेश केम है मु स्थाया म्या प्रयाति, पर्दे, के कि कुर्यशाना मुन्ते थे प्रचान देवा सेवा मुन्ते क्रा बेट श्रीया रे'रे। र्श्वायर युट प्रमुट प्रमु अर्द्यय भी प्रमु रे रूट मा या इयय प्राम्ट वनारे रे या द्यापया पत्ति । र्वना हेया महिया द्या द्या क्या क्या हिया महिराया हैं मु इ थ या रे रे या नवा हैं मु इ थ था में बा खुवा सुमा रे रे मुन र मन् वबाक्षाकेंबान्यायम् अर्दायवाही यापादा देवाके यायावा सुन् ग्रीबायर्वनः

र्ग्स्रियान्य्रियाम् अञ्चास्ये क्रियाण्ये प्रयापाया म्यास्या क्रिया क्रिया में प्रे र्डन्द्रान्य र्वा चर्त्व वेग्राम्य म्यूच वर्केया दुः च हुन स्वा सुर वेग्या या या स्वी प्राया या स्वी प्राया स र्चेन'यसम्भार्तित्वाकाकेसाने। सुदेग्ह्रन'यदेग्द्राचार्च्यान्सानी सेंर्डनार्काचा र्रेट र श्वेमाया गायाय में या सु से मया चैया मने दाया न हर क्या सु ना से प् मंप्रत्यामरावर्ष्यभंदीयभायवायव्यवाक्षाक्ष्याक्षा देश्ववाकरामभा गुः त्रयाश्चरयार्थे। । केटाटे प्रदेश प्राप्त व्याप्त व्याप्त हेर्पे । केटा देश प्राप्त व्याप्त व्यापत व् मूर्यानपुर्यंश्वाशायात्राच्यास्य वित्रा चित्रभयात्र वित्राचित्रभरा वर्देना मनुदायदान्यार्थारेवियाराष्ट्रमान्यवेगानावानावाना विदा विवेषा न्नर रेंदि नु से शुक्र रुष मानेम्बा ग्रीषा यदी सर्वे र हेक ग्री स्व स्व सर्वे र हेक नर्डमायदेशम्मायानस्ता नेदेर्रायामुणमाचुटा अर्केन्द्रेन्देरायास्य गशुभार्भेरायाचेदाउँदा। शुप्यदेषाउन्दर्शपर्योपादेशाभर्वेदाहेन्यमु सः नमुन्दियार्भेरानामुंशानेगानेरानान्या नर्द्वार्यादारेष्ट्रार्द्वराणदेगासुदा मुगमायमा कुट दुर गर्नेया यर यने दानमा में हैं हा हुन पर्देन दुर यह रायमा ष्प्र र्दर प्य ने अ के ' ह ' र्चे क क र्र्यु न ' द र्य क ' य र्च्च ' य र्च्च ' य र्च्च ' य र्च्च ' य र्च ' य र्च क्षेयायह्रात्रम्य प्रविद्वात्या श्रयासु ने पर्यम्या क्ष्या स्वात्या स्वात्य र्त्तेवर्धे विद्युरेदा नर्दवर्धे या नर्से नदे में या द्युर हेदे नर विद्यो स्वाप्त व च्चेर केट चलुम्बर या है की की में मुंबर चीका कार्य हो। युम्बर मानुका यका देना वा तक्तान्यक्ताः श्रीत् स्वान्यायाया सेराचरादेया स्वयासे सु भी नेगा चर्च र्स्रिन्यक्ष्यायमा क्षाम्रमाण्चेयातुः मेटार्झ्यम् कुःमीयमया समानगुमा यनः निर्मान्यस्य प्रमित्राचीरा स्थानि । स्थ

र्रटाचर र्शेट विश्व वश्वाचर मिट रुर्चेश हेते खुम्बार वश्व खुट्य वश्व व्या न्या र कु'मायम्'अकु'चुट'चम'र्द्रमायान्यायुमायायाचे'चम। र्त्तेन्यह्ट्यायागान् में या गुया नया र्त्तेन भेर वर्गेया ग्री लवा श्रेरमाव मार्यया ग्रुया नु प्रचार करा श्रेर सुरने मुयानुः सेन्दुः श्वम्याने रापाय उत्। शुन् करा स्रारास द्वापा प्रमाय विषय ब्राप्त निया के बाद माने माने का निया के प्राप्त के माने किया के प्राप्त के मशुभायमा महिमाञ्चामार्थेना महिमायसमाशु होमा महिमाञ्चया न्यक्रियार्थे।।।।परीयम्यावनयानम्ययस्यित्।यायेन। य्यासुनियर्दनः र्ये दगुट र्वे पर्वे त्ये के के के के के किया मान के मान के किया मान किया म श्रीत्रमाहत्रत्रवाक्याश्रीत्रमेत्रातु क्षाकेष्य प्राची ल्याकेष्य श्रीत्राव्य स्मर अ'र्ट्रअधुक्'यर'द्यद्य'णु'र्केश'यणु'यर'र्म्विष्य'क्या त्रुदे'अर्केर्'म्वस् र्या मृ खुट विर अटव बट दिट केंश विषेत्र केंद्र क्षुद क्षेत्र केंद्र स्वाप्त केंद्र स्वाप्त केंद्र स्वाप्त केंद्र र्श्रेयाप्विकर्षुः अर्हित् द्रययाच्याद्यस्य व्यवस्य अराधुक्रम् श्रेष्या व्यवस्य विष् यमामदारु रुषा ग्री अर्केन या केन यें प्रिले पर्यम्यान्या वेंन ग्री हे र्सेन प्रेंट्या गुै'पस्या गुै'मुक्'पर्ह्मेन एक'गुै'र्केनायामार्थना यर यही यर्केर हेक'केक'र्ये निविद्यान्त्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम्याद्रम् द्रात्यम् ग्रीया व्यानियम् यहार्या व्यानियम् वर्षा यायार्श्वेम्बायस्य निमाद्या नृत्युः स्टेष्टा सर्केन् मेन्यु सामेद्र्यायम् निम् ञ्जमारामेदे भे रिया की भेंगायन ने नया प्रमायस्था उत्तर्भ क्रा प्रमायस्था उत्तर क्रा अर्केर्द्राह्याद्रायस्याने। याराधायदार्येरायो द्रातं र्याद्रातं सुवायाया र्शेम्यायपे हेन में मेन पर्य में नम् हेरे केंद्रे चर क्यायेट मिद्रे हेट क्या

याप्रच्या देवमान्डम्येपेलयानमा टायीयमामेमाणीप्रमामाद्रमा याष्ट्रेन्'र्न्न्यम्बाष्ट्रम्भि'रु'न्म्'अर्द्वक्रं क्रां मार्नेम्बायायवस्य उत् स्या डेगा डेया नगाय नस्या भास म्या है। यन व्या स्या स्या स्ता स्या स्वा स्व नगाय नश्चराय भूराधेत है। या ठेगा ते नेरा न्या न्या खुगाया श्रीग्राया सुवा ाय देवा के र श्वापा पट में बार्च या सुया करा सर्चे र ह्वा ही प्रया स्था के कर्षे हुटा देरदर्गेन्सर्केनानीनाहेरयायर्भेशन्या गुन्तहीयसर्केदयात्या सर्वेद्रायदे मु नवट द्व पुट नया नर्द्व रेवि लय द्या द्व राष्ट्र स्ट स्ट स्ट र के। वात्रबानेरान्दाखुनावनुवान्बा वात्यबाराङ्ग्रमार्ड्यावबादनुवाद्यार्थार्थेन यानेबायगायायस्या बार्स्माबागुन्य रेहे हे खनाबा देन निर्पात्र पानेबा यमार्था है। हेंमार्थायस्य प्रस्था कु दे प्यर्था अर्थे व प्रस्था प्रस्था व स्था व स्था व स्था व स्था व स्था व स उटार्देरामकैयायायायायायां वियास्त्रम्पुनार्द्वायाया गुम्याद्वायाया सु'य'यस' वस' में स' र्डस' यद से 'यर्चे मा यायस' भ्रमा 'द्रदान रस' यादि से ' रमायार्थामायुष्यान्या प्रयाभीयार्भ्यान्यार्ग्यान्येत्राय्या अष्ठभाष्ट्रे भेर्या चुनाक्ष्रभवार्थे। प्रिक्यायर्का यमाचुनाकुना चुनाकुना चार्याया अर्देकाया नश्चिमाने। विदायागुनार्वेदार्चेरान्यमार्सनायनदार्रेयानुमार्नेयाक्षेमार्थेरा नलगारीटासर्केरामानेरार्जेरार्जेटा। यटास्ट्रमानलेकासर्केराह्यानवटाटकानुटा नमा नग्नेन धुना यन नार्चना क्षममा दे नमा नग्नेन स्त्रा नग् त्तु नाया अर्दे हेते अर्केन या नष्टी या है। बिटाया गुना खुरामा निमान या अर्केन या नुद्रिद्रार्यद्रा यदास्याविकासकेदास्यान वदाद्वा नुद्रान्या यदानानेका धुमायनमार्डमाञ्चममा देनमाञ्चेनम्ब्राम्य ह्रामायन्य । मक्रियानचीमाने। यदामक्रियानवदादम् चुदासे। रदारदामीयमासु दर्गेदशः है। चेंद्रत्यदशः ह्रेंगशः धुगायनः गशुशः हुशशा केंद्रः याद्दः अर्गेन्यं यभार् कुरायाया कुर्वा वा केर की दर्वी वा है तुर्वा वा वा वा वा विवा वा वे दिया वा विवा वा विवा वा विवा वा विवा ५८ मु नश ५ के न न सू न शे ५ में श पर में ५ म ने माया न में ५ न श न माया है न के'न'यम्बर्भा सिन्ये, कुर्मा सिन्ये, स्त्राम् स्त्राम विवास तर्रवास ता ती ती सम्मान नियान कर्मा ता ता नियान मिन्न मिन्न नियान मिन्न नियान मिन्न नियान मिन्न नियान मिन लयायद्यात्राचिरायग्नीरायग्नीरायग्नी लयायर्याषरास्याल्याया गुःषियः दुः यवेषः विषा यगायः यस्या अयः सुं मानेषाषः ययः र्वेषाः दुः र्वेषाः स्टिः नवर में 'र्जेट' नवर 'नर्गेटश' सु 'र्जेट' नवर में 'माश्रम' नश्रीस स्था मुक्रअ'र्स्या'सर'माद्या दे'या'स्रद'चुर्याक्यारया'मेर्यामुया'स्रुया'र्द्याव्या'मेर्या गर्णेन नर्भेमा ने में नाया नरमाया नया र्चेना भ्राम्या के स्ट्रासुग स्ट्रासुग नर्भेशक्या संनिट्लिक् नुरख्यायाम्बर्टाटक नुट्याक्यासु के नर्द्व सेया हेशनु उत्र न हैग्राश्री । कें र्सेट न वर्ष भें प्येट न वरे न नु तार मा ग्राया नः भ्रम्भागम्भागम् । निर्मानित्रः भ्रम्भागम् । निर्मानित्रः भ्रम्भागम् । निर्मानित्रः । निर्मानि रे'वडन्'व्यापर्गेत्यार्थे। । ने'व्यासु'नेमा'वर्डव्'र्ये ® या'न्वत्'वसूरावर कर्निश्चर्यास्त्रें व्याधियः देवा की त्या से विश्वास्त्रा चिराया से विश्वास्त्रा चिराया से विश्वास्त्रा चिराया नट र्शे श्व ने नवट नवट नहेग्या दे क्या प्रवट्य र्थेट्य में या नव्य रि गड्टाष्ट्रेश्चेटाचर्द्रायाद्वरायाद्वरायम् राचरात्वरायमा वार्डमाद्वरोक्षात् भू वर्षार्थेव ने प्रवर्षा ग्री केंबा की पेट प्रवास में वास प्राप्त में बादा प्रवास की वास प्राप्त की कार्या में ब क्टानर्द्रभकी पर्वेगानाने। र्वेनणटायनाभ्रापन्यान्तिन्यानाभ्रा वर्या भेव वया वटा त्रेव माशुस्राया विस्रामा ५८ 'यया विस्राया कुटा यउसा वर्षाक्षे क्रियाचर्षेयत्राच्या क्रिया क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्रा नुर-द्यदानभूरायार्त्त्रेक्षसद्द्यायानर्भेयायाय्यद्यायागुक्षानु केथानन् ।

मर्शेयानमा मुयानुमार्वेटाटमाभीर्वेटामरामुपाना नगुटार्थो नबियान्य न्यान्य स्था श्रीना गाइना ने। यन या नबिवानु योग्या या वुट नश्यर्य देशयेग्य लेश वा अहेट संभिष्य सुर्वट के नश सुट सहिट ल्य ब्रिया यह माना वार्षे । किया स्री है से वर्षे व मय मु यवेश वर्षे मि म बु मूर्य में अपि मुयारी देवे विया क्या वहार न्ते मीट के में दें मी मी के मार्थ है। यह मार् नर्डमामी लेश नगाय नर्स्या हे र्रोन नर्सेन सर्हित सामन या देश स्था सुरा न्यमार्वन्थान्युः समार्थमार्थन् रहेशायशा मेन् ग्रीशामानियाशीर्मेट प्यशा दे न्तः नार्यमान्त्रेन्यास्त्रा नेयास्त्रा नेयास्त्राम्यमार्मन्यः विष्यस्य र्दे न भूम केत र्डम निगान हैगा में नियानगाय न सुया ने या मुटा मानाया नर्डे नकुर्रेषर्रेशयम्। नुर्रेष्ययायायायायायायाः देवायानेवा देयायायायस्या र्त्तेन में गुन ग्रैयायके दान्या मुयार्त्तेन गुन ग्रै में मिर्या श्वेद दाया शु ग्रैद प्राया क्षावट क्रेंट प्रमायुवाकी मर्केया मुदार्समा में मुक्ता माना देस णुटाश्रुमाबान्त्रामाठिमान्यरेमान्यदेग्रेबान्यत्र्रेबान्यत्रामुम्बेराङ्गराक्षराहार्यबा विवायकेवायम्बद्यम् अम्बद्यक्षावय्यवेदम्सु वर्षाम् वर्षाम् क्राम् म्मायाया देवा या विवास टार्चेयाया ५८१ वर्चे में स्थया विष्मायाय कथा है। डेमायायम् म्रेन्टि डेमायायेन्मायाया यहाम्यायम् यहाम्याया वेमा विदानवें नाम मे प्रतिविदानवें भेरामा नुषाणुदार्गेषा भेरास्या गर्डें में दिन्दे ने में हिम्म मर्ने आयम्ब मरे दिने मर्ने अद्व में मर्ने मर्ने मर्ने मर्ने मर्ने मर्ने मर्ने म के नेम दर में राजें नानर्रेषा द्वा होरानर्ने पश्चा परिष्ठा द्वा परिष्ठा निष्ठा हो नाने परिष्ठा देवश्रानायश्यक्षिरावश्रामु भेयायम्भा देवश स्वाश्यासु द्यायण्या हे भूरक्टान्डिम्बायस्य एट्टायसम्बायास्य मुवार्से देखार्थस्य स्था

र्श्रियासर्विरानासहिता अन्यस्त्रात्तीय सुमासान्साम्यात्त्रात्तीय स्वाप्तास्याम्यान्यात्त्रात्ता मुक्रपर्देग्रथायाद्या रायदे। स्थादे। स्थादार्ची प्रवेद्यायायार्थेग्रथायायार्थेग्रथायाः स्था भटानु अही रवानु वृत्यवे अहवाबरा वर्षेत्। वयह अधिन केशाविक नु सहर्पयापाप देव के पायम्यार्थी दियाय्य स्थिति स्था सिमार्स्या से पर्वा क्ष्रां या मार्य विष्ट्र या विष्ट न्ययाची प्राप्त क्या क्ष्मा वा प्राप्त क्ष्मा विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विष्या विषया विषय सर हे 'क्ष' में न 'ग्रैस' मुं तुंब मुस्रा नव केव 'में 'नमम 'ग्रै 'में व 'मृस केंस' ग्रै ' र्त्तेन र्ये केन र्ये न में भागी मन रहा र्ये दे क्षाव हा या न ये मुना न साम मान न्यान्गु महेग्यान्ने द्यापाळ दायदे द्यासा हेदीलया द्यापाय सेयाग् दार्ची रैट या पर्दन में या पुष्पान समाया मुख्या धेन है। युग्या द्या दुग्या ध्या प्रमाय । निवेद्यायाद्या मेंद्रायनद्यानदेशनायायमेंद्रायाद्या भ्रायानदेशनाया न्ममान्द्रमान्द्री यनामेशा इस्राणीशायायशा में में सहिता यायशामा हैशा ग्रेशसहर्। वावशम्ब्राम्यस्त्रभाग्यहर्न्यस्त्रम्यस्त्रहर्। दशम्ब्रुभागः दुबामार्डमाया चेदार्दे लेबा यगाय यसुया दबा श्रुमाबा दबा यमा प्रमा प्रमा प्रमा स्वा मटामिट्रेटाचरानुबार्खां क्षांबार्मेटाद्रा स्र्रास्ट्रिटाकरायाप्ता टाक्षा पटाम्यत्यालेमाचेरार्रे लेखानगावानस्यान्या मुप्तगरानमार्टा नयार्था ५८१ विके ५८१ वे खुवा ५८१ वे दुवा हो नर्वे के आवश्या वस्र ४८ व गुन है। मुदे ह लग आयय या निया नीय या नर्या न्या देंन उट देंदे नर्वे में माममाना विमान्ये पुता श्वरान सूमा र्यो का प्यंत्र प्यंत्र प्यंत्र प्यंत्र विमान्या सू ना किमा ञ्जमार्या कुमार्या क्रमान्य पर्दे में द्रमान्य पर्दे में प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प परि प्रविषाया वी र्श्वेर प्रविषा में विषा प्रविषा प्रव

दे'र्चेद'मु"नर्डद'र्येदे'ब्रुम्बाद्यान्यु'क्षायद'मी'नर्जे'मुद्दायायाम्बदानालु'ना ५८१ देखाम्बर्द्याचर्यस्य विषयः नभूरत्रार्थिः १ निष्टा र्थि १ नया दे 'यो हे 'या सुया नया यो हे निण्य हुँ या ग्राचिग्राक्या र्सेयाणुम्मादार्यदेग्रह्यद्वार्ट्यायार्स्यक्राक्ष्यासुम्बद्धारम् हेन यय दासहेश वर्षन सेंदि वागय साहन न दसमा यय दाय है मारा नशा नगायः र्ह्येम् नम् निया स्ट्रिय स्ट्रि रुषकेशप्रक्यायमार्भेग्यश्चा दाम्बादये तुम्बासुस्य चर्त्राचेये सुमानुष्य तुपा में अकैशपशा भे हे न मे हिंद मर पर्दन में दर द्वम अध्या अहम न भे खुया 5्नर्यत्रेत्रेत्रम्भगर्वेद्रा र्ह्म्यूट्राचेद्राण्चे नर्यम्भान्यस्यान्यस्य कथायायन रेषा बेरावयारियों ये शुंदायदे मुयारी यथा दुःगुया गुरायरी नर्द्व रेवि सुमा मृ सुवा लेगा रेखा तु वो मार्थे र मार्श्वर में वी मार्थे र विदा वी गर्भर मेंग गर्भरायें ५ ५ पार्च में ५ ५ पार्भ राम्य प्राथम में १ १ पार्भ राम्य प्राथम । वेंटा वार्श्वेर्यवेर्मुवार्यामगुमायरावर्ष्यर्यान्टालवासहवा वह्मातुः म्नीट कर्ने पर्वे आवश्यापया प्राप्ति श्वावकाया श्रीवाश्यश्य पर्वे पर्वे श्वी देवा पटाम्बुस्सेरिन्देनाकायम्बदासम्बद्धार्मानुसाने। देन्न्नेषुद्धान्यमा तसम्बारित सुन्रस्थिमार्स्यायमायम् नुस्राधियार्केयार्स्ययमिन्रस्य नगवर्नेमके नमा रें मेट रें हेवे द्यारु स्या में भेवे सुन रु न में ने नुम नमु र नमु ५ सुया हेर केंद्रे सु ५ ५ ५ केंद्र स्याया ५ ८ नमु मुक्र मार्श्या विद्यासु मर्शया भुम्बासदासुरार्सेटाकेनार्याद्वीयानुदार्स्यानुस्या नरायटाम्बुसार्शे समायश्चित्रा हैटावटाम्बुअप्नैटार्टा बट्यार्टा मी प्राप्त चुत्रा है। रगु र्षमा र्नुषा मु भैनष गु र्वेन द्वा द्वा प्रमान्द्व द मी यविर र्वे नर्भेर है। रन र्नु चु द न

केन में निलेश मार्ने न दूर केन में नुनान्य याद्य परिके न्य मी सुमाय प्रमा ह्नेंद्राया कु स्वेनबान्य दुर्णे र्डबायमें कुटान्य व्याया वात्रावा कुना की स्वाया ष्ट्रासर्गे यत्र रेट नते अर्घे द रें गरेग निर्मा निर्मा में या त्र न में निर्मा यापर्मेद्रायाष्परात्रशाद्यांशास्त्रशाची नदे ना के प्रस्वाद् नदे नरा नुषाया युन्दु नदे नदे द्वा केंबाय दर्गेद् भवे द्वीर ने नविन मने मुबाय दे मुनाय नया सक्रमान्यम् विषयायाया क्रमायायाम् विषयायायाम् । न्गर रेवि स्न र र हा केंबायायाययारी र र खें कु व की स्न र र हा यब से बा की न्यायदे क्षेत्र्यायीयाया स्टाष्ट्र्या स्टार्स्य स्वाया सार्या प्रविद्या सार्या प्रविद्या सार्या स्वाया सार्या स बद्यामुबामु द्वारार्थेर र्चुन न्या केंबा द्वारार्थ मुम्मर दुमाशुद्यायाधीन यमा दवदार्केम कु'द्राप्तारार्येदे खुगमार सु'मान्ने मान्ने मान्ने चुदारे से सामावा नस्यान्या नेंद्रास्मार्त्ते र्रान्य सुनायाम्येरानस्रान्य व्यापी सुर्त्ते नात्र निर्देश वात्रारा है। यात्रारा वेश वात्रार्क निर्देश मार्थे वात्रारा वात्रा वात्रारा वात्रा वात्रारा वा यान्त्रम श्रानान्ययान्तरम्या तस्रम्ण्यान्। नृता श्रान्याधेयास्राह्या र्नेत्या र्डमार्रेयात्रेस्यायळ्वाप्याय्याया मह्यसम्बर्धार्यात्र्यायायायाया नश्चन्यभ्यक्रे में हे नियम में जो क्रिये के नियम मुख्य हुन इत्याने। झानसुराम्याम्याद्वीत्रानुयान्यासुरान्यास्यान्यास्यान्या चलुमार्या पार्टि । चेर् ग्री खुवा कार्येर पारी मासुर्या स्वामी प्रेरी या खुर्या साधुरा ग्रयम्भूष्यम् । ज्यास्य व्याक्षाः क्षाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स् श्राम्यान्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्या गिन्नायायन। नर्दनार्योद्यायाके नशास्त्राश्रह्मा स्ट्राह्या मृत्राष्ट्रायाया सुवा

नमा वें दूं नदे लया नमा नेंद्र प्रनद्यामा नुवादगाद नमा कराया यहे न नमा र्भुट दर्गेष प्रथा देर रच रु र्भेन परी चार चिन दु च में दि र वर्ष प्रथा कर यदे'यस'नमुद्रो'रूट'लेस'गर्सेयानस्। गसुट'नलेद'से'नमुद्र'यायाटस'लट' र्त्तेन इसमा पर्मित्र सुमा करा होत्र प्रवेश प्रमा लुलेश सुमा हेरे या र्वेत् सुत्र उटार्यामृ वृदायदे मान्तर प्रायमेटा। स्यामृ वृदासायमा समामित्रा स्याम शुं चेंर्यर योजा में बाबोर चेंदि इन या हुं चेंदि युबाया अर्घेट गुट दे या हुया चेंबा युगासहिता वटार्स्नेन गटागीया हेना सुया नया सूना सुगा है। सुग स्वा स्वा सुया ग्राटासुमात्वन्भीमान्द्रा मेंद्रार्थेद्रशाहेते मार्यटाद्रस्याते व्याप्ताते में वर्षात्रक्षेत्रम्भवा स्यावृद्धरेरेयावयद्याव्याप्यस्य वर्षाम्य कर्युयान्नराव्यान्यान्यव्यक्षिम् स्याचुरामीमिश्राक्षन्यारुन्याविष्यान् ट्रैबाक्बादेवे क्षादेवायाय द्वापु वार्षेया क्षे में हिमायवे केंबागुकारमा हु चुट'यदे'अरुक्'अंकुट'रु'यवेक्'र्केश'र्र्ट'यक्षुक्'क्श'वेक'रु'यरे'श्चेर'यर' सहर्म्यशह नगाय द्वेनको सुया नर्रम्य प्रमा द्वमा द्वार स्था नर्दन से दर्मेन 'न्या में श्रेश' सहया दुर्भा चु' प्रमाल 'न्या स्वारं स्वारं स्वारं में निर्माल 'न्या स्वर न्यमा ब्रेंट ब्रे नर्छ नर्मु न नर्छ नर्मु न न्य क्र में स्मा मिन न्या मु 'ख्या नु ' द्रमाद्रद्रमा मुदेगाम् र्यो प्रमाय ४५ प्रमाय मान्य यसम्बर्धाः स्था स्वीक्षान्त्रा स्वीक्षान्त्रा स्वाप्ति । स्वाप्ति नरप्रयास्त्रम् न्याद्रीत्रवाद्र्यासर्दित्रे। मुदेर्गेटासुद्रेशस्यामुहेदे मर्स्यायमामदाद्वा वर्षम्प्रिमार्स्यायमामदारेग्विद्यास्याम्बित्रा देवै नम्पु रायान्यस्य में पूर्वेत्र ल्टाम्ब्याया है याप्टा त्राप्य येष्टा सम्मूटा वया यर्नेट है तुरे मातुगया चुया में ट तु द्ये दु प्यव कर दु सुरे द्यमा थे इ्टबाया देखन द्रार्येदाणु द्रमगा भे द्रद्रमायदेखनदा सुमा अर्थे पर्स्माया

न्यटानु भुगूमा १८ में प्रत्या नर्येत लटा है भूम नुषाय देगा है गर्या है गर्या है गर्या है गर्या है । माशुकारु अकेशाने। मार्डमाने मुदेगोट मेदि से म्याट मी अरुन रु हे मेट प्रापी गठिगार्गेटातुर्वेर्द्रेरेरेटायादीवार्वे। विद्वार्येवावतुवावाद्वटाद्वारवातुः व्दानायास्यान्या कनाश्चिनार्क्यान्दानस्त्रा ननदान्नोप्तन्त्रायास्यानया र्त्तेवावनार्यायादमयायावाक्षेयाद्वादम्याद्वर्ये द्वाद्याक्षेत्र हिंद्रायानेवाद्वादेना यशहेदे क्षेत्र री बट सुँत हेदे नगदे र में ट्या या गुर न सून या या र धुद र्यो रमार्नित्रास्यास्यार्नुतायायस्यायास्यायायाया हेराण्यास्याक्षास्याक्षा ग्रिंग् हेर् द्राच्यायम् चुयाण्यायम् स्राम्बर्धाम् वरायम् द्र्यायाया र्या मृष्ट्वितायायाय र नेवेशाय बिका मुष्या अही ना स्वाध्याया विश्वायाया र्शेम्बार्यियम्तु। वर्षम्येषार्वेद्वायम्बासुग्वर्षम्थान्या स्वा मु चुट याया अदय बदामा ५५ वर्षामा शेर बदान या उत् मी मार्चिमा शामा द्वारा बटार्त्त्रेन' इसराया प्यामा क्षान्योया उत्तान्ता क्षेत्रया साम्याप्य केषाया उत्तान्ता। ब्रेटशर्सासम्ब्रित्रक्षा मायटाचासुमासुरक्षा बामानुमास्तरम्ययारुकासः मान्द्रान्या के के विषय मान्या मान्या मान्या के मान्या के बाद्या के बाद्य के बाद्या के भेषाणु र्युम्बान्साम्बेट्यायदे र्स्यान्य प्रसार्थ र प्रमास्य स्थान विमार्याण्याम्बर्भेह्रास्थ्याययमस्यानमार्यायानमयानाणुन्धेयामेनायन दशक्ती हैं दारा देवा या देवा या देवा या के का मी से का साम हैं का से दाय का मी हैं का से प्राप्त का से का से का र्वेट्यानेम् र्धेन्या हैटान्यान्या नेयायानायान्य केरान्यस्यानया नेया गी'ग्रां मुंश'यम् बेर'नर्म प्यां अह्न कें नर्म प्रमा दि रना मु वुट न

ता.भद्याम्प्रतिश्वश्वात्रवा.भक्टा.२४.हूँच.यर.वैद्यात्रवा.वित्रवा.वृद्या.वृद्या नगाय नर्झेश क्या सहिन से नरहा दासक कर प्रते स्वा मृ वुष्य या सहिन गोर मुद्देन अहम अहम अंदिर के अपनाप न सुया दे निवेद मुख्य विषय मित्र मार्थ मार् भ्रमास्ट्रित्। नर्द्वायवेगारु नमुषायषादर्गेवाषळेगानमुदासुताद्वात्वस्य यायार्शेम्बरायदे केंबा विश्वराशहर यथा वटार्से करमा याया रामाया स्थवा में या गुया तया केंया विसया निवा निवा निवा में यो या गुया तथा ने वा में ता र्यं विस्त निवा में अ'नर्गेट्य केंब्राचिम्बर्धिक्षित्राचेन्य वार्डमान्येर्यायाउन्यास्याचेन्य णूटा मुद्दाक्षाश्चराम्बद्दासार्केशायाद्मायाच्याश्चेदायहेत्राने केंशाम्बस्यार्थाः ग्निग्नेम् ग्रद्धारायायार्केम् अके प्रया दे प्रवाकेत्र में केंयाया द्यार न'न्नर'के'नश'र्केश'प्रिया'भीमानेमा'नेमा मेंश'नुया'क्यार्केश'प्रियामानेमा' यदे क्षेत्र स्य पर्ग है। यम केम पे प्राप्त प्राप्त क्षा मन्य प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र स् रुमिर्शयान्या करायाके घटारु लुयायया नमकेन या प्राप्त भूमया गुर्भेगा स नर्भून'मार्भागुन'मर ब्रुक्'स्'नर्दक'मर नुबाहे नगुबा हे अवगाह क्षेत्र्य गर्डट्यार्यापृष्टुट्या हेट्याकेन्या र्नेट्यायस्यान्यास्यान्या र्चेन क्षेत्र क्षया १ अया या निष्य हो स्रोत्र गुत्र अर्थे में निष्य के क्या ये गुत्र ग्रैभार्मी तुरमार्थेयात्रमा र्डमार्से भ्रायेत्यात्मात्र तमा वर्षा पर्वता स्वापात्रमा कट. चार्च्यात्रस्य अप्याक्षेचा. ताय देश. चेश. खेया. क्षेचा. तर प्रमेचा. क्ष्या. क्षेचा. त्रा. ची. स्'नच्चैशन्यानग्या र्नेन'यनम्यार्केशयाम्यम्यापानु च्चैशन्नयशास्यार्ने रेकेंशयाम्बनायशर्त्तेवर्धेरावर्षेशवशा वर्वर्धाः विद्रासायुर्वरावर्वर में दमु विश्व कि द्वार विश्व क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्यम्बाग्री केंबा सहित्या पर्दे सुरायम्बा लेबा लेचा मृत्मर्वेया यथा यर्द्व येंबा

क्रिंशाम्रियायविवाद्याया देरारयातुः मुद्दायागुवाम्याया माउनायाश्रयाश्री माउटा माउटा माउटा माउटा सार्थन मायार्थे सार्विसया स्था से सार्थ वेश नग मुं श्रुय प्या र्तेन पे गुन भी या चिन प्र में भुन र अ र्येन प्या प्राप्य नर्द्व'य'गुक्'च्चै'अरु'र्से'नग्नम्य'र्से'अर्के'नया नर्दक्'र्ये'नेम्'मी'सुट'र्येर'र्सेट्य रेर में यह ग्रैश श्रुर पश्चर परि पर्से खुश है। सर्र केंश ग्री ग्रुय से सुर दिया पर्यायाकेन सेंदियार्गे श्रदार्गादासुना स्रेंदायार्थेद्या शुःसुयायार्हेन्यायाकेना या यय ये के अमार करा अरे वा अरे मि प्राप्त में रायुषा के बाय श्रुर परि मु विम हेरे युम्बान्स न्यान्म निम्बान्य हेम्बान्य निम्बेर युम्बान्य न्यान्य निम्बान्य विष्य विष्य विष्य विषय विषय यालयार्श्वीसम्मुयायमासुरा सूर्णीसम्बद्धार्मे, बम्रार्थन् सुमार्थन् नि मर्शेयानमा केंगामिसमायासुं क्षुन् मर्शेयानमें ह्यायान हिन्या सही पहिन्ता ट्रान् ने प्रयाद्रभे रूरायळ्यया पठटा न्याह्या हापा पश्चरा प्रया प्रयाप्त या र्श्ता के से हिं किया तथा वार्ष प्रति कि प्रिटा टे श्रीया या बिटा है त्या के यिषा है सि माशुट खुमाश क्षे मेन नित्य शुमार्थिया मुति मेन नर्थे अ स्न प्रयाप स् यकी मास्टामी हेन वि यस्टा र्सेटाया श्रम्या श्रम्या सेन ५५० प्राप्त प्र प्राप्त शे'म्वस्थाम'के'खुन्य'यस'न्द्र्यामी'चुसस्य'म्वेटस्य'क्स'न्ग्राट्यामी' मक्री मान्य विषय देश देश है स्थान स् वर् चुर प्रथा रे पा पर्व र्येष प्रश्न पुरावशा प्रपर्वा गुरु पा क्ष श्रम् शे बर्या र्श्वम्याया चुटा परी रहेयायम मेयायम रहेया यथा भीनेया बेरा दया के बेर प्रायमा अविश्वाया माठिमा श्वित प्रायम के शा रे रूपा मी के के रूप प्रायम अव क्षेत्रविचानात्त्रमान्यन्यक्षाक्षात्रम्यम् निवान्यम् निवान्यम् निवान्यम् निवान्यम् निवान्यम् निवान्यम् निवान्यम् ल्लामुन्यस्टानरानुया देवयायामा इरार्देटयायामा इप्सटानरानुया देवया

मुन्नार्थेर दें द्रश्वशमुन्नार्थ सुट प्रश्चश दे द्रश र्वेद खुवा दु देश न्यार्भायान्युनायायाय्याययायान्युनानुयाने। सुमायार्भाने योगानामार्भा स्मास्ट रुः स्वापट प्रयानयां स्ट्रियायनम् । देः सामनन् नः सुमान्य प्राप्त स्था वर्षना विषय में में भूगा ही खिटा दु वहिया वा वर्षा से वा भीटा सूराय वे गर्देर'यारे'यन्त्राण्णे'सूराययन्यार्थेन्याने स्नन्यरायठन्। ने'सायठन्त र्वेद्रातुः भुग्ने भे र्वेद्रायाधेना सुद्रार्थे न से स्मान्द्रायो प्रवयायाय द्राया र्थेर्'य'रेवे'नर'नडर्। रे'अ'नडर्'क्'र्वेर्'य'र्यव'र्वे'क्रुक्'अ'कर्'यर'र्वेर्' नःधेता रे स्मार्भेर मार्श्याणे अह्मा अन्तर्भूवाना धेर् यारे नठर तथा नर रुप्तक्रियार्केर् हेन चुयायन्त्र रेथायरुर्न यर्न येप्तस्याद्र हेन ये रेगाया उन कुन भक्ता पर रेटा या धेना इट र्शेट श्रेन सु सु नग सेटा श्रद्धित् श्रुद्धेत् (11)मार्डेश क्षेप्य प्रमान स्थान ने'या'ह्रबा'न्दामाल्य'में 'र्थेया'न्यम् मुन्यां कर्यम् रेद्दामा येदा मेर्पिया वा वश्रयाक्ष्यां वित्राचेत्राचामान्यां व्याचेत्रादेश वित्रादेश स्वया स्वया वर्डन्त्रम् वेन्णुः कवाश्चेन्यमेन्यमान्न्सेयर्नेन्यायेत् वेन्णुः स गुरुष्यभग्रन्थान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्य नलमा है। नट हों के दायदा दे दुमा धेता कुमार कु सदाय राज है। निर्मा कि स्व न भेर प्रमार्केश न्तृन पार्ठ वार्वेट । वे उमा न र्ड्र पा वस्या उर हिसायर यन या केंश या भू न कु द न र्यया ना केंश विस्ना मिना रेश मो द न शा र् तें द रें। नर्भेशन्यानर्द्रन्यावस्याउद्दर्भायाद्द्राया ह्यायावर्षेत्राद्रायान्त्राया

गुक्रायास्त्रपानु द्रारा स्वापानस्य विषया वर्षेत्र देशाय पुना प्राप्त वर्षेत्र वर्य वर्य वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्य वर्य वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर र्श्रेमा निर्मा स्रिम्या केर क्षेत्राचिमा क्षेत्र चना स्रमा समा समा निर्मा निर् ब्र्मिश्रान्त्रक्षापटाग्रम्भ्राप्त्मा श्वरानुष्य मुक्षानुण्यु स्वराध्याया लम् श्चेता सम्बन्धर तेत्राम श्चरम् सम्मन्य विषा त्रीत रेप दर्प परम् नर्दन भेंदे चुम्बास्युमिर्दन मर्बेयान देश बेश सुम्ब नुन रेटम् अन सेश ग्री थे मो या न इया प्रवासी राज्य न इति । यह वा मी न वा मी मी प्रवासी मी से दिया है । यह वा मी मी प्रवासी मी मी प्रवासी मी प्र नम्पर्ने रे. ह्रासीयात्रातसीयात्रात्रात्रात्रीया श्रीयात्रात्रीया श्रीयात्रात्रीया ब्रूटायार्श्वेम्बायार्ममायाउन्याटास्य पुटायदे म्मबास्य ए पुत्रा स्व न्युण्यु के में र जी नरे क्वेर जात यहार नर में या है। क्विर से र दर्या यदे प्रमय चुर्यात्रया रार्धोकेदासुम्स्यापयायायात्र्यात्रयासूत्रानुयात्रया हेदाल्या वर्षामात्रु नार्द्या त्या नेरावेषा निर्मा विषय निर्मात्रु स्वर्षामात्रु स्वर्णामात्रु स्वर्षामात्रु स्वर्यात्रु स्वर्षामात्रु स्वरं स्वर्षामात्रु स्वर्षामात्रु स्वर्षामात्रु स्वरं स्वरं स्वर्षामात्रु स्वरं स्वर र्चेम द्वरे द्वर मर्थेन याचेन याया नर्या ने न्यायने दायरे न्या ना नरुगान्यानुराध्यायेयायम् भी नदायगायागुन कन्। र्हेन गुदालदायालदा मीयाभ्रायाचेययासुग्वस्यामीयिकस्यान्याभ्रान्ते।र्नेटानुःस्या रायदाभ्रायरा क्रिंपा देश पक्षे प्रथा प्रथा पर्या भू भू भू ८ र र या ग्रीया भ्रीया तया भू भि ट र्स्थिया दु । इत्यायम् मुयावया म्यारे सेत्र रुदे देयायन्य प्यायर्व से से द्वारा मु र्णुयायम्राम् भेटायाभारत्यात्राम् स्थाप्त्रात्यात्राम् स्थाप्त्रात्यात्राम् स्थाप्त्रात्यात्राम् स्थाप्त्रात्या न्वण स्र हैते देना नया मुला सेया त्या सर्वेट नित हना रहना सम्य स्वाप्त द्वा निया नमा भुर्षुर र्वेन नमाभार्वेन वेरा भुर्षुर र्वेना भुरिषर ही भार्त्वा माना नेया मर्शेयानमा देखम देख्य चेया न्यूणस्य केरी न्यूम्यामदा नुष्य नह्म भ्री प्रमाप्या चुम्या मुवार्या नम्रामे नवि में प्रमाय स्त्राप्य स्त्राप्य स्त्राप्य स्त्राप्य स्त्राप्य स् त्व्राप्तिया व्यावाया विवाया विवाय

यानिन्या नर्द्वार्येयाम्बिम्यार्टाता येतीन्यारानुययायायेराञ्चमार्द्यारी नम्ना भें अनुन रं ना भ्राप्तुन भें पर्यापायाम्य माना म्राप्त वरा भ्राप्त वरा में पर्यापायाम्य र्चर्रस्यालुबायवा सुटाबेरा चुमबायाबाबेमबाबुासुबा हैं मर्केराचेरानुबा मर्थेयानानम्नास्या ने रे रे र्डमाधिन नैया क्षानुण सु ने रहर में राज्यस्य ने मैक्'रु'योग्याचेरा गुर्ययायाञ्चर द्राय्यान्यान्तीय गुरु देरे देर प्रवायायाः मर्शेया वटायमः र्त्तेवार्श्यायाकवाषमः वद्गाविटा स्नेतास्स्रीटा सुँदा चुर्यायया वर्डन र्धेशम्बन्धा र्रिट्टिन रेडिट्टिन बेटा भ्रुष्टिट र्वेट व्यक्त याया थी वर्माक्षार्त्रेषार्ष्रकार्वेरायया देर्जुमाधेदाययाध्यमार्वेरायाम्हिमाद्वूदा। देर नमार्या के माना के स्वाप्ति स क्यास्ट्रेन र्याका न्याय क्षार्थ स्त्रा स्त् विया के खिंदायया सेदाना स्वाया से मिया स्वाया स १यानवे के यस मुन्यू विष्यमा १ न क्ष्या के वा क्ष्या विष्यं के या सूर्य स्था विष्यं के या सूर्य स्था विष्यं के य म्नीटायट्यालेयानुम्मीटायया न्ययाची रेहि क्षेटाहे क्षेत्रात्या ने याच्यया नममम नुमायमिर निरम्भ यहीया है माने मान में या में या निष्ममा बर्भेन्यते नुबाना वर्षम्यी न्याने विषया विषय यालेगाणुटाक्रेशा श्रेटागठेगासानगदाबेरालेटार्से रेटागे प्यामी गूर्गिग न्याया ग्री र्रेहे द्रा के मार्डमा तस्द्रा स्था हे में के नमा ह नमा उन्मार वर्षी बेसा ह नर्द्वार्यायायुगानुनायायेवाने। हेगावान्वग्राम्याय्याया र्रामेटामीयामाया क्ष'वर्मामी बेरा वर्षमधीमार्यया मिर्टे हे चुट वासर्वेट वसा समें मर्थे मा र्रियर विर नेर क्या गर्या यमा वर पर प्राय स्व प्राय में अर्के प्राय में हेन गुरान्या पत्नायापि सर्वार् । र्यया शे में हे हा प्रवाय स्यास्या से या

युगान्दार्थाचेन्र राज्ञानालु यस्त्या गर्ध्यायाचेन्र राज्ञायाचेन्र स्वायाचेन्र स्वायाचेन्र स्वायाचेन्र स्वायाचेन बैक्रस्यायासुनापुः स्रुरार्डाका अवेनानर्ग्याप्यायका अन्यान्यायापुनास्य मुयार्था क्षेमा उत्र ने भूरामार्थेना पायनुन प्यामालेर तमार्थी मुप्त प्रेमा केरा मैलार्स् निमास्य ताल ह्या नया टार्स्य मासुस मैसा मान्य प्राप्त स्था पटा नार्स्य मासुसामुसानस्य सुसाने स्वरामें द्या देवे दर्गे दसाय वमेवा नारीमा ब्रबार्दरायाद्या क्षाब्रबाबायाव्यावायाचेता वार्ष्ठमास्य केंबाक्षात्रात्राच्या से नर्केश चुन चुन प्रेम क्षेत्र नेम क्षेत्र मान्य कर्षे प्रेम चुन व्यवस्था स्थान नर्या ज.ज.के.सट.पैट.प्रा.शर.वैटा ज.ज.त्र.चेट.रशर.त्र्यालर.वैटा नर्राणामानेरामीशासर्वे पर्मिरासायामान्रायमा कुपानेनान्या नुसायसा हते र्शेया से द्वा नेर सेर होंग स्वाया मालु पसूरा के दान क्या वेया द्वार से नुप्ताधित बेरात्र र्योद्या देदाययाम हिमादत्या दे देया बेतायाया द्वार्योदा श्रीम पु । भूम शर्शिया म्याया अर्थित म्यायी मार्चिया प्रायेश भ्रीया ची । स्रायार्थेयात्रयायायर्थेटाचरार्वेरावेरा वार्डवातारी वतार्थार्रे रेट्यासुया ब्रियानयामाम्बर्धानमानेमा मासुमार्येटाचायरी न्यायी हे हे वे सुया याधीन्यमादेशा वद्गायश्चरार्दे बेमान्याम्यादगुर्याम्यार्वेदाद्वास्रीन्यसाद्यया मिर्नेहे अरुक्र रुष्याम् प्रमान्य दराद्यार मिर्ध्यापदे क्रा रुष्ट श्रुवाद्रा नु में द जी खुवा या यवना दगार खिट कुट आ गार्ड गा गी गार खे वा गु खु खु खो नु श वर्षाभीयत्वा भर्देवायाभर्देत्त्रा यत्यायार्वेत् स्वत्ता ययाम् स्वरूषा मश्रमात्रम् न्याप्ययास्य मुवार्यया केवार्यया केवार्यस्य केवार्यात्र न्यास्य मिवार्यस्य नुद्रमी द्रस्य भूण सुरो क्लें न्या मार्थ द्रमी मदी द्रमी मार्थ र म्या

वि८.६.चन८.६८.मुष्रेश्मातात्री ह्या चर्याचा चन्ना हार्यमा ही लूचा चन्ना वर्षान्तित्वाषायासद्यायसेवायमार्थेटाचासर्वेटाच्या देमायासळवाव्या नम्मन्यस्यायम्यस्य र्रम्यार्श्वे नेम् रेषानेगम्य देषायम् अर्घेटानाम्बन् इया श्रेंच नर्येन अप्ताव्या चर्डन या श्रेंच केता क्या येंच केंच चसू नया यदे वें मुबलिय मुप्तम् द्रायश्व वें न्याय द्वाय देव या देव देव वें या दें या देव वें या दें या देव वें या दें या देव वें या दें या देव वें या दें या गिन्धाद्रैबायबाखेदायायगायकदाणुदाबार्यगायायमाहे के बेमा वर्द्धन्या मह्यसम्प्राम्बाम्बार्म् न्याः स्रोतान्याः स्वाप्त्रयाः स्वाप्त्रयाः स्वाप्त्रयाः स्वाप्त्रयाः स्वाप्त्रयाः स्व द्यानेया क्षेत्र प्रमा ह्या क्षेत्र क्षेत्र प्रमा दे वा विषय क्षेत्र प्रमाने वा विषय क्षेत्र प्रमाने वा विषय क मे अप्यमुवार्यवे नगवाष्ट्रिस्या श्रीस्या द्वारायवे से गार्वे सके नया होता न्यान्यायासुर्भेना वर्ष्ट्राचायो न्याया स्थाप्त्राच्या स्थापत्राच्या स्थापत्राच स्थापत्राच्या स्थापत्राच्या स्यापत्या स्यापत्राच्या स्यापत्राच्या स्यापत्राच्या स्थापत्रा वनरमुन्यर्वेद्रार्थेवे सुन्धुम्म सुन्मे वनर रावर्के न्यासर्वेट है। छेट देख क्षेत्रेर देश यथा सर्थे पर्वा बेरा दशर पर्वा पा बन प्रश्ना पा हिर पेट टमानुषायाद्या देदावदीत्रवद्याकीत्यामाञ्चानुषा देवा बदाञ्चमाञ्चेदायवा वायर्सिमीयामठन्त्रयार्मेरामयाने हे हिन्हराधितावेरा यन्यामये केंयात्रयां थे रूट यायम्द मुबायबार्षि द्राया क्षेत्राद्या प्राया ची से हो बेर पदी खिद पर्याया श्रेमिश्वामेयाचीर्मेवरम्याचारचिराचेरा देमारावर्षादेशस्या राह्मियरे यिनेट र्ड न ट न स्ट मिर्ट प्याया न स्व या मासुसाय देन प्रेट सके नसारे गुन यदैराद्युदान्यवदैःगर्हेदार्डमाचेरान्यार्थाः हैःगशुभायन्यान्यार्थाः मारार्थेदाकः भेर नेरा रें है मधुभ परेर धुर र्देट य प्यय र्वम पुष प्यय स्था चुर है। यह र रहा र्दरक्षा प्रम्नह्रमम्बर्भाव्या द्वा द्रिक्ष्य ग्रेमेट मीट प्रमार प्रमास्य र है न ने प्रतर पर्दन या ग्रेन ने या केंग पर्ने नग प्रवृत या प्रिन गुन् ग न ग्रेने पिर्दे क्षेत्रानेगानुत्रायमा वि'रादेदात्रमानामीत र्वेटानमान्दरात्रमा है। र्वेरा

त्राद्याने अके अप्राप्ता यदगायद्या मुयायअया उदा ग्रीया स्यापु द्वादा द्वा मर्शेया शट नदश यर ट पर्दे नश प्रचुट न भूर चुर न रे द्रमप्र बेर नश मार्थे दमो प्रचुट मोश्रायम् से पुर्शा मर्डट रच माश्राय मुश्रासूच दस्म पुरा क्या नगे र्द्या ग्रे र्र्थ्या या र्यमा यया श्रीता प्रायत में या स्वायत स्वायत स्वायत स्वायत स्वायत स्वायत स्वाय देन्द्रश्याम्यान्त्रस्यस्य व्याप्तान्त्रस्य विष्यान्त्रस्य विष्यान्त्रस्य विष्यान्त्रस्य विष्यान्त्रस्य विष्य पर्ने पक्ष न पक्षेन यम हैंग्याय चेन पर्मेय चुयायया ए प्रमे हीं ए चेन पे बेम ने'य'ख्य'न्त्र्य'सु'न्मे'र्सूट'न्दु'स्रवत'र्मन'रु'न्मे'र्सूट'ख्'न्मेंस'रे'प्ने'स गशुभायशभेरार्रे गुशायशा पाय हैए मी केंश छिरा छुटा यारे पर्केया केंग न्या ने नर्या न्या मुद्रे न्य हेते र्केट प्रमुख्य न्या मुर्थे हें हे के ना यथ मु पि.सूट. बेब. तथा टब. थू. परेंचे त्या केवा. त्या केवा. तथा तथा तथा हो था. यसेता देव णूट प्रशासित भी माना चुर्वे ने रावशा से विषय में विषय हैं। निरागो सर दर ग्रे सक ग्रु निर्देश में श्रें र गाँ श्रें श विद क्या में द ग्रें द गो श्रें र मारीभार्टा किया हूँ भारा तर्चमा है। रमो श्लिट रट रच विटामालक प्यटा भटा र चुर्यार्थे। दिन्द्रयार्थे त्या सूर्यया सूर्य ५ ५ ५ ६ १ मुस्य प्रेया सुर्या सूर्य ५ ५ ५ १ मुस्य प्रेया सुर्य स्व विटा है। भावतारी तालुबारांबा टाम्बा हिंदा बेचा वर्डे बाह्य पद्या के लिया न्यामुद्दर्भ क्षेत्र यदे स्थाया स्यामी यहमाया न्या येसया उन्नार्थे द द यहमाया नक्ष्याम्बुट्या न्सुमानु न्मो नाम्यया करो ईसाया दर्मम्या मिनाम्बुट्या क्विंट प्राप्त स्वाति स दशर्थे 'स्यायश्यायंत्रा आवत्र में 'तेत् प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य र्येन दर्गेश पर प्राप्त पश्चिय ये पुरापश विषय या विष्ट प्राप्त स्था विष्ट प्राप्त हैश यम्बिनायम्भेत्। र्वेन्ययम्बन्यास्यानयम्बेत्रानयम्बेत्रानयम्बन्यम्

यामन र्ना ग्रीया निया रेया सुदा श्रीत व्याया मुत्र डेश'म्यामाशा मुअ'चु'कुर'य'पर्द्धत'कुर'डेश'चु'पर'म्यमाश'र्शा ।अकेर'माधेश' भ्रम्यश्रार्द्धम्यान्यार्क्यामान्याम्यार्भात्रा त्यामार्द्धमाय्येयामान्यानुया वया गुर्भा गुर्भा मुभाना निष्मा निष्म मश्रम्या स्मयं मर्शेयानर माम्बारायया र त्रामान नशुद एक्या नुषायया भूनया विवाही छो। मुटाश्चमारुम्पर्यास्त्रीटार्यापरी बेरायमा सुमास्त्रीटाश्चमारुम् सुपारुम् दुबादे र्जं न प्रचुबान र्झें बाया प्रायम् प्रचारम् मारम् वाया प्रचारम् वाया वाया करान्या गटायटा बेट्रा गर्वा प्रमाप्य प्रमार्थ कर ग्री के बेर्ग के नर्द्र मा बुग्य मार्चा स्र उता न्यावनयमिटान उत् मुँ न या न्या न र्रेया नु औटा न न्याया स् वहें वावर रेवे हे भेग हगाय पान्य सुद्धा हिए वे ने माय है हैं न प्याय से रे र्धुन पत्रे में शस्य मुद्रासमें विवया वर्जुमा दयन प्रहे वर ग्मायाययायहें वा वकेनयायवायाया सुरावाकेवाया मुकार्या निवार्श्वेनाया बटाञ्चटाम्बरानु नामहैबाण्चैबासूँगानेबायबाबीने नवे निमानमासूमाबानका केन पर्नेना ने महिशानेन मुंभेश रामके पार्थेना मलुद केन सेंपि इप्योपा न जना भी नमा भी नमा निष्या न निष्या न द्ये क मिल्माया क्या थिमा कुटा के दावा या स्था या दे र से का मी या विषय से गाउन स्था या विषय से मी या या विषय से म गुःहिर र्विदेश्यामार पर्मा है। देदेश्यर मिन्योमाय र्वे अकत नर गुः येमापदी नप्तमानेरान्यार्भ्याम्भराद्यायात्रेराद्यायात्राच्या न्यर्भे भूत्र कुष्म्ययान्य यावन श्लें ना कुष्मात्र सुन्य स्था कर्यस्य प्रमायस्य

ग्मिषा र्वेर्प्रप्राच्या ठ्या क्रिया चामाया विष्या प्राच्या विषया वर्मे सुराद्युराम्हराद्याम् स्यात्रासेरायार्थेम्यायासीयस्यात्राम् यम्बर्गाद्याप्यस्यास्याच्या मुस्यायेषानुषानुषान्यस्यापस्याया र्भेष्य हुन्। ने या मुर्ग से साने साम्या द्वारा विस्ता वा यस या। सुसाया यो ने सार्ने स्त्री मी सा यसमा वर्षेटायेमेशर्येन हमा वहसान्गराया समामे द्वाषिस्यावहरा मान्या अपन्य मेन केना में में द्वारा प्रेंन मना श्वर में दाये में या प्रदान में र्द्धेन र्रे हे नियद धुम मर्डद या र्वेद मिनेश रय शेट मे मर्डद या यम यहे नगे नहेन गरेग सम्मादित्यार् ना यम नुः हा ही सम्माद्वा प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान भेगर्दर्म्येगर्थेम्यर्थेम्यया भेदायदार्त्तेम्यासुर्वनम्या भर्देश्चर्द्या र्चेत्र'यश'दे'वाः र्ह्यायाः येद्र'यमः मानाया चुट घट माट प्ययाचेम द्वामी सु घुट र्समायाश्चिम्रास्ट्रिमामर्जुमासर्ज्ञास्या स्मार्ज्ञमामानुषामदेशस्य स्मार् नर्डन र्रोबाञ्चात्रात्वा हो दार्के दे पर्देवा मादा धीवा देवा या सामा से बारी का से सामा से बारी के साम से साम नमा नन् डेवे हे भेग नर्व उत्रक्षण या ग्रामा ग्रामा विक्रा स्री है से नमा बटायरे केंग्रान्दा सुटायमाया मुर्यामादा रेवे प्यया मावे क्या में से प्रथम उदा त्री माममान्यान्यसम्भाष्यदेगानान्यस्य महिसायन्त्रमान्यते प्रवेषिष्यमाकन्। म्बन्भम्यानु बैटाटे मान्या वर्षिम् यानम्यये न्दा स्वत्य वर्षा ननु डेते' हेर केंदि सुगान्दान्तु मुनायसया उन् गुर्का ना ना मुनायस्य उर्'नु'सुर्'णैब'रुपा ग्लु'बेब'णैब'र्नोर'बार्टिर'र्गु'य'ग्नीवेग्ब'यब'र्नोद् र्द्र-मुरामादायरमाञ्चमाराद्याङ्गीयरायराज्याः स्त्राम्यायायाः नुषाक्षासुरावयान्यम्। द्येषान्यस्वार्यायम्। दाराधावकार्यरान्र्सः

नबासायकार्यान्नीरायायनम्बास्यायने स्वीयहेक्यम्बुद्या देवायस्या मासुस्य निवस्य सम्बुद्धा स्यास्य सम्बद्धा त्रीता या सुत्य । मासुत्रा मासुत्रा मासुत्रा मासुत्रा नास्य मार्थे र्तेयमम्म्याम्यान्यत्रेयम् स्याम्यान्यान्याम्यान्यान्या स्या न्तु है जट महिटा नु क्या थे केंट्र महिषा स्यास्या मा भे पर्ने न मह्या चुःर्बे र्बे न र्वे न बेर न ब म र्वं र न तुन् मू से ब र न तु र हे म र्बे प्वरे पे पुन हे यया अट में प्रिक्त प्रेट प्रथा झ स्या या है श की या की राजा है रा पर्द में श नर पुषान्या ग्राभेषाण्चेषामर्थेषान्या वेतापान्य होता सामामहैषाया गिर्दायम् नुषा ग्राभेषायासावन्तु सदानु चुदान्यदाम्यानु ग्रामेषायान्त्रे विटाही ह्याविटाक्यावविटामक्या ग्रांश्रेरालानेयावविटामक्या ग्रीकालेया नेयाम्या भ्रात्यार्से हे प्राटा धुम दे स्थया ग्रीयाम्ययाम् विप्यते प्राया दी शुभायान्द्रमुक्षाणुभागुभामुभ्याम्भद्राचिद्या हेनामीभागुकान्मद्राचा र्दा लेर्यान्यर्द्यान्य मुर्था मुर्थास्त्रीयास्त्रमा चरार्याके प्रतेत्या सूर न्यामुर्यासुयासुयास्यामुर्याम् । यत्र विष्या दे स्ययामुर्यायमान्ययाम् । मान्या ग्री स्राप्त स्था लिया पालुयाया थी। । देवी सायन पेवी मुद्दापानी सार्ने रा देशमार्थि दमो प्रते प्रमुद्दामानुशा देशम् केन भे प्रति स्थापार्य प्रमाशया देश गुर्याधियानुत्राम्यास्त्रत् देशार्भुत्रास्त्र्यान्यास्त्राम्यास्त्राम्यास्त्रा देशम् अभा देश र्सुम्यम् प्राप्त सेटाया देशम् बुश रे हे सुवा अळवा देवा म्बुर्याणुः तुः चिलायार्थेम्यायायायात्राया मार्डी में खुटायळ्ययायारे दाढेदा न्याभा नेयामुप्दन्यानपहें न्यान्नर्या धुमार्द्या विभया नेदी आपनानु न्या र्श्वियामान्नित्रात्रीयानुः भाष्युरायदेः स्याचुदाने मेन्यान्यान्यान्याने विष्ट्रस्या अटतः रेशः में र 'ग्रै' मुयाष्मश्रात र्षेशायदे 'मगदा ते' श्राकरा मनर यदे '

ग्निस्राट्माद्राक्त्यां कृत्यो ग्राट्माद्रास्या के मुवार्यस्या के स्वाप्त स्वा नगायक्ता केंबाईमाबाकेंबा उपमोयामालेगामोर् स्टामोशेबास्ना गुंबामालया क्या र्रोच पर्येक सुपर्दे र केट मालुट चम् र चेता १ अयय प्येक मेन पुलक पर्ये दुबाबु। बददारेबाण्चीपठंबार्यार्बेदादेबा खुवाद्युबाणुः कुवार्यादे पायाया बु'न'सुवान्बर्क्ष'बुब'यब'अ'गुना ब्लून'ग्रैब'र्बेट'टेवे'बुब'क्ष'नर्द्धन'नुट' क्चार्दर्ग्चेशर्चर्ण्याम्भश्ची क्षेत्रायम्भन्मन्त्रायम् निवास्य गटके'न्यस्थस्य र्वस्य विस्वानम्यार्वस्यायित्रस्य स्थाप्ति । नवट र्से विगागन्त न्द्राया स्वाके नम निग्री हो स्वामिश्या मुवायावार्यम्बायायवेर्यात्वायाम्बेराब्दास्याद्युसाद्युसान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्य निहर है। मुनर्सेन त्युबाबोदायोबायबाद येन प्रमुखानबादेन पुनर्स ये नुट क्रन सेसर द्रमदे र्सेन द्रमें कर दुर लुरा यथा यह के दिर प्रमाण के लेखानु न नि'ग्रा'अ'भ्रे'पा'न'पङ्गे' ५'सुअ'सु'स्'ग्रेश'पलुग्रायपि'नट'न्यायाय्याभेट' ग्नायायम् वर्ष्यात्रेषायाः वर्षेत्रायाः वर्षेत्रायाः वर्षेत्रायाः वर्षेत्रायाः वर्षेत्रायाः वर्षेत्रायाः वर्षे तर्मा तर्मा तर्मिनार्मर मिनाश्चित्रात्रमा र्ने गोर मिर मिर मिनायर दर्मी स्रा र्चेन्यायम् विषयायम्युटानम्मा हेर्स्य भ्रियासदेख्याम्या सुरायाया गरिगायायहेत्रत्राचेंद्राणुःशेश्रश्रास्त्रायत्राचेंग्रायरावेंद्रागरिगा माशुर्यान्यान्यान्ति दुनुर्यान्ति मेर्गिष्ट्रानुराक्तार्देर् क्षेत्रास्तरम्या भूरमाश्यामीत्यप्राम्याप्रमान्याच्यान्य निष्याच्याप्रमायाप्रमायप्रम् युगायनात्रमा वींगाठिगाळेंबालु निर्देश हुन नुगमें राष्ट्रमा नि स्वा की निया में प्रकेष मार्थाय में निया स्तर्भे मुद्र स्वाय के मार्थ से स्वाय से मिर् र्ने अट र्ने या देश इ अह्रा नश्चन परि मान्सस हमा मान्दा क्षे मुट क्ने पर्दे । ५८ में दूरित केत्र प्रवाद में या श्रीमाश प्रविश्वी सह में श्रीय प्रवाद स्वार

माञ्चमाया सर्रे हे दूर दें त में दर्मा द्याया सम्बेरा हे या सुराद्य दया तथा ब्रैन'यायार्सेम्बायायायययाणुः द्वाप्यसूयासीय सेटाया हैनाया स्वाप्यस्य बद्यामु नेर परि केंबार्यमा श्वापा प्राप्त में ब्राया है । व्राया है । ब्राया है । ब्राया है । व्राया है । व्याप है । व्या यात्रम्था कर्षा विमाया केत्र ये प्येत् यथा विमाया व नम् म्राज्यस्य स्थान्य बेरावाद्या कम्बास्य सूर्वम्बार्स्य देवायार्स्य देवाया चुर्याया कम्बास्य सूर्याया धेन <u>चेर प्रायार्श्रमाश्र क्रियार्थमा श्</u>चायायस्य उत्ति एत्र प्रमाशास्य क्रिया यदे सुयायदे मान्ससाटमा छिन स्टामी सुमासा १ समासु प्राचिसाया सिमालुसा यशमादा वमा मी कुर रेंद्र दिए हुर त्रा शुरा शुरा श्रेत्र यो दे माद्र सार् स्मा स्मिना नुःक्रीट केंबा खुः मान्या देवे सुयानुः यह्न याया यह्मा यवे देवाया मान्या दे श्च्याययया अर्रे र्डभारु प्रोमोरायमें द्राया सुदाया अर्थे का मान्या त्युर्भारार्ये पर्देश अटार्या पश्चरम्बर्गनम्बर्श । श्वर्णेशर्पेर्भेद्रभटा र्सायद्यार्स्यासुर्वित् द्वयासुर्ध्वत्द्वयात्रया स्टिनायर्वेयामस्याया र्श्रेमायायायायाप्रदेवाण्चेयाष्ट्रयावया यन्द्रमुद्रासुद्रामुद्रामद्र्ययाचेवा र्रोशियानबानगवादिनके नायार्शिन्या न्यायदिकेंबा ग्रीके में अर्दे विस्वा श्वर वयान्यूट्यान्यम्या देवान्ययाद्यायीयाः नितान्ययाद्याः व्यान्या र्देर पर्टे पें हे भ्रमिडेम मैश्ये रें पश्च त्याप धेतर्ते । केंय प्रमुट में पें सुय भ्रातर्यायरास्यास्यायात्राचात्रम्यायात्रम्याया यायायों कें। यायानरें यायायें नित्रों पदी र्श्व शीनर्त में हे र्र्ते न प्राप्त में न णुंर्भियह केन से इसमाणुं मासुट द्रा द्रम्भ मार्स्ट मो मार्स्म समाप्त केन

यमायः मार्चेन्य क्षेत्र क्

स्वायाः स्वायाः विष्णा ॥
स्वायाः स्वायाः विष्णा ॥
स्वायाः स्वायाः विष्णा ॥
स्वायाः स्वायः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायः स्वायाः स्वायः स्वयः स्व

श्चेमायायित्रम्मत् श्चिम् १०८० विस्त्राचित्रम्मत्यावित्रम्मत्यावित्रम्भः स्वाम् स्वाम स्वाम् स्वाम स्वा

वयाधी मेग्या द्यो सुवापट वया सुमायसुव लुया यहुगाया द्या शुं र्ये १००० र्थेर सु निवेद विनयं निवाय अ विना ने र्हें के के देनाय दिये सुक निवास स्था सुर नस्त्रम् नुषा यटा है। र्ये २००० र्यर गात स्तु रात महत र्से न मृते के सेटा र्ने त गुयालु'यालेगान्य रिययसाध्यार्गराकम् रेयासीटायम्गयान्यास्यायलेरा विमागानासुतुः से 'रेमास' द्योः सून 'यदा स्यास्य प्रस्त पुराय दुमा द 'येदस' रूटः १९८१ वे सिंत पुर्वेद प्रवेश स्वाय प्रदायमिय है। वे सिंत से मैनाय प्रयो सुत मद वर्षास्यविद्वावयायन्वायायायद्वीस्यायस्य स्वाप्तायस्य स्वापत्यस्य स्वाप्तायस्य स्वाप्तायस्य स्वाप्तायस्य स्वाप्तायस्य स्वाप मानदारे में प्राप्ति माने बार्के मानु प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति माने प्राप्ति माने प्राप्ति माने प्राप्ति माने प्राप्ति माने बार्के माने प्राप्ति माने प्रा यमाश्रास्टान्स (नियानिहे) डेशायानिमायमायस्थित हैटानेसानुशा नगण्य नुषा बैकायर नास क्षिय वित्र वित्र वा या निष्य स्रो वि नगाने ना नविन'रु'रूट'न्या देयाप्रमुयान्द्र'रुह्मा'नविन'ययाश्रम्यार्थार्यार्थेर'ठे' तरीतात्रभावी.कृषा कुषा तासे मासे मासे प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र गुर्भाण्य प्राचित्र र्श्वे वित्र पृष्ठेत र्भे चुर्म प्राचित्र प्राचित्र द्रभाय प्रम प्राचित्र द्रभाय प्राचित्र वेश वु न यामाशा अमावि सु नवे ८ ' द्या स नवे ८ माट धिव र स्ट र र्घमा अर न्वत्यानिक्राधिकायाचे केंबाबी नर्वेषा है। वेंन् शिनुषा केंदा करानुषा सुन्दा र समाध्यामा हवा वया थे। सूटा या वे किया मुखा सि से 'र्सेटा यर्दव 'री' यापरा गर्डेग्रथ:८८:यो:८८:याह्रेश्य:याह्रेश्यादे:४८:५;मुव्य:र्त्तेत्रः इस्रशःर्ते:येंरः पदेः भ्रम्यश्युर्त्त्र्वर्धाः इस्रयाण्चे सर्वत्र मम्द्रान्यते वृद्य द्वार्थः स्वर्धः स्वरं स्वर्धः स्वर्धः स्वरं स्वरं स्वर्धः स्वरं मो माट मो नट दुवट दुश झ वश स से दे र पर द्ववश ने श र मिं न सट दु वर्द्धाः वार्षा निवयमार्सेन अटाहे सार्येत्। निवयमार्सेन विस्थानेन अर्दे नर्दना न्यवशर्ज्ञेन क्षां नर्दना न्यवशर्ज्ञेन विभायने न्यवशर्म्य हैं।

रे द्वमाञ्चा नयवशर्त्तेन अर्रे यस्त्रा नयवशर्त्तेन वस्तर्यम् भीम्बा नयवशर्त्तेन विंभायेग्या न्वत्यार्त्तेन्ध्रीत्यार्थेग्याण्यान्यत्याययास्यत्यासालेयाया भै'र्इट'वेट'र्नव'नवेर्'रेश'यर'र्नवय्यायायाभे'यन्ते'ना'र्ने'यारे ने्न्रेरास् र्देश'न बुद्दान'पद्दा मार्थापा सुद्दामी' दुर्घा है' द्वादश' धेरा प्रेरा मेव साम स्वाप स्वाप सुद्धा स्वाप स्वाप याध्यायुटासटार्यालेगानुः झान्नयान्दाष्ट्रायमास्रोन्यमानुः भ्रायमान्यस्य न्वरार्ग्नेद्रा स्वायन्त्रीयायान्ववायन्त्रीयार्थम्बरावग्नामायसानुन्रहेदा। न्रेबाया द्रभगः ग्रीयारास्य द्रास्य वर्षाः स्रायस्य वर्षाः स्रायस्य वर्षाः वर्यः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्यः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः व यम्र्सेन्यवैर्ववय्वेद्राचेश्याने ने वेर्षेषास्यम्यग्युवैर्वेशसर्दिर्वश नगर स्व में न्य में या नव न्य वया वया स्ट्राय के में मावया नरु भ्रामदानदान्त्रवाशासु मार्शियाना रेमा मार्थर मीदार्स्याया ये हिन्सी रेमार्था र्ये निट मीश्राम्यर पे लुश्न क्या सेश्वा क्षा यो ट हिर ही द मेंश्रा के या लेग वह्मार्कें कुरायावर्त्तेमा ने नशास्मार्यमा रेमामरायमा मुर्शेन यायीना के मेरा र्देन'म्य'णु'प्यम्'रु'चुट'यदे'द्यद'यहेद'प्य'सर्मे'क्य'र्म्या'क्य'म्डिम्'र्कटः भेरायाय दालेटा। यदे भ्रिताणेशाय भ्रेमशायराकाळाटा प्रेतायरा भ्रदा। देरा नस्यात्रान्तरानेत्राचेत्राचेत्राचार्ते स्यानेत्रात्राच्या नस्याच्या नस्याच्या मुंबानेबाचुनायमामान्या बामानिन्नयसामनेन्यते प्रतिन्यवसामान्या सूरामी निवर्र्या द्या विमाम्बन मुस्यानित्या प्रसार्ये द्राप्य सार्ये द्राप्य सार्य सार्ये द्राप्य सार्य सा ५८ भे प्रक्रम्य या सदा दुः सूदा से। वि र्सेट हो पर्वत कुर्व पीन सुमाया ५८ १ र्श्वेयर्रोत्रयञ्चरम्बर्यर्देर्युद्धाः यथ्याः यव्यवार्वेया यथ्यः

<u> अया न न न में प्रमाय में नुमाय में नुभाव के न ले न पर्के में भाषा न मुनय न या </u> चर्तेत्राद्धान्ता गामायानीयासु हेनामायमामायासासहेत्त्राचर्तेत्या नर्श्वम्यानम् नुपारम् र्नेन्याम् यायाने यया नुपारम् नुपारम् नुपारम् निपारम् हेशसु'यत्रुट'दशकु'गर'योषिद'ग्वद्रासद्द्र'यास्र वद्राद्रिप्य गेसकु'गर'द क्षावट विवाण्य निर्माय से विवास के का मुना अर्के वा वी शाम स्थाय से शाम भायानीयात्रभाभीमाविमात्रभामीयात्रभाष्ट्रभामात्रभाष्ट्रभामात्रभाष्ट्रभामात्रभाष्ट्रभामात्रभाष्ट्रभामात्रभाष्ट्रभामात्रभाष्ट्रभामात्रभाष्ट्रभाष् वर-८८.नद्र-रूपः अष्ट्र-येश्वानात्राचान्त्र कुरान्त्र विश्वान्त्र कुरान्त्र विश्वान्त्र कुरान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्य विश्वान्त्र विश्वान्त्य विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्य विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्य र्देशर्द्राक्षेश्वयुक्तरायेवर्ष्ट्रयदावेदा हेर्नुर्द्धमायीर्वदाद्र्युवर्षे नर्द्र रेंदि भ्रम्य राष्ट्र निर्दे हिट प्रायम मा नुम्य प्रायम सर्वे दा कुर केय प्रोत्य प्रायम ब्रूटा वर्देवे कटा दुः आवशः त्रुक के सेवाश चुशासकत् सटा दुः चर्गे दाया दुः शुः र्मेर्यमेन्द्रम्भटार्ययद्गाकी आवरायायायरास्य विद्राग्रह्टास्ट्रा मानेयामार्थेन द्वानम् तर्मामायदेन मामयामा समयामा माम म्बिम्बर्द्धाः भेष्ट्राचा चुटाचा भेषा द्वत्याम्बर्धाः सूटामी प्रवेदाया स्वा अलिगामिन मु न का के द द गाय प्रमा सूर दी । दिनय प्राचेत रे निर मु गो अमिर गॅरिट्रिष्ट्रियास्य स्वाप्त स्व ष्ठिमार्स्याः भेरतस्त्र नगुदार्थाः नस्तु द्वारायार्थेन स्निन्या गीसिन्य नगास्य पर्वेतः न'भेत'पश'श्रथ'धूट'र्क'क्ष'न्नेत'य'नश्रथ'य'श्रेत'य'ग्रथप'नर'र्हेग्रथ'त्या यदैर-पृत्र-भेट-द्र-छेत्र-भेट-माहैशाया-छेगा-छर-द्रट-रेश-ग्रीशायालेशायळ्गा भेर्'रु'र्देश'मबुद'परुमा'र्डेट्'। र्'रुट'श्च'मलेर्'र्डेश'सम्'रु'न्ट'र्र्ट्'ल्ट' सक्तायते न्यार में केया चुन र्सेर सहस्रात्ते ए चुराया अट प्रेर से सूट प्रश् यदीःमालन्यायाः भेदाः हेन् सुदायसे स्यास्या मालन्याय स्थापना केनः वि'पर्के' न्द्रामा साया में या प्रमाद्या रहुया स्वापविदामालम् समसा न्द्राप्त्रा प्रमास

नन्दर्रेटा भेगामञ्जमशण्टादुटाष्ट्राचरायदेवेष्वद्रिवराचे देने पेण सह्मामीमान्सालेसायमान्त्रीसार्धेनायमान्त्रीमासायस्या देताणूटान्यदा निवर्द्यास्य निवर्ष स्वापेत्र स्वापेत्र विषय्य निवय्य स्वाप्य न्युन्मिले स्केन र्थेन देश या के साके नागाय वसुसान्दानाय केस्रागा विवा मा नगत्रवरानेवान्त्रम् मान्यान्य नगत्रवराष्ट्रेः स्थान्यार्भगम्य स्थान्य स्थान चर्ड्याञ्चर्रायदार्यदे श्वमा देयायारेमा यादी केया द्यादा चाद्या सुराद्या यबा नगे केंब की मार्च मही मही महिला की बाद में मार्च मही बादी महिला की बादी महिला भै'र्देश'य'र्ने'मान्सर्था'प्या'प्रा'त्मा'रु'र्सूर'र्ह्म्या स्च'यनेन'न्यश्याप्राम्यास्य नर्दन में विष्ट्रे र्श्वेट नर्दन प्रदेश श्रुष विष्यामा महिषा की सिंह प्राप्त हुट भ्रम्याम्य व्यवस्थि से से स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर निवन मुं अर्थ मुर्थ निवास विवस स्थान निवास स्थान स्थान स्वास स्वर्मी या निवस निवस स्थान स्थान स्थान स्वर्मी या निवस स्थान स्था सहर्द्धार्सिम्याञ्चेया विर्सेटामेयानयसण्ययानिहर्याम्नानाहेयार्धानहुः माशुभारेटा मुलार्त्त्वित सभया सेटार्श्वी या पोटया परिर्विट स्वार्थिमाया युटारेमाया मान्न केमार्य प्रत्य प्रत्य मार यय र सी सञ्जन या सर पुरस्य प्रमान्ति। अर्देरान् प्राचेर्यार्या केत्रन्या स्यानेन प्राचेरानेन प्राचेर प्राचेरानेन प्राचेरान प्राचेरानेन प्राचेरानेन प्राच र्ट्राभ्यान्त्रात्वान्त्रात्वान्त्रात्वान्त्रात्र्यात्रात्वान्त्रात्रात्वान्त्रात्रात्वान्त्रात्रात्वान्त्रात् नर्देशन्दायवन्त्रीत्रभाषशन्नदार्देशन्धुन्यद्या मेदानुःबुश्याः सुरान्धे कःभेष्ट्रयामभ्यष्ट्रग्यम्यर्वहःकेटाधेद्रदेशः इस्रशः सेराचलगः नुसःविदा अ'धेमा'रूट'में 'धेम'र्वेर'रेट'क्षुअ'य' इसस्य चर्डेस'मेट मुम्म' हमस' प्रेटे े वटानु न रुगार्थेना ने क्षेत्राधिमा काम्ब मुकार्वे र देशा सकैशा क्षु साथा नर्रेशा

मुट'चुर्यायाययाम्।म्मयाद्याद्यायद्यायद्याये धेमायायदामु धेमाद्याय्या र्डेम'य'र्ये'र्र्र्र्यमे प्रत्रे र्श्रेयाधेन भेन प्रते प्रायम प्रत्रेम धेम र्द्र्य स्त्र गुना हम्बायायमुन्यात्रयात्र वापोरान्य निमायर प्रमाया अळ् वास्त्र मार्थी से दारा भावन्यर्थ्यार्थ्यात्र्यायाः भावन्यत्य्वयात्र्यात्र्यात्र्यात्यात् श्रेव द्रो केट श्रुम क्षेत्र ग्री प्राप्त प्राप्त मिलिया प्राप्त स्वापार मिला स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स ञ्जुमार्श्वियार्थेन प्यायाद्वेन। याद्वेन। वियापययाश्च्या पर्यन् न्ययार्भेन ग्या गुर्वा गुर्वा स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ देन गुर्वा तुर्वा स्वार्थ देन गुर्वा तुर्वा स्वार्थ देन गुर्वा स्वार्थ स्वार्थ देन गुर्वा स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स क्षेत्रका भ्रीता दुना दनाय क्या मी स्टानना कुर हैनाया सम्बुमानयी । 1 कुरा सु वर्ने स्वायने र देशायर सूटायायशा द्राया वर्षे साय द्राया स्वाय स्व १७०६ मध्य भी वट वट क्या दर्गी सञ्चाद्या स्वी भी कुषा श्रीया द्वी मावन क Фने निष्णिया नर्नि में यो नर्नि में ये निष्णिय कु माश्रु अप्यापिन या निष्णिया नर्नि में यो निष्णिया नर्नि में यो निष्णिया नर्नि में यो निष्णिया नर्नि में यो निष्णिया निष् यशयर्नेटःवेटाक्रयाद्रवाकेत्रुः केत्रेक्षानिटावेशनेया वेत्रुश्येषा क'अट'र्येर'षि'र्श्चेट'रु'र्येर'वषुट्य'यर'चन्द्र'ठेट'य'रु'द्र'श्चग्य'रु'टु'रु' नरुषायाक्षीयन् नर्देषान बुदायावन यदान्दर कुताने दिया के दान्त कुरान्दर कुरी धैगार्टा यथारेन में दिल्ली देश के में प्रमानिक में प्रमान हैं में ०८ वर्षेर प्षुत्य पर पति । ए पाके कार्येय मी अपित मी ख्या पी का यम प्रविद णुट गीर्थ विट गीट है प्रदेश दश की मार्श शर्थ है या प्रविद्या याधेन यथा ने भेनायमार्वे प्रमार्केन स्टा श्रायमार्के मधीन यदी न्युन मिन विमासुमानुःर्सेन देशायम सूटा कुन् यदी धेन यदे सूच छेन की यज्ञायमाय नरुमासुसार्येन नरायन ५८ न्याः है न्ये प्रायमस्य पास्त्रेयः सम्बन्

सृगायायसमायसम्मदसायित्यः म्यायेत्यायेत्सायर्वेदसानेः सुगायीः र्ये या स्याम्बर्धा अहँ द है रेशाम्बुट्या या द्वा है हिंदि है प्रस्त है। या प्र गरिम्बार्ट्बायबाम्ब्रमायमामदान्यब्यायबाख्यस्व गुर्वास्त्राच्या यान्धिन तुः सामविष्ठेषा मञ्जामतुन या हेना मञ्जाषा यदि के लेषा माशुम्या या है। में मुर्यादर्श्यादर मेन मुर्यायुन या धीन में कु मार्थे ०८० में या प्राप्त प्राप्ति । विटासुमा २५५ सॅराइमाटार्सा नहुःमाशुश्रानिशायरायन्या प्राचिरा येत्रषा कुर्ये स्मा ०५२ वॅर दगुट वॅर होर मार्डम मी सेट खें मुक् मी हों त र्न्स्क्रिक्त्रेम् स्थान्त्र स्थान्त्र स्था वर स्थाना स्थान्य स्थान्त्र स्था याम्यानिताम् प्राचीत्राचीत्रः मासुत्रायाः सुरावीत्रः स्वायनिता रेते कुर्यो कुर्यो प्राचित्र १८३ प्रेर विट सकैसरा मुया मा ने मार पर हमा ह्या मार मेंट्रमीयर्चेट्र्यमाचिट्रेष्ट्राष्ट्राष्ट्रम् मुट्या येर्येम् ०७७ वेर्य्ययया येग्रायम्म्या देवे सुर्यो भेर्यास्य ०५० वेंम्य्यस्यस्य वर्ते व्यास्यम् यदै'न्धुन्त्तु'र्राचदै'ळेंश'नदु'न्तुन्हेन'नदुम्बालेश'य'न्ट'विम्बार्थ' वर्चेर निया बर बे बे निर्माय कर के बे निर्माय के लिया के निर्माय क ८८.सिमा.स्.स्माश्चाक्रमामक्षरमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त नवट में भे भेष द्वट में भाषी भाषा के भाषी अके द्वाप अके चुट । "लेश मार्च देव" नर्देशन्दर्भेनान्सी अधुनाने। भ्रार्धेनान्यमानेशन्दरम् धीर्थो श्रीर्थे ४०० वा नर्द्रभें मि दे केंद्रभें दार्य के मि से निर्में मित्र केंद्रभें के स्वाप्त क श्रीटानु प्रमुषाय्वया पर्व भेरिश्वया स्मान क्रे केवा भेरिया प्रमुश्चेवा र्ये हिट दे पहें त्र विषय माया प्रतिवास है। विषया स्वाप प्राप्त स्वर्ष र्शेटमी स्निन्या नल्ग्या पेट्राया र्यं अप्ताया निष्टे मेटा महियागा सु

हैमा'यर्ड्स'र्येश'के<u>द'र्5'श्र</u>ट'य्न'द्र'देदे'ष्ट्रिश'क्चुर'यायगाय'मार्डमाश'शु' नश्चमायानेशान्मीशार्शे। 16 वर्तेमामश्चाम्यमारीकारी केवा नामार्थे । उत्तर्मा नुः ब्रेंब देव पे के ते के विष्ट है (यदे यद माने माया परि य ब्रव परि माया ैर्स्त केत ग्रे क्रें में में मान काय हुना या या या है ता शुं में का शुं मा क्रा मान की की ना नबास्यानेन्द्राचित्राचानम्बाद्याने सामेन्द्राम्यानेन्द्राम्यवाद्या । ७ कना श्रीर भ्राम्मायाया भ्रेरानर देश भ्रमाम्मा श्रमासु ने नर्म र्याया करा श्रीर वर्चम्यायाद्या त्रुँ तर्भेष्टायु मैटावर्ड में या वर्भे वरे में या सु मैगावर्ड र्यायामार्थयायया" लेयाया के मेन मुख्याया क्या के है। वि र्शेट प्रद्याहेया सु ने गिन्न'न्यायायकेयायी। । ८ ने न्यासु नेगा पर्यन में पा न्यार प्रमुम प्रमास्कर चुर्यान्यार्थेन् न्यार्धेन् न्यार्धेन्यार्थः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्था र्शमाया में में निमाया निमा मुं प्राप्तिया है। के या मुया मि र्शेट हो नर्म या स्था मार्थभार् के के नार्थे के निर्मान्य के निर्मान के निर्म हैमा'यर्डक'र्येप्यां <u>वि'र्</u>थे र्शेट'यर्डक'क्य'यद'क'प्येमाय'यहिट'र्थेक'क्य'य' गशुभाषीम् नेशम् र्स्त्रम् वर्षायाद्यायास्त्रीश्वाम्यात्रीत्राचेरायासु नेगायरम् श्रेम्यमामीशर्केना केंशप्र हुट थि मो लिया श्रेष्त्र सुप्र ने ने ने स्थाप्त सुप्र में ने स्थाप्त सुप्र सुप्र में नद्देनश'य'दर्देदे'न्द्र'म्ब्र्न'स्थ्य'स्'न्वेर'व्नयश'न्न्यश्य'र्द मङिमासद्धद्रसाधीत्र सुद्रासी यद्राया समार्थिमार्थित यद्रमाया ते सुरिमामी र्वया पुर सु'र्मा'रेश'र्रीश'वर्मा'यर'वर्रीट'य'सु'र्मा'यर्द्र'र्थे'र्दे'सामश'य'रेद्र'र्थे'देगा' भूष्रे है। र्याम् क्यात्यर बराश्यम् विस्वायान्त्रे रियम् यान्यान्या यदे अर्दे विन्द्राया वर्ष्य में सुर्मा वर्ष्य मीश्रासहित या नेशाय विद्राप्त मा

यबाक्याञ्चबानेबार्धेवाठवानेबानीबार्स्सान्यूराक्षायदे क्रेवाधेबार्धेदाणे ब्रैंर'य'र्रेअ'श्रेश्वेर'ठेट। रियास'र्यर्शेयं २०० क्षेम्यार्यतव्यामी'र्यराव्य र्रे मेटा गायते योगायसेट ८५ यम। "ट्येल हा न्या गुटा न्या सुटा गायता । गडेन सुर्गापर्न द्वा हें से सके दा ८० मुवासन इससादा करा श्चेर र्सेन र्सेन अन्य प्रता बर र्सेन के सुगान प० अन्य पश्चमा है। गर्सेन य गण्दान्द्राम्बदादे।। "बेशम्बयानायशस्य मुन्नानस्य चेत्रामि शेर्षेद यद्र देवे भाषा देवा है से क्या में प्राप्त का मार्थ मार्थ कर से देवा से देवा से प्राप्त कर से देवा से प्राप्त स युवावमाञ्चू दामान निगामीया नुयाया भेनानमाञ्चरा यस देनाया थी। । १ वर्ष उटार्ने न तिविद्या मिटारेम के लीम ४०३ स्तानाम स्त्रामी मेश की मार्किता नगुट र्लो नगु है अन मि हे र्शेट नड्ड प्रमायियों ४०५ लेंट मिट सेनम् यदेशर्भे न्यार्वेद्र उटार्दे मिलेट्रायाद्र रहें मर्जे मायी खुयाद्रशामणुगार्द्ध्या र्शेमायानम् तर्मायार्भे कुयान्रेयान्य क्षेत्रास्त्री सन्मायमान्य निष्टे त्रीं कुषाद्रमाय्ययाम्ययाम्बर्भाम्यातुषाणिद्रम्यायुः दुषान्यद्रम्यो प्रमाया न्ना नम्भू र क्या कवा श्री र मा हर्। डेया या के प्राचा रेया दुः श्राचा लेगा श्री नरा स्राकुत्रामा ५०३ स्रेम् प्रामुद्द्र से द्राम् ५३ ७ स्रिम् म्हित गरुटा वि'रया नर्गेटशन्या विरादिष्टेंग्या न्या विरादिष्टा न्या स्टार्थी से द्रा ञ्जमारानु ८८० वॅराञ्चायुटान्ययार्हेरानुराय्यायायायायायान्यान्यान्यायान्या

केयायवे मान्यार्थे। ।(11) ५८ में ८ में न मुन्या सुन्या सुन्या सुन्या मुन्या मुन मार्रेश ग्री प्रमान के लेश पार्चे प्राणी के तुरमातृ हा प्रविदेश कहा मी के प्राल प्रहा प्रस् वट वटा क्रेंट खुराया वेंट रो अगमार्थ होट क्रेंट यह से नेट यह में नेट रा निट नेर प्राधित प्रथा धीमा आयत मी धीमा र्वेर प्रीया पर्मेर आक्रमा में । श्रीमा र्भेषाभी भगार्थेट हुट या नर्दन पहुँया नु स्निन्य सु हिट मीर गणुया बर नगूँ दश है श र्शेम र्सेश द्या प्रमुप्य प्राप्त प्राप्त स्था है स र्सेश है या स्था है स र्सेश हैं या ग्रैबाराक्षार्येराग्रीर्म्याद्राम्याद्राम्यव्याप्त्राम्याद्राक्षात्राम्याद्राक्षात्राम्याद्राक्षात्राम्या केदे रूट हुँ टाष्ठ्य में। यह नर्डे राधिया यात्र द्वाया उत्र मे बुट हिया द्वेम नर्गेन्त्रा र्वेगाष्ट्रेन ७ समा र्ह्मेन्यंग्युन्चिश्राश्चराने र्वेटायुटान् नर्गेमह्मारान् नित्र बेर निर्मा रेंद्र सुद्र की का साम सुद्र सुद्र से नित्र मालक लिया हु नम् र्षेत्रत्नुग्याययाकेरानदेन क्षुम् मिग्सेन ८० यम् मदार्थेश नगुर-नतेःन्याधारमायमानेमान्यासुरमायमार्येद्यासीयर्क्समायर अष्टित्रव्यायान्यस्य वियानर्थेयार्भियाय्येय ५० यम् वित्रण्णेकवार्येत्रयार्थेता यमित्रपर्देन्याधेन लेग्यासामित्रामित्र मेप्येन प्रेमा र्म्मार्सेच ७० तमा वाताक्ष्रम्भत्मित्वित्वश्वास्य वित्वेशस्य वाताक्ष्रक्षतः मैर्न्यासर मुद्दालेयायर पर्छ्या र्वेना सेन ७८ यरा उपमेवा सेनानेया विषाया सप्ताविषा होना सामेषा विषाय देवा होना होन ७५ यमावर्षिमाषानमा भद्रेन्द्रान्त्रप्त्राच्यान्यान्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यम् पर्वेषार्थे। भर्देरा वयदीराद्यां अर्केंबार्डमायमायर्डेमायमार्कदामायमिंदासेदार्दे।